(अ. भा. खण्डेलवाल वैश्य महासभा का मुख पत्र)

खण्डेलवाल महासभा पत्रिका

(प्रगतिशील राष्ट्रीय हिन्दी मासिक समाचार पत्र)
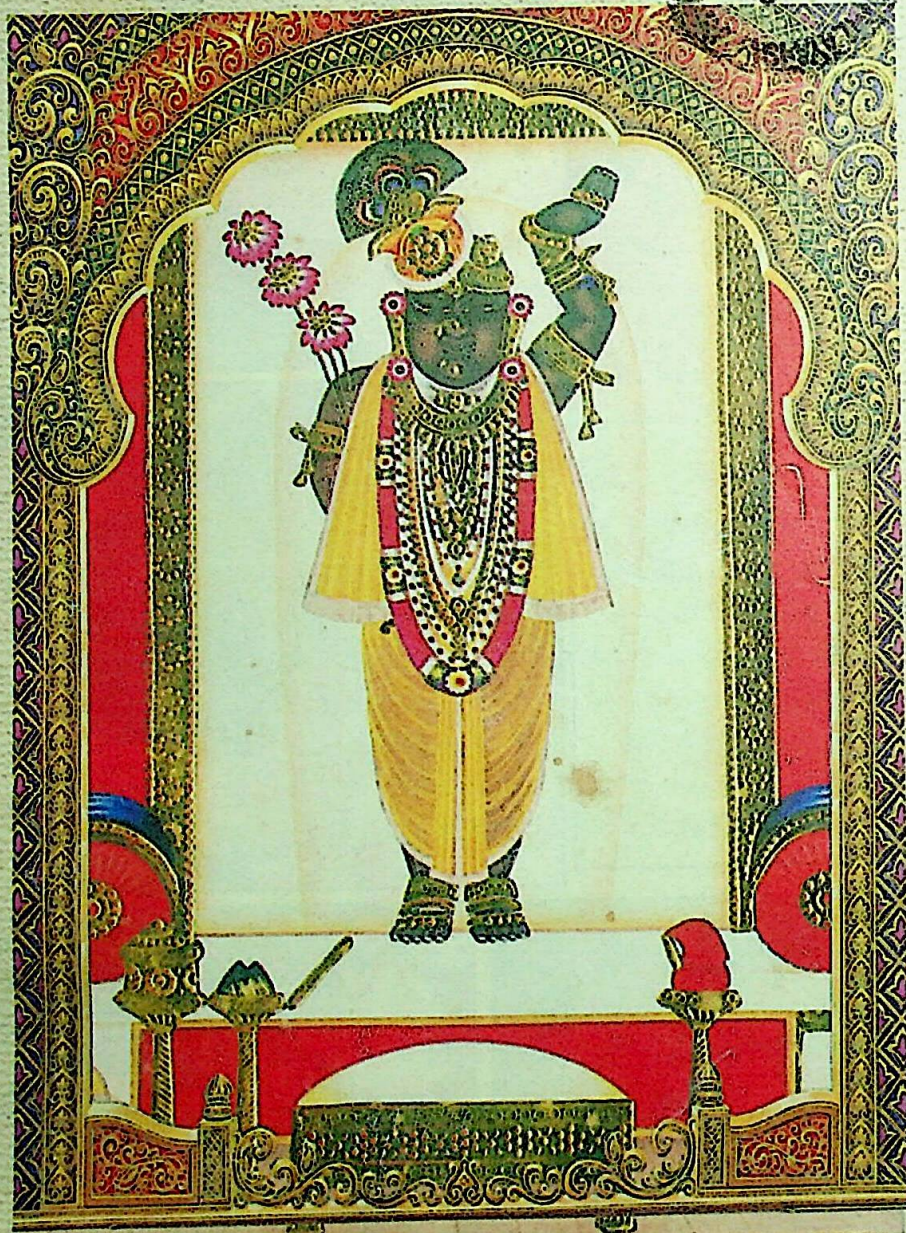
भगवान श्री श्रीनाथ जी, नाथद्वारा

का.का. की बैठक की झलकियाँ

खण्डेलवाल महासभा पत्रिका

अ. भा. खण्डेलवाल वैश्य महासभा का मुखपत्र

वर्ष : 7 | अप्रेल, 2005 | अंक 10

श्री खंडेलवाल वैश्य समाज, उदयपुर

48, सेण्ट्रल एरिया, उदयपुर

प्रभु श्रीनाथ जी की असीम कृपा माता पिता व गुरूजनों के आर्शीवाद से श्री खंडेलवाल वैश्य समाज उदयपुर को निमित नाम बनाकर अखिल भारतीय खंडेलवाल वैश्य महासभा के अधिवेशन का आयोजन उदयपुर में 4,5 व 6 जून सन् 2005 को होना निश्चित हुआ है।

महाराणा प्रताप के तप व त्याग की वीर भूमि प्रभु श्रीनाथ जी मीरा की साधना स्थली, मेवाड़ में आप सभी सपरिवार पधार कर महाधिवेशन में स्नेहमयी सहयोग व आर्शीवाद प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनावें।

प्रभु की कृपा से हम पूरा प्रयत्न करेंगे कि आपको किसी तरह की असुविधा न हो। आप सभी अपने आने के कार्यक्रम की स्वीकृति 15 दिन पूर्व तक निम्न पते पर भिजवा देवें।

ओम प्रकाश गुप्ता 978 ज्ञान नगर, सेक्टर नं. 4, हिरण मगरी, उदयुपर-313002 राज. फोन 9414167020, 9414168070

महेश खण्डेलवाल — अध्यक्ष
विजय खंडेलवाल — महासचिव
ओमप्रकाश गुप्ता — स्वागताध्यक्ष

प्रति का मूल्य : 5 रूपया, प्रकाशन संख्या 9,000, साधारण शुल्क : 41 रूपये वार्षिक आजीवन शुल्क : 301 रूपये

सम्पादकीय

धन्य उदयपुर

राजस्थान के मेवाड़ क्षेत्र की हृदय स्थली उदयपुर में महासभा का 30वां राष्ट्रीय अधिवेशन 4-5-6 जून 2005 को सम्पन्न होगा। खंडेलवाल वैश्य समाज उदयपुर ने इस अधिवेशन को उदयपुर में करने के लिये निमंत्रण दिया था। अधिवेशन आयोजित करने के लिये बरेली, वृन्दावन, अलवर, जोधपुर, अजमेर, इन्दौर की संस्थाओं ने भी निमंत्रण भेजे थे वे सभी धन्यवाद की पात्र है। उदयपुर के नवयुवकों के उत्साह को देखते हुए का.का. समिति ने उदयपुर के निमंत्रण को स्वीकार कर उदयपुर समाज को धन्यवाद दिया। इससे पूर्व अजमेर में श्री जयनारायण जी मेठी की अध्यक्षता में संस्था का 26वां अधिवेशन सम्पन्न हुआ था।

उदयपुर झीलों की नगरी के नाम से प्रसिद्ध है साथ ही नाथद्वारा से 50 कि.मी. की दूरी पर है। नाथद्वारा भगवान श्रीनाथ जी की स्थली है जहां श्रीनाथ जी का भव्य मन्दिर है और प्रतिदिन हजारों की संख्यां में भाई बहिन भगवान श्रीनाथजी के दर्शनों का लाभ प्राप्त करते है। इसलिये उदयपुर में अधिवेशन का एक यह लाभ भी बन्धुओं को प्राप्त होगा।

यद्यपि उदयपुर में स्वजातीय परिवारों की संख्या कम है किन्तु मेवाड़ क्षेत्र के आस पास के इलाकों में अच्छे परिवार है। गुजरात व मुम्बई से भी उदयपुर सीधा जुडा हुआ हे। रेल रोड व हवाई यात्रायें सुलभ है। यहाँ के बन्धुओं में विशेष कर नवयुवकों में इस अधिवेशन के लिये विशेष उत्साह है। इस अधिवेशन की अध्यक्षता अजमेर के उद्योगपति व व्यवसायी श्री कालीचरण दास जी कोडिया करेंगे। आपका आयुर्वेदिक दवाओं का व्यापार है तथा देश के विभिन्न भागों में आपकी शाखायें चल रही है। अनेक धार्मिक व शैक्षणिक व व्यापारिक संस्थाओं से जुड़े हुए है आप में समाज सेवा के लिये विशेष उत्साह है। अध्यक्षीय चुनाव के क्रम में आपकी प्रेरणा से सर्वाधिक महासमिति के सदस्य बनायें गये थे।

उदयपुर समाज गंगा के इस पावन संगम को आयोजित कर सेवा की. अनूठा लाभ तो प्राप्त करेगा ही साथ ही देश के सभी क्षेत्र के भाई बहिनों से व्यक्तिगत परिचय भी प्राप्त करेंगे।

उदयपुर का अधिवेशन ऐतिहासिक होगा और महासभा के लिये नई दिशा देने वाला होगा।

समाज बन्धु इस अधिवेशन में भाग लेने के लिये अभी से कार्यक्रम तय कर अधिवेशन में उपस्थित होकर इस क्षेत्र के बन्धुओं का उत्साहवर्धन करेंगे।

श्री खंडेलवाल वैश्य समाज, उदयपुर

खंडेलवाल वैश्य महासभा के उदयपुर में जून माह में आयोजित होने वाले 30वें अखिल भारतीय अधिवेशन की तैयारियों हेतु खंडेलवाल वैश्य समाज उदयपुर की बैठक खंडेलवाल भवन सेंट्रल एरिया उदयपुर में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष मार्बल उद्यमी ओमप्रकाश गुप्ता को बनाया गया है, जबकि संयुक्त आयकर आंयुक्त डी.पी. गुप्ता तथा समाजसेवी आर.के.रावत श्याम को स्वागत समिति का संरक्षक बनाया गया है।

समाज के अध्यक्ष महेश खंडेलवाल ने बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि तीन दिन चलने वाले अधिवेशन में देश भर के प्रतिनिधि भाग लेंगे तथा नवनिर्वाचित अध्यक्ष कालीचरण दास कोडिया का कार्यभार ग्रहण समारोह होगा। अधिवेशन के दूसरे दिन शहर में शोभायात्रा तथा तीसरे दिन कार्यसमिति के सदस्यों का चुनाव कार्यक्रम होगा।

– शेष पृष्ठ 33 पर

अ.भा. खंडेलवाल वैश्य महासभा

गंगामन्दिर स्टेशन रोड, जयपुर-6

कार्यकारिणी की दिनांक 3-4-2005 जयपुर बैठक का कार्य विवरण

अ.भा. खंडेलवाल वैश्य महासभा की कार्यकारिणी समिति की एक अत्यावश्यक बैठक दिनांक 3-4-05 को योग भवन हॉल निकट खंडेलवाल वैश्य महासभा भवन शास्त्री नगर जयपुर में दोपहर 12.30 बजे अध्यक्ष महोदय की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष श्रीरामदास जी सौंखिया जयपुर की अध्यक्षता में प्रारंभ हुई। मीटिंग का संचालन संयुक्तमंत्री श्री रामरतन घीया ने किया। श्री जी.बी. दास उज्जैन ने उनका सहयोग किया।

इस बैठक की उपस्थित इस प्रकार रही।

सर्व श्री जयनारायण मेठी दिल्ली, कालीचरणदास कोडिया, अजमेर रामदास सौंखिया जयपुर,. सुरेश मेठी दिल्ली, रामरतन घीया, जयपुर, रमेश नानू लाल बडाया मुम्बई, जी.बी.दास उज्जैन, श्रीकृष्ण टोडवाल, मथुरा, रामानन्द खण्डेलवाल खंडेला, सावित्री देवी खंडेलवाल दिल्ली, नारायणी देवी खूंटेटा, रामकिशोर तांबी, आत्माराम गुप्ता, दामोदरप्रसाद घीया, सत्यनारायण नाटाणी एडवोकेट, रामकिशोर खूंटेटा, मदन लाल पीतलिया, रमेशचन्द्र कूलवाल, रामेश्वर प्रसाद खंडेलवाल,जयपुर, रामजीलाल गुप्ता, खानपुरा, गोबिन्दबिहारी गुप्ता जयपुर, भगवानसहाय डंगायच दौसा, लल्लूप्रसाद गुप्तारामगढ पंचवारा हरसहाय बडाया लालसोट, राधेश्याम बूसर लवाण, राधामोहन महरवाल, सांगानेर, सुरेन्द्र कुमार गुप्ता, जयसिंहपुरा खोर, कमलेश कुमार खंडेलवाल खानपुरा, गिर्राजप्रसाद खंडेलवाल, अलवर, बैजनाथ, खंडेलवाल खेडलीगंज, मातादीन खंडेलवाल अलवर, गोपाल गुप्ता, जोधपुर, ओमप्रकाश दुसाद जोधपुर, गुलाबदेवी खंडेलवाल, कैलाशनारायण खंडेलवाल,

का.का. की बैठक के अवसर पर मंच पर आसीन पदाधिकारी

बांसवाड़ा, श्याम लाल घीया, राधादेवी घीया भीलवाड़ा, बद्री लाल ओढ़, मोहन लाल खूंटेटा, कोटा, गोवर्धन प्रसाद बड़ाया, मोहन लाल तमोलिया, सुरेशचन्द्र कासलीवाल, मूलचन्द दुसाद अजमेर, परमानन्द खंडेलवाल खण्डेला, रतन लाल खूटेटा बाय, प्रहलाद चन्द मेठी, गंगापुर सिटी, गिरिराजप्रसाद बाजरगान, हरिशचन्द्र खंडेलवाल, रमेश खंडेलवाल, प्रकाश खंडेलवाल दिल्ली, कृष्ण मुरारी खंडेलवाल मथुरा रामचन्द्र बम्ब, हनुमान सहाय खंडेलवाल इन्दौर नरेन्द्र खंडेलवाल, उज्जैन प्रो. रामनारायण खंडेलवाल, सोहागपुर, राकेश रावत, ग्वालियर, सत्यनारायण कूलवाल पाण्डिचेरी श्रीमती कृष्णादास उज्जैन, रतन मोदी, लक्ष्मणगढ उर्मिला देवी खंडेलवाल, खण्डेला, शशि रावत ग्वालियर, अखिलदास उज्जैन राधेश्याम खारवाल, सत्यनारायण बाजरगान, सीताराम रावत जयपुर, अशोक कुमार खंडेलवाल दिल्ली, गोपालकृष्ण खूंटेटा, गोवर्धन, लहरीलाल जसोरिया, जयपुर प्रेमप्रकाश शाह दिल्ली, महेश खंडेलवाल उदयपुर, हरिनारायण खंडेलवाल, जोधपुर श्याम लाल खंडेलवाल, भोपाल बाबू लाल कूलवाल इन्दौर।

विशेष आमंत्रित के रूप में श्री मदनमोहन जी आकड

पूर्व कोषाध्यक्ष महासभा जयपुर एवं श्री जवाहर लाल टोडवाल मथुरा सहित 24 बन्धु भी उपस्थित थे।

श्री जवाहर लाल टोडवाल मथुरा ने भगवान बांकेबिहारी जी का प्रसाद वितरण किया।

श्री रामरतन घीया संयुक्तमंत्री ने बताया कि आज की बैठक विशेष रूप से कार्यालय द्वारा बुलाई गई है। क्योंकि पदाधिकारियों एवं संयोजकों की एक बैठक 6 मार्च 2005 को संस्था के कार्यालय में हुई थी उसमें भी अध्यक्ष जी व प्रधानमंत्री जी उपस्थित नहीं हुये। उसमें लिये गये निर्णयानुसार ही आज की बैठक बुलाई गई हे। इस पर कुछ सदस्यों ने कहा कि पूर्व मिटिंग आहुत हुये 10 माह हो गये और का.का. की मीटिंग की आगामी अधिवेशन तय करने हेतु अत्यन्त आवश्यकता है। हम पदाधिकारियों का धन्यवाद करते है जिन्होंने बहुत ही अच्छा निर्णय लिया है। इस सम्बन्ध में एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया.जो निम्न प्रकार है।

प्रस्ताव

आज की बैठक पदाधिकारियों के निर्णयानुसार आहुत की गई है अतः यह पूर्णतया वैधानिक है और इसमें लिये गये निर्णय पूर्णतया वैधानिक माने जावेंगे।

प्रस्तावक– जी.बी. दास उज्जैन

समर्थक– रामानन्द खंडेलवाल, खण्डेला

इसे सदन सर्वसम्मति से स्वीकार करते हुए आज की बैठक को पूर्ण वैधानिक माना गया।

संरक्षक जी व सभी पदाधिकारियों व का.का. के सदस्यों का पुष्पाहारों से अभिनन्दन किया गया। श्री कालीचरणदास जी कोडिया नव निर्वाचित अध्यक्ष का भी सभीउपस्थित पदाधिकारियों व का.का. के सदस्यों ने पुष्पाहारों से स्वागत किया। संरक्षक श्री जयनारायण जी मेठी व श्री रामदास जी सौंखिया ने भी कालीचरण जी कोडिया के अध्यक्ष पद पर निर्वाचन हेतु बधाई दी
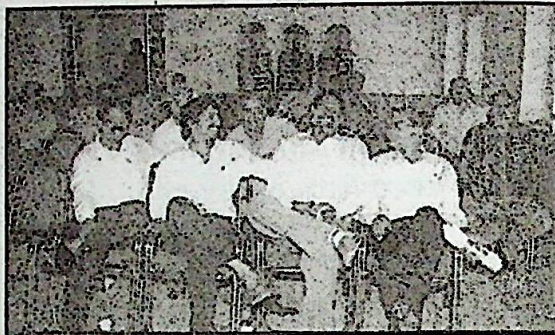
मीटिंग के अवसर पर उपस्थित बन्धु

व माल्यार्पण से स्वागत किया।

इसके बाद मिटिंग के एजेण्डे के अनुसार कार्यवाही चालू हुई। संयुक्त मंत्री श्री रामरतन घीया ने अस्वस्थता के कारण संयुक्त मंत्री श्री जी.बी.दास उज्जैन को मीटिंग के संचालन के लिये निवेदन किया।

गत बैठक का कार्यविवरण– संयुक्तमंत्री श्री जी.बी.दास उज्जैन ने बताया कि गोवर्धन बैठक का कार्य विवरण सभी सदस्यों को समय पर भिजवा दिया गया था और उसके सम्बन्धं में किसी भी सदस्य से कोई संशोधन या सुझाव प्राप्त नहीं हुये है। अतः आपने इसकी पुष्टि का अनुरोध किया। गत बैठक के कार्यविवरण की सर्वानुमति से पुष्टि की गई।

कार्यालय विवरण– गत बैठक से अब तक का कार्यालय विवरण सभी सदस्यों को प्रसारित किया जा चुका था। अतः संयुक्त मंत्री श्री रामरतन घीया ने सदस्यों से निवेदन किया कि कार्य विवरण आपके पास है कोई सदस्य अपने विचार बाबत करना चाहे तो आमंत्रित है। सदस्यों ने कार्यालय विवरण को सर्वसम्मति से स्वीकार किया।

आय व्यय विवरण– श्रीरामकिशोर ताम्बी कोषाध्यक्ष ने अप्रेल, 04 से फरवरी 2005 तक का 11 माह का आय व्यय विवरण प्रस्तुत किया। आपने कहा कि
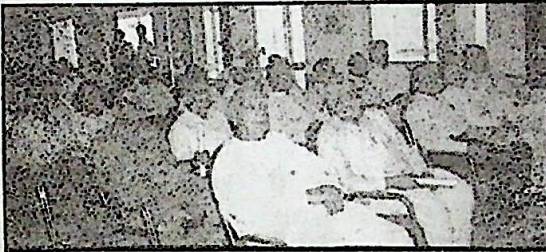
का.का. की बैठक के अवसर पर का.का. सदस्य व पदाधिकारी

सदस्यों को इसकी प्रतियां दे दी गई है। अतः कोई जानकारी सदस्य चाहे तो कर सकते है।

श्री सीताराम रावत जयपुर, श्री बाबू लाल कूलवाल, इन्दौर श्री रामेश्वर प्रसाद खंडेलवाल जयपुर श्री गोवर्धनप्रसाद बम्ब अजमेर, ने आवश्यक जानकारी चाही व कुछ सुझाव दिये। इस सम्बन्ध में कोषाध्यक्ष जी द्वारा सभी जानकारियां दी गई और प्राप्त सुझावों के अनुसार कार्य करने का आश्वासन दिया। इसके बाद आय व्यय विवरण की पुष्टि की गई।

बजटः- वर्ष 2004-05 एवं 2005-06 के महासभा व महासभा पत्रिका के प्रस्तावित बजट कोषाध्यक्ष जी द्वारा प्रस्तुत किये गये। सदस्यों ने 2004-05 के बजट को इतना विलम्ब से प्रस्तुत करने पर आपत्ति की। कोषाध्यक्ष जी ने कहा कि का.का. की बैठक ही 10 माह के अन्तराल के बाद हो रही है यदि प्रधानमंत्री समय पर मीटिंग बुलाते तो बजट पूर्व में ही आपके समक्ष आ जाता यही कारण है कि 2004-05 का बजट समय पर प्रस्तुत नहीं किया जा सका। कोषाध्यक्ष जी के निवेदन पर सदस्यों ने 2004-05 के बजट की पुष्टि की। तथा 2005-06 के बजट को एजेण्डे के साथ आगामी मीटिंग के अवसर पर प्रसारित करने का सुझाव दिया जिसे स्वीकार किया गया।

चुनाव समिति की रिपोर्ट- श्री रामस्वरूपतांबी संयोजक चुनाव समिति ने अध्यक्षीय चुनाव के क्रम में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। आपने बताया कि अध्यक्षीय चुनाव गोवर्धन बैठक के निर्णय व चुनाव समिति की दिनांक 22-8-04 दिल्ली बैठक द्वारा स्वीकृत कार्यक्रम के अनुसार सम्पन्न हुये है। इस रिपोर्ट की सर्वसम्मति से स्वीकार करते हुये नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री कालीचरणदास जी कोडिया को सभी ने बधाई देते हुये अभिनन्दन किया। इस रिपोर्ट का प्रकाशन सभी पत्र पत्रिकाओं व महांसभा पत्रिका में भी हो चुका है।

श्री सत्यनारायण नाटानी जयपुर व श्री प्रकाशचन्द्र खंडेलवाल दिल्ली ने चुनाव समिति के दो सदस्यों द्वारा समाचार पत्रों में जिस प्रकार का समाचार प्रकाशित कराया गया है उसे संस्था के विधान के प्रतिकूल कार्य बताया। सभी सदस्यों द्वारा चुनाव समिति के दोनों सदस्यों के क्रियाकलापों को संस्था द्वारा दिये गये दायित्व के विपरीत कार्य बताया। अनेक सदस्यों द्वारा इन दोनों सदस्यों को हटाकर उनके स्थान पर नये सदस्य मनोनीत करने का सुझाव दिया गया। श्री मदन लाल पीतलिया जयपुर ने कहा कि दोनों सदस्यों के त्यागपत्र प्रस्तुत करने के समाचार हमें अनेक स्रोतों से हमें मिले है। यदि उनके त्याग पत्र प्राप्त हो गये है तो उन्हें तुरन्त प्रभाव से स्वीकार कर नये सदस्यों का चयन कर लेना चाहिए। कार्यालय द्वारा यह जानकारी दी गई कि अभी तक किसी भी सदस्य का चुनाव समिति से त्यागपत्र कार्यालय में प्राप्त नहीं हुआ है। श्री कान्तीचन्द मोदी ने कहा कि चुनाव समिति में दो सदस्य और जोड दिये जाने चाहिये ताकि जो गतिरोध उत्पन्न किया गया है वह समाप्त हो सके।

श्री रामेश्वर प्रसाद खंडेलवाल जयपुर ने कहा कि महासभा में चुनावों के समय में इस प्रकार की स्थितियां चुनाव समितियां करती रही है। गत अधिवेशन में भी अध्यक्षीय चुनाव के बाद चुनाव समिति ने परिणाम चुनाव घोषित नहीं किया जिसे बाद में कार्यालय द्वारा उनके द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट के आधार पर घोषित क़िया।

चुनाव समिति ने त्याग पत्र दे दिया था और का.का. के सदस्यों के चुनाव हेतु नई चुनाव समिति का गठन हुआ। उसी प्रकार अब भी नई चुनाव समिति का गठन कर देना चाहिये।

सदस्यों ने चुनाव समिति के दोनों सदस्यों की कार्यशैली पर रोष व्यक्त किया और आशा व्यक्त की कि उन्हें संस्था के हित में व का.का. द्वारा स्वीकृत कार्यक्रमानुसार कार्य सम्पन्न कराकर अपने दायित्व को निभाना चाहिये।

श्री गिर्राजप्रसाद खंडेलवाल अलवर ने कहा कि न्यायालय व आज की बैठक ने चुनाव समिति द्वारा घोषित परिणाम को मान्यता दे दी है अतः अब कोई विवाद नहीं रह गया है। उदयपुर के मुकदमे में तो स्वयं वादी ने स्वीकार किया है कि अध्यक्षीय चुनाव हो चुके है।अब इसमें कोई विवाद नहीं है।

श्री जयनारायण मेठी संरक्षक ने कहा कि आज की बैठक की उपस्थित व सदस्यों का उत्साह यह प्रदर्शित कर रहा है कि आप शीघ्र अधिवेशन कराने के पक्ष में है और चुनाव समिति द्वारा घोषित परिणाम के अनुसार श्री कालीचरण दास जी कोडिया अजमेर अध्यक्ष निर्वाचित हो चुके है। अतः अब कोई विवाद नहीं रह गया। आपने इस सम्बन्ध में संस्था के अध्यक्ष श्री चिरंजीलाल गुप्ता से हुई वार्ता की भी जानकारी प्रस्तुत की। सदस्यों ने कहा कि अब जब अध्यक्ष पद के चुनाव की घोषणा हो चुकी है औरसभीने इसे स्वीकार कर लिया है तो अब किसी प्रकार की वार्ता करना उचित नहीं है। अध्यक्ष व प्रधानमंत्री जी को इस फैसले को सहर्ष स्वीकार कर लेना चाहिये। और अधिवेशन को सौहाद्रपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने में सहयोग करना चाहिये। चुनाव समिति सर्वोपरि होती है और उसने जो चुनाव कार्यक्रम अपनी दिल्ली बैठक में स्वीकार किया उसी के अनुसार सारी कार्यवाही सम्पन्न हुई है। तो विवाद

बैठक पर उपस्थित पदाधिकारी व का.का. सदस्य

क्यों है। चुनाव कार्यक्रम एक बार घोषित होने के बाद उसकी क्रियान्विति भी उसी के अनुरूप आवश्यक थी। आपने कहा कि महासभा के कार्यक्रम निर्बाध गति से चल रहे है और चलते रहने चाहिये। इसमें किसी प्रकार का गतिरोध उत्पन्न नहीं होना चाहिये। नव निर्वाचित अध्यक्ष को हमें सभी को सहयोग करना चाहिये। आपने प्रधानमंत्री द्वारा दिल्ली के एक वकील द्वारा मुझे श्री कालीचरणदास कोडिया व श्री रामरतनघीया को नोटिस भिजवाये है जो संस्था के हित में नहीं है। उन्हें कार्यकारिणी बैठक स्वयं बुलानी चाहिये थी। और आज की बैठक में उपस्थित होकर अपनी स्थिति रखनी चाहिए थी। उपस्थित सदस्यों ने प्रधानमंत्री की इस कार्यवाही को विधान के विपरीत बताया तथा इसकी कठोर शब्दों में भर्त्सना करते हुये प्रधानमंत्री के कृत्यों की निन्दा की गई। अब भी समय है कि उन्हें सभी गतिरोध सप्ताह कर अधिवेशन आयोजित करने में सहयोग करना चाहिये।

यह भी जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री द्वरा अध्यक्ष पद हेतु महासमिति के सदस्य बनने की अन्तिम तिथि 10-9-04 की सूचना महासभा पत्रिका व अन्य सामाजिक पत्रों में कई माह पर विज्ञप्ति प्रकाशित की गई तथा 10-9-04 को स्वयं प्रधानमंत्री ने आकर सदस्यता के फार्म व राशि कार्यालय के माध्यम से स्वीकार की है। और अब न्यायालय में उन्होने जवाब दावे में गत अधिवेशन के बाद के 33 माह के बने सदस्यों

को मताधिकार की बात अपने जवाब दावे में लिखी है। निर्णायक मण्डल ने भी बहुमत से 10-9-2004 तक बने महासमिति के सदस्यों को मताधिकार देने का निर्णय दिया है फिर प्रधानमंत्री व अध्यक्ष दोनों चुनाव समिति के सदस्यों द्वारा न्यायालय में इस बात को अब स्वीकारना गोवर्धन बैठक के निर्णय का तथा स्वयं द्वारा प्रसारित विज्ञप्ति की अवहेलना है तथा नये सदस्यों के साथ धोका है। सदस्यों ने इस पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए मांग की की उन्हें इस बात के लिये समाज से क्षमा याचना करनी चाहिये अन्यथा इसे संस्था विरोधी कृत्य मानते हुये वैधानिक कार्यवाही की जानी चाहिये।

कोर्ट में जो केस चल रहे है उनके बारे में जानकारी दी गई कि उदयपुर के न्यायालय में चल रहे दावा व टी.आई प्रार्थना पत्र दिनांक 31-3-05 को खारिज हो गया है। अब केवल अवमानना का दावा है उसका 21-4-2005 को निर्णय होना शेष है।

जयपुर के न्यायालय के आदेश से ही चुनाव परिणाम की घोषणा हुई थी उसके बाद दोनों पक्षों ने अपने-2 पक्ष में बहस कर ली है।

इसके बाद दोपहर 3.00 बजे भोजन के लिये कार्यवाही एक घण्टे के लिये स्थगित की गई।

भोजनोपरान्त स्थगित की कार्यवाही

भोजनोपरान्त बैठक की कार्यवाही सांकाल 4.00 बजे पुनः प्रारम्भ हुई। सदस्यों ने कहा कि अधिवेशन के लिये प्राप्त निमंत्रणों पर विचार किया जाना चाहिये। संयुक्तमंत्री श्री रामरतन घीया ने कहा कि यह बहुत अहम विषय है कि आज इस मिटिंग का यह सबसे महत्वपूर्ण एजेण्डा है। इस पर सदन को गंभीरता से विचार करना चाहिये। आपने अधिवेशन स्थल चयन समिति के संयोजक श्री गिर्राजप्रसाद खंडेलवाल से वस्तु स्थिति रखने का निवेदन किया।

सबका अभिवादन करते हुये श्री गिर्राजप्रसाद खंडेलवाल संयोजक अधिवेशन स्थल चयन समिति ने कहा कि उदयपुर, जोधपुर, अजमेर, अलवर, इन्दौर, बरेली से निमंत्रण प्राप्त हुये है। उदयपुर के बन्धु आज की बैठक में उपस्थित है और उनमें आगामी अधिवेशन बुलाने के लिये बडा उत्साह है हम सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते है उदयपुर से आये श्री महेश खंडेलवाल अध्यक्ष खंडेलवाल समाज उदयपुर ने कहा कि मेवाड में कभी अधिवेशन नहीं हुआ हम चाहते है कि हमारे निमंत्रण को स्वीकार किया जावे ताकि हमें भी समाज सेवा का अवसर प्राप्त हो।

संस्था के मंत्री श्री विजय खंडेलवाल श्री दिनेश गुप्ता पूर्व पार्षद श्री विनय कट्टा ने भी अपने अपने विचार व्यक्त करते हुये उदयपुर के निमंत्रण को स्वीकार करने का निवेदन किया।

सभी ने उदयपुर समाज के सदस्यों की भावनाओं को स्वीकार करते हुये उदयपुर समाज के निमंत्रण को स्वीकार किया। आगामी अधिवेशन उदयपुर में करने की सर्वसम्मति से पुष्टि की। इस निर्णय के लिये उदयपुर समाज के बन्धुओं ने महासभा को धन्यवाद दिया।

अधिवेशन के लिये सभी निमंत्रण देने वाली संस्थाओं को धन्यवाद दिया गया और कार्यालय से उन्हें पत्र भिजवाने का आदेश दिया।

इसी अवसर पर उदयपुर से पधारे बन्धुओं का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा उन्हें हर संभव सहयोग का विश्वास दिलाया।

अधिवेशन के लिये संभावित तिथियों पर विचार हुआ। आपसी विचार विमर्श के बाद 4-5-6 जून 2005 को अधिवेशन की तिथियां भी सर्व सम्मति से स्वीकार की गइ। इन तिथियों में उदयपुर में महासभा का 30वां राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न कराया जावेगा।

का.का. के सदस्यों के चुनाव के लिये महासमिति के सदस्य बनने, नामांकन प्रस्तुत करने व चुनाव के कार्यक्रम पर भी गहनता से विचार किया गया और निम्न प्रकार कार्यक्रम सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

महासमिति के सदस्य बनने की अन्तिम तिथि 21 मई 2005 सायंकाल 5 बजे तक

मतदाता सूचियों का प्रकाशन 25 मई,2005

नामांकन प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि 4 जून,2005

नाम वापिसी की तिथि 5 जून, 2005

चुनाव 6 जून, 2005

इस कार्यक्रम को सभी समाचार पत्रों प्रकाशित करा दिया जावे।

चुनाव समिति के संयोजक को आदेशित किया कि वे उपरोक्त स्वीकृत कार्यक्रमानुसार का.का. के सदस्यों के चुनाव सम्पन्न करावें।

श्री मूलचन्द जी दुसाद अजमेर ने उदयपुर के बन्धुओं को धन्यवाद दिया तथा श्री गिरिराजप्रसाद खंडेलवाल को भी अधिवेशन स्थल की घोषणा के लिये धन्यवाद दिया।

श्रीमती सावित्रि देवी खंडेलवाल दिल्ली उपाध्यक्ष ने कहा कि आज अधिवेशन स्थल व तिथियों की घोषणा सर्वसम्मति से हो चुकी है। मेरा नवनिर्वाचित अध्यक्ष जी से निवेदन है कि वे महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व दे ताकि महिलायें भी आगे आकर समाज व संस्था के कार्यों में जुड सकें। आपने एक प्रकाशित पर्चे पर भी खेद प्रकट किया तथा कहा कि उसमें मेरा नाम लिखा गया है जबकि मेरा उससे कोई लेना देना नहीं है। मैं इस प्रकार के समाज विरोधी कार्यो से सदैव अलग रहती हूं। सभी बन्धुओं को अपने साथ महिलाओं को भी अधिवेशन में लाने का निवेदन किया।

श्रीमती राधा देवी घीया भीलवाड़ा ने भी श्री कोडिया जी का स्वागत करते हुये कहा कि महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व प्रदान करें। गाडी के दोनों पहिये साथ चलेंगे तभी समाज व संस्था के कार्यक्रम आगे बढेंगे।

श्री सुरेश मेठी दिल्ली उपाध्यक्ष ने कहा कि आज की मिटिंग के निर्णय सुखद है और जो समाज में एक भावना फैल रही थी कि वर्तमान पदाधिकारी अधिवेशन नहीं कराना चाहते समाप्त हो गई है। आपने उदयपुर समाज के बन्धुओं को उदयपुर में अधिवेशन बुलाने के लिये धन्यवाद दिया। आज की बैठक की उपस्थिति इस बात की घोतक है कि समाज क्या चाहता है।

आपने संरक्षक श्री जयनारायण जी मेठी द्वारा प्रकट विचारों के सन्दर्भ में कहा कि कल इनकी श्री चिरंजीलाल जी गुप्ता इन्दौर से बातें हुई है यदि आपसी तालमेल के लिये श्री मेठी जी व श्री गुप्ता जी एक सप्ताह में कोई प्रयास कर सभी भ्रांतियों का निराकरण कर आगामी अधिवेशन को सफल बनाने का प्रयास करते है जो वह प्रयास सराहनीय होगा। आगामी अधिवेशन निर्धारित तिथियों व स्थान पर सभी के सहयोग से सफलता पूर्वक सम्पन्न होगा। ऐसा मेरा दृढ़ मत है।

श्री कृष्णमुरारी खंडेलवाल मथुरा ने कहा कि अध्यक्ष पद पर श्री कालीचरणदास जी कोडिया का निर्वाचन हो चुका है कुछ बन्धुओं के मन में चुनावों को लेकर जो भ्रम है उसे समाप्त करना चाहिये। आपस में बैठ कर सभी भ्रांतियां दूर होती है तो यह समाज व संस्था के हित में होगा। मैं भी श्री कोडिया जी के सर्वसम्मत निर्वाचन पर बधाई देता हूं।

सदस्यों ने प्रधानमंत्री जी के संस्था विरोधी कार्यों पर अंकुश लगाने का भीप्रस्ताव रखा। संस्था व समाज हित में संस्था कीओर से किसी प्रकार की ऐसी कार्यवाही नहीं की जानी चाहिये जिससे अधिवेशन के आयोजन

में बाधा उत्पन्न हो। प्रधानमंत्री जी को संस्था व समाज हित का कार्य करते रहना चाहिये इसी में उनकी व उनके पद की गरिमा है।

श्री प्रकाश खंडेलवाल दिल्ली ने एक प्रस्ताव रखा कि अनेक प्रकार की क़ानूनी अडचनें व वैधानिक संकट प्रधानमंत्री जी द्वारा उत्पन्न किये जा रहे है अतः उनके कार्यकलापों पर नियंत्रण लगाने के लिये उनके अधिकारों पर अंकुश लगाया जाना चाहिये।

श्री रमेश बडाया मुम्बई, श्री रामानन्दखंडेलवाल खण्डेला आदि ने प्रस्ताव का समर्थन किया। श्री बाबू लाल कूलवाल इन्दौर ने इस संबंध में अपने विचाररखे। सदस्य चाहते थे कि उदयपुर अधिवेशन पूर्ण सद्भावना व आपसी सहयोग से सम्पन्न होना चाहिये। यदि प्रधानमंत्री या कोई अन्य पदाधिकारी कोई भी विवादास्पद स्थिति पैदा करते है तो उसे नजरअन्दाज करते हुये संयुक्त मंत्री कार्यालय श्री रामरतन घीया को अधिकृत किया जाता है वे अधिवेशन को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने में कार्यालय से सहयोग करें।

श्री रामकिशोर ताम्बी कोषाध्यक्ष ने बताया कि मैंने अध्यक्ष जी व प्रधानमंत्री जी से अनेक बार बातें की और आपसी सद्भावना बनायें रखते हुये परस्पर सहयोग से सभी विवादों को निपटाने का निवेदन किया। अध्यक्षजी ने कई बार आवश्वासन भी दिया किन्तु कोई प्रयास नहीं हुआ। हमें अधिवेशन को सफलता पूर्वक कराने में सहयोग करना चाहिये। इसे सभी ने एक मत से स्वीकार किया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री कालीचरणदास जी कोडिया ने विचार व्यक्त करते हुये बताया कि आपने मेरा सर्वसम्मत निर्वाचन किया है मैं किसी प्रकार का विवाद नहीं चाहता मैं सभी को साथ लेकर संस्था के कार्यों को आगे बढाना चाहता हूं। समाज की दशा व दिशा बदलने के लिये आपको विश्वास दिलाता हूं आपको मेरा सहयोग व मार्गदर्शन करना होगा। आपने उदयपुर समाज के बन्धुओं को अधिवेशन बुलाने के लिये धन्यवाद दिया और हर संभव सहयोग का विश्वास दिलाया।

श्री मातादीन खंडेलवाल अलवर ने भी उदयपुर के बन्धुओं को धन्यवाद देते हुये आज के निर्णय की सराहना की।

श्रीरामकिशोर ताम्बी कोषाध्यक्ष ने जानकारी दी कि जिन सदस्यों में घोषित वचन की राशि बकाया है या रसीद बुकें या संस्था की कोई देनदारी है तो नामांकन प्रस्तुत करने से पूर्व सभी की पूर्ति कर देवें अन्यथा उनके नामांकन पत्र खारिज कर दिये जावेंगे अतः सदस्य इस बात का पूरा ध्यान रखें।

श्रीरामदास सौंखिया ने कहा कि हमें समाज के संत श्री सुन्दरदास जी की 409वीं जयन्ती 18 अप्रेल, 2005 को जोर शोर से मनानी चाहिये। पत्रिका में प्रकाशित सूचना को भी पढकर हमें मनन करना चाहिये। समाज बन्धु आपको तुलसीदास जी के समकक्ष सम्मान दें।

आपने आज की बैठक में उपस्थित सभी सदस्यो को धन्यवाद दिया व आज के सर्वसम्मत निर्णयों के लिये सभी की सराहना की। उदयपुर के बन्धुओं को भी धन्यवाद दिया जिन्होंने 30वां अधिवेशन करने का दायित्व अपने ऊपर लिया है। आपने समाज के पत्रकार बन्धुओं का आह्वान किया कि वे अधिवेशन के प्रचार प्रसार में महासभा को पूरा सहयोग करे और सही जानकारी समाज को दें।

अधिवेशन के आयोजन में किसी प्रकार की भी बाधा उत्पन्न नहीं होगी ऐसा मुझे विश्वास है।

इस अवसर पर समाज के पत्रकार श्री बाबू लाल कूलवाल, श्री राजेन्द्र कठोरिया, श्री मोहन लाल माली, श्री विमल खूंटेटा व श्री सर्वेश मोदी का संरक्षक श्री जयनारायण मेठी ने माल्यार्पण से स्वागत किया।

राजस्थान प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के महामंत्री पद

पर श्री रामेश्वर प्रसाद जी आमेरिया व राष्ट्रीय क्षेत्रीय संगठन मंत्री पद पर श्री रामरतन घीया के निर्वाचन पर उन्हें बधाई दी व माल्यार्पण से स्वागत किया।

श्री रामरतन घीया ने उदयपुर समाज के बन्धुओं को अधिवेशन सम्पन्न कराने के लिये कार्यालय से हर संभव सहयोग देने का विश्वास दिलाया।

आपने सभी को नये वर्ष के आगमन पर बधाई देते हुये सुख समृद्धि की शुभकामनायें की। रामनवमी को संत श्री सुन्दरदास जी की जयन्ती धूमधाम से मनाने का भी आव्हान किया। आपने मिटिंग स्थल सुलभ कराने के लिये योग भवन के अध्यक्ष जी आत्माराम गुप्ता को धन्यवाद देते हुये उनका माल्यार्पण से स्वागत किया। बाहर से आने वाले बन्धुओं के आवास की व्यवस्था के लिये खंडेलवाल धर्मशाला के मंत्री श्री रामदास जी सौखिया का आभार व्यक्त करते हुये धन्यवाद दिया। भोजन व्यवस्था के लिये संयुक्तमंत्री श्रीमती नारायणी देवी खूंटेटा, श्री सत्यनारायण जी बाजरगान को धन्यवाद दिया।

संयुक्त मंत्री श्री रामरतन घीया ने कहा कि आज हमारे नवनिर्वाचित अध्यक्ष महोदय के लिये बहुत खुशी का दिन है आज श्री कालीचरण जी कोडिया की शादी की वर्ष गांठ है। हम श्री कोडिया जी को बधाई देते हुये शतायु होने की कामना करते है सदन में तालियों की गडगडाहट के साथ उनका अभिनन्दन किया। उनके द्वारा आज की मिटिंग के भोजन के भार को उठाने के लिये भी उन्हें धन्यवाद दिया।

अन्त में संयुक्तमंत्री रामरतन घीया ने सभी बन्धुओं को उदयपुर अधिवेशन में सहयोग देने व अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार वहां पहुंचने का निवेदन करते हुये सायंकाल 6.30 बजे बैठक की कार्यवाही समाप्त होने की घोषणा की।

रामरतन घीया
संयुक्त मंत्री

हार्दिक आभार एवं आमंत्रण

माननीय पदाधिकारी एवं का.का. सदस्य,
सादर बन्दे।

आप सभी को विक्रम संवत 2062 की हार्दिक शुभकामनायें। खण्डेलवाल वैश्य महासभा कार्यालय द्वारा बुलाइ गई पदाधिकारियों व का.का. मीटिंगों में आपने उपस्थित होकर जो सहयोग व मार्गदर्शन किया इसके लिये मैं आप सभी को धन्यवाद देते हुये आभार व्यक्त करता हूं। आप सभी की उपस्थिति व सकारात्मक सोच से हमने आपके सहयोग से दोनों मीटिंगों को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराया।

का.का. की बैठक में महासभा का 30वां अधिवेशन दिनांक 4-5-6 जून, 2005 को उदयुपर में श्री कालीचरण दास जी कोडिया की अध्यक्षता में करने का सर्वसम्मत निर्णय लिया गया और तदनुसार खण्डेलवाल समाज उदयपुर ने अधिवेशन आयोजित करने की तैयारियां प्रारंभ कर दी है।

मुझे आप सभी से पूर्ण विश्वास है कि आप सभी अपने क्षेत्रों में उदयपुर अधिवेशन की अधिक से अधिक जानकारी बन्धुओं को देंगे ओर अपने क्षेत्र के बन्धुओं को सपरिवार अधिवेशन में लाने का प्रयास करेंगे।

पुनः आप सभी के सहयोग व मार्गदर्शन के लिये धन्यवाद।

भवदीय
रामरतन घीया
संयुक्त मंत्री

उदयपुर की भौगोलिक स्थिति व दर्शनीय स्थान

भारत का दूसरा कश्मीर माना जाने वाला उदयपुर खूबसूरत वादियों से घिरा हुआ है। अपने नैसर्गिक सौन्दर्य सुषमा से भरपूर झीलों की यह नगरी सहज ही पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण उदयपुर जिला हस्तशिल्प की विभिन्न विधाओं से देश-विदेश में अपनी पहचान बनाए हुए है।

भौगोलिक स्थितिः

राज्य के दक्षिणाचंल में स्थित उदयपुर जिले का विस्तार 23° से 46′ से 26°.20′ से उत्तरी अक्षांश एवं 73°.0′ से 74°.35′ पूर्वी देशान्तर मध्य है। इसका भौगोलिक क्षेत्रफल 12,596 वर्ग किलोमीटर है। इसकी समुद्रतल से ऊँचाई 577 मीटर आंकी गई है। उदयपुर के पूर्व में चित्तौड़गढ़ जिला, उत्तर में राजसमन्द, उत्तर-पश्चिम में पाली, पश्चिम में सिरोही, पश्चिम-दक्षिण में गुजरात राज्य की सीमा, दक्षिण में डूंगरपुर तथा दक्षिण-पूर्वी भाग में बांसवाड़ा जिला है।

जलवायु :

उदयपुर जिले की जलवायु समशीतोष्ण एवं स्वास्थ्यप्रद मानी जाती है। जिसमें मौसमी परिवर्तनों का दबाव सर्वाधिक गर्मी के माह में होता है। वर्ष 2000 में यहाँ न्यूनतम तापमान 5 सेन्टीग्रेड रिकार्ड किया गया जबकि औसत तापमान 22 सेन्टीग्रेड दर्ज किया गया। उदयपुर नगर में वर्षा का औसत 40.25 सेन्टीमीटर है।

खनिज सम्पदा :

उदयपुर जिलें में खनिजों का अनुपम भण्डार है। यहां महत्वपूर्ण खनिजों की विभिन्न किस्में पाई जाती है। जिले में प्राप्त होने वाले धातु तथा अधातु खनिजों में ताम्बा, लेड, जस्ता, चांदी आदि प्रमुख है। इनके अलावा मैगनीज, लोहा, चट्टानी फॉस्फेट, ऐस्बेस्टस, केल्साइट, लाइमस्टोन, डोलोमाइट तथा संगमरमर आदि प्रमुख हैं।

वन एवं वन्य- जीव :

उदयपुर जिले में 4,367.77 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सघन वन पाये जाते है। लकड़ी, कोयला, गोंद, बांस, तेन्दुपत्ता, कत्था, शहद, मोम, लाख आदि की सुलभता से राज्य की अर्थ-व्यवस्था को काफी सहारा मिलता है। वनस्पतियों की भी यहाँ विभिन्न श्रेणियां है। जिनमें आम, बबूल, बरगद, ढाक, खेजड़ी, गूलर, नीम तथा सालर बहुतायत से मिलती है। जिले के विभिन्न भागों में पाये जाने वाले वन्य जीवों में पशु-पक्षी तथा सरीसृप रेंगने वाले जन्तु भी मिलते हैं। चीतल धरियावद के निकट जाखम नदी के तट पर स्थित वनों में बहुतायत से पाये जाते हैं।

जिले के जयसमन्द वन्य-जीव अभयारण्य में कई नवीन जीवों का पता चला है। सज्जनगढ़ में भी अभयारण्य बनाया गया है।

ऐतिहासिक परिदृश्य :

तत्कालीन मेवाड़ रियासत की यह राजधानी देशी रजवाड़ों के समय में अपने शौर्य एवं पराक्रम के कारण चर्चित रही। इसका गौरवपूर्ण इतिहास प्राकृतिक, सुषमा एवं धरातलीय विशिष्टता, प्रागैतिहासिक काल के अवशेष, वर्तमान सांस्कृतिक एवं शोध केन्द्र बरबस ही लोगों को अपनी ओर खींचते हैं।

अतीत के पृष्ठ :

सुरक्षा की दृष्टि से एवं अन्य कारणों से मेवाड़ रियासत की राजधानी निरन्तर बदलती रही । जिले के आहोर (भीण्डर) आधारपुर, (आहाड़) कुम्भलगढ़, नागदा, चावण्ड आदि स्थानों के साथ ही उदयपुर को भी मेवाड़ की राजधानी रहने का सौभाग्य मिला। अतीत में मेदपाट के नाम से विख्यात मेवाड़ की राजधानी उदयपुर में पाषाणयुगीन सभ्यता के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

प्रागैतिहासिक अवशेष :

इस क्षेत्र में प्रारम्भिक मानव का अस्तित्व पाया गया है जो पत्थरों के औंजार इस्तेमाल करता था और वह मानव खाने की सतत खोज में व्यस्त रहता था। आहाड़ एवं गिलूण्ड जैसे स्थानों में हुई पुरातात्विक खुदाई के परिणामस्वरूप प्राप्त भौतिक अवशेषों से ताम्रपाषाण कालीन सभ्यता के अवशेषों का पता चला है, जो ईसा से 1800 वर्ष पूर्व की है। उस समय का मानव उच्च कोटि के चक्र निर्मित काले एवं लाल पात्रों का प्रयोग करता था जो आम तौर पर सफेद रंग से पुते होते थे तथा उस काल में ताम्बा धातु का प्रयोग भी प्रचलित था।

कुछ शताब्दियों के बाद आहाड़ (आधार नगरी) में ईसा पूर्व ही मानव पुनः आबाद हुआ जिसका सम्बन्ध कुषाणकालीन युग से मेल खाता है। पुरातत्ववेत्ताओं ने आहाड़ के समीप टीले पर हुई खुदाई के अवशेषों के आधार पर हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ों की सभ्यता के इस नगर का सम्पर्क रहा होना सिद्ध किया है।

रियासती काल :

मेवाड़ रियासत देश की प्राचीनतम रियासतों में से है। जहां ईसा पश्चात छठी शताब्दी में गुहिलवंशियों का शासन रहा, जिनका यश एवं कीर्ति पताकाएं दूर-दूर तक फैली हुई थी। पौराणिक वंशावली के अनुसार मेवाड़ का राजवंश सूर्यवंशी माना गया है। इतिहासविदों के अनुसर गुहिलवंशी भगवान राम के पुत्र कुश के वंशज है।

कुछ शिलालेखों एवं प्राचीन सिक्कों के अनुसार गुहिलों के आदि पुरूष गुहदत्त थे जबकि कर्नल टॉड ने विक्रम संवत् 1034 के शिलालेखों की पंक्ति ''जयति श्री गुहदत्त प्रभवः, श्री गुहिलवंशस्य के आधार पर गुहदत्त से पूर्व गुहिलवंश का अस्तित्व सिद्ध किया है। गुहदत्त का छठी शताब्दी में मेवाड़ पर शासन रहा। उन्हीं के नाम के आधार पर यहां के शासक गुहिलवंशी अथवा गहलोतवंशी कहलाये।

मेवाड़ में भी योद्धा रियासती सेना के महत्वपूर्ण अंग थे। सूर्यवंशी क्षत्रियों के इस राजवंश की धर्म के प्रति अगाध श्रद्धा थी। इसीलिए मेवाड़ के राजचिन्ह में एक तरफ राणा तो दूसरी तरफ तीर कमान लिये भील तथा इसके नीचे नीति वाक्य अंकित है- ''जो दृढ़ राखे धर्म को तिही राखे करतार'' इसका आशय है कि संसार का कर्ता परमात्मा उसी की रक्षा करता है, जो अपने कर्तव्य धर्म पर दृढ़ रहता है।

मेवाड़ के अधिपति (श्रद्धावश) एकलिंगजी शिव माने गये हैं। राज सत्ता संचालित करने वाले शासकगण अपने आपको एकलिंगजी का ''दीवाण'' (मंत्री) मानते हैं। इसी मान्यता के आधार पर सभी राजकीय दस्तावेजों तथा ताम्रपत्रों पर ''श्री एकलिंगजी जी प्रसातातु तथा दीवाणजी आदेशातु'' अंकित रहते थे।

मातृभूमि की रक्षार्थ त्याग, बलिदान एवं शौर्य की अनुपम मिसाल महाराणा प्रताप के पिता एवं पन्नाधाय द्वारा रक्षित महाराणा उदयसिंह ने सन् 1559 में उदयपुर नगर की स्थापना की। उदयपुर शहर का नामकरण इसीलिए उदयसिंह के नाम पर किया गया। लगातार मुगलों के आक्रमणों से सुरक्षित स्थान पर राजधानी स्थानान्तरित किये जाने की योजना से इस नगर की स्थापना हुई।

सन् 1572 में महाराणा उदयसिंह की मृत्यु के बाद उनके पुत्र प्रताप का राज्याभिषेक हुआ। उन दिनों एक मात्र यही ऐसे शासक थे, जिन्होंने मुगलों की अधीनता नहीं स्वीकारी। महाराणा प्रताप एवं मुगल सम्राट अकबर के बीच हुआ हल्दीघाटी का घमासान युद्ध मातृभूमि की रक्षा के लिए इतिहास प्रसिद्ध रहा है। यह युद्ध किसी धर्म जाति अथवा साम्राज्य विस्तार की भावना से नहीं बल्कि स्वाभिमान एवं मातृभूमि के गौरव की रक्षा के वशीभूत हुआ।

देश के आजाद होने से पूर्व रियासती जमाने में गुहिल वंश के अन्तिम शासक महाराणा भोपालसिंह थे, जो राजस्थान के एकीकरण के समय सन् 30 मार्च 1949 में राज्य के महाराज प्रमुख रहे। सन 1948 में संयुक्त राजस्थान राज्य बनने के साथ पूर्व रियांसती ठिकानों को मिला कर उदयपुर जिले का गठन हुआ।

दर्शनीय स्थल

अद्वितीय सौन्दर्य एवं प्राकृतिक छटा से सुसज्जित उदयुपर को पूर्व का वेनिस, झीलों की नगरी, राजस्थान का कश्मीर आदि अनेक विशेषण दिये गये है। सुन्दर पर्वतमालाओं के मध्य अवस्थित शहर नीले जल से युक्त झीलों में अपनी परछाई निहारते हुए यहां के राजप्रसाद, शीतल समीर के झौंको से सम्पूर्ण वातावरण को सुवासित करने वाले यहां के पुष्पोद्यान और मेवाड़ के शौर्यपूर्ण अतीत का स्मरण कराने वाले यहां के अवशेष निस्संदेह ही उदयपुर को पर्यटकों के लिए आकर्षक बनाते है।

राजमहल :

पिछोला झील के तट पर स्थित ये महल उदयपुर नगर में सबसे ऊँचे स्थान पर स्थित ये महल इतने भव्य और विशाल हैं कि प्रसिद्ध इतिहासकार फर्ग्यूसन ने इन्हें ''राजस्थान के विण्डसर महलों की संज्ञा दी।''

महलों में सबसे पुराना भाग ''रायआंगन'' नौचोकी, धूणी आदि को महाराणा उदयसिंह ने बनवाया था। इन महलों से नगर का विहंगम् और पिछोला झील का अत्यन्त सुन्दर दृश्य दृष्टिगोचर होता है।

इन महलों के प्रताप कक्ष, बाड़ी महल, दिलखुश महल, यश मन्दिर, मोती महल, भीम विलास, छोटी चित्रशाला, स्वरूप विलास, सूर्य प्रकाश, माणक महल, सूरज गोखड़ा, सूरज चौपाड़, प्रीतम निवास, शिवनिवास इत्यादि बहुत सुन्दर व दर्शनीय है। राजमहल में मयूर चौक का सौन्दर्य अनूठा है। चारों ओर काँच की बड़ी बारीकी एवं कौशल से जमाकर मोर और कुछ मूर्तियां बनाई गयी है। यहां बने पांच मयूरों का सौन्दर्य देखते ही बनता है।

प्रताप कक्ष में महाराणा प्रताप के जीवन से संबंधित अनेक चित्र, अस्त्र-शस्त्र, जिरह बख्तर इत्यादि का संग्रह है। यहीं महाराणा प्रताप का ऐतिहासिक भाला रखा है जिससे हल्दीघाटी के युद्ध में आमेर के कुं मानसिंह पर प्रताप ने वार किया था।

लेक पैलेस (जगनिवास)

यह महल सन् 1746 में महाराणा जगतसिंह द्वितीय ने बनवाया। लगभग चार एकड़ में फैले इस महल के चारों ओर जल है, जिसके कारण विश्व के सुन्दर महलों में इसकी गणना की जाती है। महल की दीवारों पर बेजोड़ चित्रकारी नयानाकर्षक है। वर्तमान में यहां भारत के सर्वश्रेष्ठ होटलों में से एक पांच सितारा लेक पैलेस होटल है।

जनाना महल :

राजमहल के दक्षिण में एक मध्यकालीन भवन है तो मेवाड़ के महाराणा कर्णसिंह की महारानियों हेतु सन् 1620 में निर्मित किया गया था। महल के अन्दर एक विशाल प्रांगण है। महल के ऊपर बनी जालीदार खिड़कियों से हवा और प्रकाश तो मिल ही जाता था, साथ ही रंनिवास का पर्दा भी हो जाता था। जनानी ड्योढी से गुजर कर बायें हाथ की ओर रंगमहल में पहुंचा जाता है, जहाँ राज्य का सोना-चांदी और खजाना रखा जाता था।

राजकीय संग्रहालय :

राजमहल के ही एक हिस्से में राज्य सरकार का संग्रहालय है। इस संग्रहालय में ऐतिहासिक एवं पुरातत्व संबंधी सामग्री का विपुल संग्रह है। भारत के विभिन्न प्रदेशों में पहने जाने वाली पगड़ियों व साफों के नमूने, सिक्के, उदयपुर के महाराणाओं के चित्र, अस्त्र-शस्त्र व पोशाकों के संग्रह के साथ-साथ शहजादा खुर्रम की वह ऐतिहासिक पगड़ी भी है जो मेवाड के तत्कालीन महाराणा की दोस्ती में अदला-बदली की गई थी। उदयपुर के आसपास के भागों से खुदाई में प्राप्त मूर्तियों एवं शिलालेखों का भी यहां अच्छा संग्रह है।

जगदीश मंदिर :

यह मंदिर राजमहलों के पहले मुख्य द्वार बडी पोल से लगभग 175 गज की दूरी पर स्थित है। इसका निर्माण सन् 1651 में महाराणा जगतसिंह प्रथम (1628-53) द्वारा हुआ था। अनुमानतः इस पर 15

लाख रूपया व्यय हुआ था। यह 80 फुट ऊँचे प्लेटफार्म पर निर्मित है। मन्दिर में काले पत्थर से निर्मित भगवान जगदीश की भव्य मूर्ति है।

पिछोला झील :

इस झील को चौदहवीं शताब्दी में एक बनजारे द्वारा महाराणा लाखा के समय में बनवाया गया था। कालान्तर में उसके पुनर्मिमाण एवं जीर्णोद्धार भी हुये हैं। उत्तर से दक्षिण तक करीब 4.5 कि.मी. चौड़ी यह झील 10-15 फुट गहरी है। इसकी जल क्षमता 41 करोड़ 20 लाख घन फुट है। झील के तट पर बने घाट और मन्दिर आकर्षण के केन्द्र हैं।

फतहसागर :

नगर के उत्तर-पश्चिम में करीब 5 कि.मी. दूर यह झील सर्वप्रथम सन् 1678 में महाराणा जयसिंह द्वारा बनवाई गई थी, परन्तु एक बार की अतिवृष्टि ने इसे तहस-नहस कर दिया। इसके पुननिर्माण का श्रेय महाराणा फतेहसिंह को है जिन्होंने 6 लाख रूपयों की लागत से इस सशक्त बांध का निर्माण करवाया, उन्हीं के नाम पर झील को फतहसागर कहा जाने लगा। झील तीन वर्ग किलोमीटर में फैली हुई है।

नेहरू गार्डन :

फतहसागर के मध्य में समुद्रतट से लगभग 1960 फुट ऊँचाई पर स्थित यह उद्यान अधिकतम 779 फुट लम्बा, 292 फुट चौडा है तथा साढ़े चार एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। उद्यान की परिधि 2160 फुट है। उद्यान में पहुंचने के लिए झील के किनारे से नियमित नौका सेवा की व्यवस्था उपलब्ध है।

महाराणा प्रताप स्मारक (मोती नगरी) :

फतहसागर के किनारे पहाड़ी मोती मगरी को महाराणा प्रताप स्मरण के रूप में विकसित किया गया है। मोती नगरी का बड़ा ऐतिहासिक महत्व है। उदयपुर के संस्थापक महाराणा उदयसिंह उदयपुर नगर के बसाने के पूर्व इसी पहाड़ी ''मोती महल'' बनवा रहे थे, जिनके भग्नावशेष आज भी विद्यमान है और इन्हीं खण्डहरों के पास चेतक पर सवार प्रातः स्मरणीय महाराणा प्रताप की भव्य मूर्ति स्थापित की गई है।

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र :

भारतीय संस्कृति लोककला तथा परम्पराओं के संरक्षण एवं उन्हें पुनजीर्वित करने हेतु चार राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, गोंवा व राजस्थान का पश्चिम सांस्कृतिक केन्द्र पिछोला के तट गणगौर घाट पर स्थित बागोर की हवेली में स्थापित किया गया है।

बागोर की हवेली :

बागोर की हवेली उदयपुर की पिछोला झील के किनारे स्थित है। इस हवेली का निर्माण मेवाड़ के शासक महाराणा हमीर सिंह के शासक महाराणा प्रतापसिंह, महाराणा अरीसिंह, महाराणा हमीरसिंह इत्यादि के कार्यकाल के दौरान 1751 से 1778 के बीच के प्रधानमंत्री श्री अमरचंद बड़वा द्वारा करवाया गया।

श्री अमरचंद बड़वा की मृत्यु के उपरान्त यह हवेली रियासत के राजपरिवार के अधीन आ गई। महाराणा के भाई नाथसिंह ने इस हवेली को अपना निवास बनाया। बाद में मेंवाड़ शासकों के संतानविहीन को जाने तथा उत्तराधिकारी की आवश्यकता पड़ने पर सन् 1828 से 1884 के दौरान महाराणा सरदारसिंह, महाराणा शम्भुसिंह, महाराणा सज्जनसिंह इत्यादि को इसी बागोर ठिकाने से गोद लिया गया।

सन् 1878 में महाराणा शक्तिसिंह ने गणगौर घाट पर तीन दरवाजों (त्रिपोलिया) और उस पर महल का निर्माण करवाया। इसके बाद 1947 तक यह हवेली मेवाड़ राज्य की सम्पत्ति रही। स्वाधीनता के पश्चात् राजस्थान सरकार के नियंत्रण में आई यह हवेली आवास के रूप में उपयोग में भी लाई गई। सन् 1986 में यह हवेली भारत सरकार द्वारा स्थापित पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र को हस्तान्तरित की गई। इस केन्द्र की स्थापना पश्चिम भारत के राज्य राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र तथा गोवा की कला एवं संस्कृति के प्रोत्साहन के ध्येय से की गई।

हवेली संग्रहालय :

उदयपुर में पिछोला झील के किनारे तथा प्रसिद्ध जगदीश मन्दिर से करीब सौ मीटर की दूरी पर गणगौर घाट पर स्थित बागोर की हवेली में हवेली संग्रहालय बनाया

गया है। बागोर की हवेली के ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए तथा इसे प्राचीन स्वरूप में पुर्नस्थापित करने के लिए 1992 में इसके कायाकल्प का निर्णय लिया गया। संग्रहालय की स्थापना का मुख्य ध्येय मेवाड के राजसी वैभव को हवेली संस्कृति के प्रतीक रूप में दर्शाना है।

उदयसागर :

उदयपुर के पूर्व में लगभग 13 कि.मी. दूरी पर स्थित इस झील का निर्माणं उदयपुर के संस्थापक महाराणा उदयसिंह ने सन् 1559 से सन् 1565 के मध्य करवाया था। झील लगभग 4 कि.मी. क्षेत्र में फैली है।

सहेलियों की बाड़ी :

यह उदयपुर का सुन्दरतम उद्यान है। महाराणा संग्राम सिंह द्वितीय ने इसका निर्माण तथा महाराणा फतेहसिंह ने इसका पुनर्निर्माण करवाया था। कहा जाता है कि यहां राजकुमारियां अपनी सहेलियों के साथ मनोरंजन के लिए आती थी इसीलिये इसे सहेलियों की बाड़ी कहा जाता है। यहां फव्वारों की इतनी सुन्दरतम व्यवस्था है कि ग्रीष्म ऋतु की तपती दोपहरी में भी सावन भादों का सा आनन्द प्राप्त होता है। सहेलियों की बाड़ी में प्रवेश करते ही केन्द्रीय हौज के चारों ओर काले संगमरमर की छतरियां है तथा मध्य में श्वेत संगमरमर की बड़ी छतरी बनी है। हौज तथा छतरियों में फव्वारे लगे है। इसके पीछे फव्वारों से युक्त एक कमल ताल भी है जिसके चारों ओर श्वेत संगमरमर के चार गज निर्मित है तथा जलाशय के मध्य एक सुन्दर फव्वारा है।

सुखाड़िया सर्किल :

पश्चिम रेलवे ट्रेनिंग स्कूल के समक्ष स्थित सुखाड़िया सर्किल के मध्य में निर्मित 42 फुट ऊँचा फव्वारा देश में अपने ढंग का अनोखा है। फव्वारे के ऊपरी भाग में विशाल गेहूँ की बाली बनाई गयी है। सर्किल के एक कोने पर आधुनिक राजस्थान के निर्माता पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री मोहनलाल सुखाड़िया की प्रतिमा के पास उद्यान भी बनाया गया है।

आहाड़ :

सिसोदिया की प्राचीन राजधानी आहाड (आयड) उदयपुर से तीन कि.मी. दूर स्थित है। आहाड़ में मेवाड़ के शासकों के शाही स्मारकों (छत्रियों) की प्रचुरता व गौरव है, यहां प्राचीन कलाकृतियों का दुर्लभ संग्रह-मिट्टी के बर्तन, लोहे की वस्तुएं व प्रदेश की खुदाई में निकली अन्य कलात्मक एवं पुरातत्व महत्व की वस्तुएं आहाड़ संग्रहालय में प्रदर्शित है।

सज्जनगढ :

शहर के आकाश के छूता सज्जनगढ प्राचीन धरोहर है। यहां से शहर की झीलों, महलों आसपास के देहातों का दृश्य दिखाई देता है। यहां शानदार अभ्यारण्य भी है।

गुलाब बाग :

महाराणा सज्जनसिंह द्वारा निर्मित यह एक दर्शनीय स्थल है, इस बाग में लगभग चार सौ प्रकार की वनस्पति पायी जाती है, बाग में बने सरस्वती पुस्तकालय में प्राचीन हस्तलिखित पाण्डुलिपियों एवं ग्रंथों का दुर्लभ संग्रह है, बाग में ही जिले का चिड़ियाघर (जन्तुआलय) दर्शकों के लिए कौतूहल पैदा करता है।

नागदा :

उदयपुर शहर से 23 कि.मी. दूर स्थित है। यह छठी शताब्दी का प्राचीन स्थल है यहां नवीं शताब्दी में निर्मित सहस्रबाहु (सास-बहू) मन्दिर के अवशेष देखे जा सकते हैं।

जयसमन्द झील :

उदयपुर से अडतालीस कि.मी. दूर यह झील महाराणा जयसिंह द्वारा 17वीं शताब्दी में निर्मित करवाई गई थी। यह एशिया की दूसरे नम्बर की मीठे पानी की बड़ी झील है,संगमरमर की रमणीय छतरियाँ बांध के ईर्द-गिर्द हैं। झील के दोनों किनारों पर उदयपुर की महारानियों के लिए ग्रीष्मकालीन महल निर्मित है, झील के मध्य में जयसमन्द रिसोर्ट होटल देखने योग्य है।

हरिद्वार में वार्षिक जाति सम्मेलन आयोजन गलत है

डॉ. देवकी नन्दन खंडेलवाल (पूर्व प्राचार्य शास. इंजी- महा. रायपुर) गीतानगर रायपुर छ.ग।

गत बसंत पंचमी पर हरिद्वार में कोलकाता समाज द्वारा आयोजित जाति सम्मेलन की रिपोर्ट समाज की पत्रपत्रिकाओं में पढने में आई। पिछले एक वर्ष से किये गये भारी प्रचार के बावज़ूद समाज के सदस्यों की क्षीण उपस्थिति से निश्चय ही आयोजक बेहद निराश हुए होंगे। किन्तु यह तो अपेक्षित ही था। पिछले वर्ष समाज के पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से कोलकाता समाज ने खंडेलवाल बन्धुओं को हरिद्वार पहुँचने का आव्हान किया था। उसी समय मैं आयोजकों को बताना चाहता था। कि बसंत पंचमी पर हरिद्वार स्थान का चुनाव गलत होगा। किन्तु मैंने यह नहीं किया क्योंकि उस वक्त शायद आयोजक किंसी भी स्तर पर आलोचना अथवा विरोध का स्वागत नहीं करते। जब उन्होने अपनी भरपूर मेहनत के अनुरूप प्रिणाम नहीं पाया जो अब इस विषय पर विचार प्रकट करना मैंने उचित समझा।

हरिद्वार शहर उत्तरांचल में दून-घाटी में स्थित माना गया है। प्रत्येक वर्ष जनवरी और फरवरी के मध्य तक अफगानिस्तान पाकिस्तान की ओर से पश्चिमी विक्षोभ के अंतर्गत बादल काश्मीर घाटी हिमाचल प्रदेश और दून घाटी पहुँचते है। इसलिये इन दिनों इन स्थानों पर वर्षा और हिमपात अवश्य ही होता है। हरिद्वार के मौसम से मैं व्यक्तिगत रूप से परिचित हूं क्योंकि मैंने रूडकी विश्वविद्यालय में इंजिनियरिंग की उच्च शिक्षा के लिये पांच वर्ष बिताये है रूडकी हरिद्वार से केवल 30 किलोमीटर दूर है इन इलाकों में मार्च के अंत तक ठंड पडती है। और होली के दिन आधी बांह का स्वेटर पहन कर रंग गुलाल खेलना पडता है।

प्रतिवर्ष बसंत पंचमी का त्यौहार जनवरी के अंतिम सप्ताह से लेकर फरवरी के मध्य तक आता हे। सन् 2000 से लेकर 2005 तक के आंकडे यहाँ प्रस्तुत है।

2000 में 10 फरवरी को बसंत पंचमी
2001 में 29 जनवरी को बसंत पंचमी
2002 में 17 फरवरी को बसंत पंचमी
2003 में 6 फरवरी को बसंत पंचमी
2004 में 26 जनवरी को बसंत पंचमी
2005 में 13 फरवरी को बसंत पंचमी थी।

जब भी जनवरी-फरवरी में दून घाटी में इन दिनों वर्षा होती है तो मसूरी मे बर्फ गिरती है और सम्पूर्ण घाटी में रात्रि का तापमान 3 या 4 डिग्री सेल्सियस से कम होकर कभी कभी शून्य तक पहुंच जाता है। और इन दिनों वर्षा अक्सर हो ही जाती है।

ऐसे मौसम में मध्यप्रदेश महाराष्ट्र छत्तीसगढ उडीसा और सरीखे प्रान्तों के समाज बन्धु इतनी दूर हरिद्वार के कडाके के जाडे में पहुंचने की तो कल्पना ही नहीं कर सकते। राजस्थान, उत्तरप्रदेश व दिल्ली के बन्धु भी ऐसे मौसम में यात्रा करने से कतराते है। अतः स्पष्ट है कि हरिद्वार का चयन बसंतपंचमी के अवसर पर बिल्कुल गलत साबित हुआ। कोलकाता समाज बन्धुओं ने कहा था कि बसंतपंचमी पर हरिद्वार में होटल धर्मशालाओ में स्थान मिल जायेंगे। इसका असली कारण यह है कि जाडे के इस खतरनाक मौसम में पूरे देश से यात्री हरिद्वार बहुत कम पहुंचते है। लगभग सभी धर्मशालायें मार्च के अंत तक खाली सी रहती है।

यदि कोलकाता समाज बन्धुओं को प्रतिवर्ष बसंतपंचमी पर ही सम्मेलन आयोजित करना है और इसे किसी तीर्थ स्थान पर ही रखना है जो उज्जैन अथवा वृन्दावन पर विचार करना चाहिये। दोनों स्थान धार्मिक दृष्टिकोण से हरिद्वार के समकक्ष है। दोनों शहरों के आसपास ही जाति बन्धु बड़ी संख्या में निवास करते है।

बसंत पंचमी पर उज्जैन का मौसम तो बहुत आनन्दप्रद होता हे। वृन्दावन में कुछ ठंड अवश्य रहती है। दोनों स्थानों पर ठहरने की व्यवस्था भी आसानी से हो सकती है। वृन्दावन के मामले में दिल्ली व आगरा के समाज बन्धु कोलकाता के भाइयों द्वारा किये जाने वाले आयोजन में हाथ बंटा सकते है। वहीं उज्जैन में इन्दौर के बन्धु आगे आ सकते है।

कोलकाता समाज बन्धुओं के विचार बहुत उत्तम है। उनके प्रयासों की प्रशंसा भी करनी होगा। किन्तु वार्षिक सम्मेलन के स्थान चयन में वे चूक कर गये। उनसे यही अनुरोध है कि स्थान चयन के मामले पर पुनर्विचार करे।

अ.भा. खण्डेलवाल वैश्य महासभा

गंगा मंदिर, स्टेशन रोड, जयपुर-६

30वां राष्ट्रीय अधिवेशन

उदयपुर में 4-5-6 जून, 2005 को

माननीय,

अ.भा. खंडेलवाल वैश्य महासभा का 30वां राष्ट्रीय अधिवेशन श्री कालीचरण दास कोडिया अजमेर की अध्यक्षता में राजस्थान के मेवाड क्षेत्र में उदयपुर नगर में 4-5-6 जून,2005 को हो रहा है।

अधिवेशन में महासभा की अब तक की गतिविधियों की जानकारी कराने के साथ समाज सुधार, विकास एवं उत्थान सम्बन्धी योजनाओं पर विचार विमर्श किया जावेगा। कार्यकारिणी सदस्यों तथा पदाधिकारियों का चुनाव भी निर्धारित कार्यक्रमानुसार होगा।

अधिवेशन पर स्वजातीय भाई-बहिनों से मिलने का अवसर तो मिलेगा, साथ ही दर्शनीय स्थानों के भ्रमण का लाभ भी प्राप्त होगा।

आपसे निवेदन है कि आप जाति गंगा के इस पावन पर्व पर सपरिवार पधारने का कष्ट करें।

- विनीत -

सभी पदाधिकारी व कार्यकारिणी के सदस्य

अ.भा. खण्डेलवाल वैश्य महासभा

का

३०वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन

4-5-6 जून, 2005 नगर परिषद् परिसर

देश के समाज बन्धुओं के हजारों कदम उदयपुर की ओर
आपके भी दो कदमों से हम होंगे भाव-विभोर
आईये उदयपुर अधिवेशन में पधार कर सामाजिक क्रांति का
घनघोर शंखनाद करें।

उदयपुर आपका हृदय से स्वागत करता है।

निवेदक

महेश खण्डेलवाल	विजय खंडेलवाल	ओमप्रकाश गुप्ता
अध्यक्ष	महासचिव	स्वागताध्यक्ष

श्री खण्डेलवाल वैश्य समाज उदयुपर, राज.

48 सेन्ट्रल एरिया, उदयपुर

आप हमें सहयोग करेंगे- स्नेह करेंगे
हम आपके सुन्दर सपने साकार करेंगे

अ.भा. खण्डेलवाल वैश्य महासभा

गंगा मन्दिर, स्टेशन रोड़, जयपुर

महासमिति के सदस्य बनिये व बनाईये

महासभा का 30वां राष्ट्रीय अधिवेशन उदयपुर (राजस्थान) में दिनांक 4-5-6 जून 2005 को हो रहा है। इसमें महासभा की आगामी कार्यकारिणी समिति के सदस्यों व पदाधिकारियों का चुनाव होगा। का.का. के सदस्यों के चुनाव के लिये महासमिति का सदस्य होना अनिवार्य है। महासमिति के सदस्य ही चुनाव प्रत्याशी-प्रस्तावक समर्थक व मतदाता होंगे। अध्यक्षीय चुनाव के अवसर पर बने साधारण सदस्यों की सदस्यता अध्यक्षीय चुनाव के बाद समाप्त हो जाती है अतः उन्हें इन चुनावों में भाग लेने के लिये दुबारा सदस्य बनना जरूरी है। जो सदस्य 21 मई, 2005 तक अपना सदस्यता शुल्क मय सदस्यता फार्म के कार्यालय में जमा करा देंगे वे ही विधिवत सदस्य माने जावेंगे। का.का. के सदस्य के चुनाव हेतु मतदाता सूची 25 मई, 2005 को तैयार हो जावेगी और 30 मई से वे निर्धारित शुल्क पर कार्यालय में उपलब्ध रहेगी।

सदस्यता शुल्क इस प्रकार है आंजीवन 1100/- रूपये

एक सत्र का सदस्यता शुल्क 134/- रूपये

महासमिति के सदस्य को महासभा पत्रिका का सदस्य होना आवश्यक है किन्तु एक परिवार में पत्रिका शुल्क एक ही सदस्य को जमा कराना होगा। पत्रिका का आजीवन शुल्क 301 रूपये तथा एक सत्र का शुल्क 123 रूपये है।

विधान की धारा 8 घ के अनुसार संबंधित संस्थायें भी महासभा से सम्बन्धित होकर अपना प्रतिनिधि महासमिति में भिजवा सकती है। संस्थाओं का महासभा से सम्बन्धित होने का एक सत्र का शुल्क 101 रूपये है। ये सम्बन्धित संस्थायें महासमिति में पूरे सत्र के लिये प्रतिनिधि इस प्रकार भेज सकती है।

संस्था की सदस्य संख्या	प्रतिनिधि शुल्क	प्रतिनिधियों की संख्या
11 से 50 तक	51 रूपये प्रति	1
51 से 100 तक	प्रतिनिधि के	2
101 से 150 तक	आधार पर 1	3
151 से 200 तक		4
201 से अधिक		5

ये सदस्य अधिवेशन के 20 दिन पूर्व अपनी संस्थाओं से नियमित निर्वाचित होकर संस्था के मंत्री द्वारा महासभा कार्यालय को सूचना भेंजेगे। अधिवेशन स्थल पर प्रतिनिधियों के नाम नहीं लिये जावेंगे।

8 (ड) महासभा के पूरे सत्र के लिये 31 साधारण सदस्य बनाने वाले व्यक्ति। महासमिति के सदस्य माने जावेंगे।

रामरतन घीया संयुक्त मंत्री, का.का. समिति के निर्णयानुसार प्रसारित

अ.भा. खंडेलवाल वैश्य महासभा, गंगामंन्दिर स्टेशन रोड, जयपुर-6

कार्यकारिणी समिति द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम

महासभा कार्यकारिणी समिति की आवश्यक बैठक दिनांक 3-4-2005 को जयपुर में सम्पन्न हुई। इस बैठक में दिनांक 4-5-6 जून, 2005 को उदयपुर में होने वाले 30वें राष्ट्रीय अधिवेशन के लिये निम्न कार्यक्रम घोषित किया गया। चुनाव समिति के संयोजक को निर्देशित किया कि वे इस कार्यक्रम के अनुसार कार्यकारिणी समिति के चुनाव सम्पन्न करावें :-

1. कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के निर्वाचन हेतु महासमिति के सदस्य बनने की अन्तिम तिथि दिनांक 21 मई, 2005 को सायंकाल 5 बजे तक। सदस्यता शुल्क मय सदस्यता फार्म व सूची के कार्यालय में प्राप्त होना आवश्यक है।

2. महासमिति की सदस्यता सूची का प्रकाशन दिनांक 25-5-2005 को सायंकाल 5 बजे तक केन्द्रीय कार्यालय जयपुर में कर दिया जावेगा।

3. जो भी सदस्य मतदाता सूची प्राप्त करना चाहें निर्धारित शुल्क जमा कराकर महासभा कार्यालय से 30-5-2005 से प्राप्त कर सकते है।

4. कार्यकारिणी के सदस्यों के निर्वाचन के लिये विधान के परिशिष्ट 2 के क्षेत्रवार विभाजन के आधार पर नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि 4 जून 2005 को सायंकाल 5 बजे तक। ये नामांकन पत्र 100 रूपये अमानत राशि के साथ जमा होना अनिवार्य है। नामांकन पत्रों पर प्रस्तावक समर्थक व प्रस्तावित व्यक्ति के हस्ताक्षर व पूरा पता होना जरूरी है। सभी को महासमिति का सदस्य होना अनिवार्य है। नामांकन प्रस्तुत करने के लिए तक किसी भी प्रकार की बकाया नहीं रहनी चाहिये।

5. नाम वापिस लेने की अन्तिम तिथि 5 जून, 2005 अधिवेशन स्थल पर महासभा कार्यालय में सायंकाल 5.00 बजे तक।

6. का.का. के सदस्यों के चुनाव क्षेत्र वाइज अधिवेशन स्थल पर 6 जून, 2005 को अधिवेशन स्थल पर

7. पदाधिकारियों के चुनाव का.का. के चुनाव सम्पन्न होने के बाद घोषित कार्यक्रमानुसार। दि. 6 जून, 2005 को

नामांकन पत्र व नाम वापिसी के पत्र निर्धारित प्रपत्र पर होना आवश्यक है। ये व्यक्तिगत रूप से या रजिस्टर्ड डाक द्वारा निर्धारित अवधि में प्राप्त होने चाहिये।

रामस्वरूप ताम्बी,
- संयोजक चुनाव समिति
(कार्यकारिणी की बैठक के निर्देशानुसार)

अ.भा. खंडेलवाल वैश्य महासभा गंगामंन्दिर स्टेशन रोड, जयपुर-6

कार्यकारिणी की सदस्यता के लिये नामांकन पत्र

महासभा के विधान के परिशिष्ट 2 में अंकित सीटों के अनुसार कार्यकारिणी की सदस्यता के लिये निम्नलिखित व्यक्ति का नाम प्रस्तावित करता हूं।

नाम --

पता --

क्षेत्र संख्या-----------------------

मतदाता सूची क्रमांक-------------------

मैं इस प्रस्ताव का अनुमोदन करता हूं।

नाम प्रस्तावक ----------------------

पता-------------------------------

क्षेत्र संख्या------------------------

मतदाता सूची क्रमांक-----------------

हस्ताक्षर--------------------------

दिनांक :

नाम अनुमोदक---------------------

पता-------------------------------

क्षेत्र संख्या------------------------

मतदाता सूची क्रमांक-----------------

हस्ताक्षर--------------------------

दिनांक :

मैं उपरोक्त नामांकन पत्र के प्रस्ताव को स्वीकार करता हूं।

हस्ताक्षर प्रत्याशी

नोट :- नामांकन पत्र के साथ 100 रूपये अमानत राशि का ड्राप्ट खंडेलवाल वैश्य महासभा के नाम या नकद जमा कराना अनिवार्य है। यह अमानत राशि वापिसी देय नहीं होगी। बिना अमानत राशि के नामांकन पत्र रद्द हो जायेगा।

अ.भा. खंडेलवाल वैश्य महासभा

30 वां अधिवेशन

नाम वापिस लेने की सूचना

क्षेत्र संख्या------------------से कार्यकारिणी के निर्वाचन के लिये मेरे नाम का नामांकन पत्र प्रस्तुत किया था उसे मैं वापिस लेता हूं।

दिनांक :

समय

हस्ताक्षर प्रत्याशी

पूरा नाम. . ...

पता..

....

30वें राष्ट्रीय अधिवेशन उदयपुर दिनांक 4-5-6 जून, 2005 का प्रस्तावित कार्यक्रम

4 जून, 2005, शनिवार

प्रातः 8 बजे	का.का. तथा महासमिति की संयुक्त बैठक
दोपहर 2 बजे	भोजन अवकाश
दोपहर 3 बजे	का.का. सदस्यों के चुनावों के नामांकन पत्र
सायंकाल 4 बजे	अधिवेशन का उद्घाटन कार्यालय रिपोर्ट मय आडिटेड हिसाब की प्रस्तुति निवर्तमान अध्यक्ष का उद्बोधन
रात्रि 8 बजे	सांस्कृतिक कार्यक्रम
रात्रि 10 बजे	विषय निर्वाचनी समिति की बैठक

5 जून, 2005, शनिवार

प्रातः 7 बजे	शोभा यात्रा
प्रातः 11 बजे	नवनिर्वाचित अध्यक्ष का स्वागत स्वागताध्यक्ष का भाषण अध्यक्षीय अभिभाषण
दोपहर 2 बजे	भोजन अवकाश
दोपहर 3 बजे	का.का. के सदस्यों के चुनाव के लिये नाम वापसी का समय
सायंकाल 4 बजे	युवा सम्मेलन
सायंकाल 5 बजे	महिला सम्मेलन
सायंकाल 6 बजे	खुला अधिवेशन
सायंकाल 9 बजे	भोजन अवकाश

6 जून, 2005, शनिवार

प्रातः 8 बजे	खुला अधिवेशन
दोपहर 2 बजे	भोजन अवकाश
दोपहर 3 बजे	का.का. के सदस्यों के चुनाव
सायंकाल 7 बजे	पदाधिकारियों के चुनाव

1. अधिवेशन में प्रस्तुत किये जाने वाले प्रस्ताव 3 जून, 2005 तक अधिवेशन स्थल पर प्राप्त होना जरूरी है।
2. आवश्यकतानुसार कार्यक्रम में परिवर्तन किया जा सकेगा।

"महासभा के अतीत की यादें"

– कृष्णचन्द्र खंडेलवाल,जयपुर

अपनी महासभा खंडेलवाल वैश्य समाज की अखिल भारतीय संस्था है। इसके गठन को पूरी एक शताब्दी यानि सौ वर्ष पूरे होने को है। किसी भी सामाजिक संस्था द्वारा इतना लम्ब्रा सफर कर पाना सहज नहीं है। हाँ, इसके पीछे एक भावना है कि इसके संगठनकर्ता और संचालकों में समाज के प्रति सत्यनिष्ठा, संगठन की भावना, सहयोग की प्रवृत्ति और समानता की चाह रही है। वह त्यागी, सेवा भावी और कर्तव्य पारायण रहे है। उनका जीवन सिद्धान्तप्रिय और अनुशासित रहा है। उनमें पद-प्रतिष्ठा की भावना छू नहीं पाई है। पर जब भी पदऔर प्रतिष्ठा की भावना उभरी है संस्था में, संगठन में विवाद-विरोध और गतिरोध आता है। महासभा में भी ऐसा कई बार हुआ है। कभी रस्म रिवाजों को लेकर, कभी मान प्रतिष्ठा को लेकर।

अपने स्वाभिमानी समाज में अक्खडपना, अडियलपना विशेष रहाहै। रस्म-रिवाजें जो समय विशेष में परिस्थिति विशेष में चल पडी उनमें बदले समय और परिस्थिति सुधार की आवश्यकता हुई पर यह कार्य सहज नहीं हुआ। कारण कि समाज में शिक्षा का अभाव रहा है। इस स्थिति को सुधारने संभालने के लिये शिक्षा के प्रचार प्रसार पर बल देना प्रारंभ किया। सन् 1911 में आगरा में अपनी पाठशाला प्रारंभ की गई। दो वर्ष पश्चात सन् 1913 में खंडेलवाल हितैषी पत्र का प्रकाशन चालू हुआ और सन् 1915 में अपनी महासभा का गठन हुआ। इसके दो वर्ष बाद जयपुर में अपनी पाठशाला प्रारंभ हुई फिर यह क्रम पूरे देश में अपने संगठनों में जारी रहा।

महासभा ने प्रारंभ में समाज में सुधार और शिक्षा पर विशेष बल दिया। सुधार की दृष्टि से देशव्यापी समाज में प्रचलित रस्म रिवाजों का अनुसंधान किया। आगरा से प्रकाशित "खंडेलवाल महासभा बन्धु" का रसूमात अंक" सन् 1934 नवम्बर में प्रकाशित कर रिवाजों के औचित्य पर विषद प्रकाश डाला। महासभा ने यह प्रयास किया कि समग्र समाज में एक जैसी रस्म रिवाज़ों का प्रचलन हो पर इसमें विशेष सफलता प्राप्त न हो सकी। कारण की अपना समाज बिखरा हुआ गांवों में कस्बों में नगरों और शहरों में बसा हुआ है। कहीं अपने परिवार अधिक है और कहीं अन्य वैश्य समाजों के घर अधिक है। सामाजिक दृष्टि से सभी के साथ रहना निभना होता है। फिर अशिक्षा के कारण रूढ़िवादी प्रवृत्ति बनी हुई है।

महासभा ने समाज में बाल-विधवाओं की बढती संख्या और उनके पुर्नलग्न की बात रखी। इस पर समाज में तीव्र विरोध ही नहीं हुआ बल्कि महासभा के समकक्ष पृथक खंडेलवाल महापंचायत का गठन कर लिया गया। महाससभा ने समाज में एकता बनायें रखने के लिए महासभा स्तर पर विधवा विवाह का विचार नहीं किया जावेगा। इस आधार पर दोनों महासभा और महापंचायत का एका हुआ। यह सन् 1928 से 1933 की बात है। महासभा ने समाज में प्रचलित रस्म रिवाजों में सुधार किया और इनमें सादगी व मितव्ययता को अपनाया ताकि समाज के साधारण परिवारों को राहत मिले।

महासभा द्वारा पारित रस्म-रिवाजों का सख्ती सेपालन कराया गया। इस सन्दर्भ में एक उदाहरण प्रस्तुत है। महासभा के अधिकारी और समाज के प्रतिष्ठा प्राप्त स्व. लाला रघुमल जी भुखमारिया दिल्ली की पुत्री अंगिरा देवी का विवाह स्व. गुलराजगोपाल जी गुप्त के पुत्र स्व. लाला हंसराज की गुप्ता के साथ सम्पन्न हुआ। विवाह

का सम्पूर्ण कार्य महासभा द्वारा स्वीकृत नियमों के अनुसार हुआ। जबकि लाला रघुमल जी अपने जमाने के समाज में एक मात्र करोड़पति थे और श्री गुलराज गोपाल गुप्ता उच्च पदस्थ अधिकारी थे। आज के पदाधिकारी इस मायने में अपने को देखें।

महासभा में आज जैसे प्रचारक नियुक्त किये गये है जो संस्था के लिये धन-संग्रह करते है ठीक इसी प्रकार पूर्व में उपदेशक नियुक्त थे जो धन संग्रह के साथ महासभा के सिद्धान्तों नीति कार्यक्रमों से समाज को अवगत कराते थे। इस क्रम में स्व. सुन्दरदत्त जी बा. गंगाराम जी गुप्ता व श्री भैरूलाल जी ओढ लम्बे समय तक सेवारत रहे। एक बार की घटना है कि बा. गंगारामज़ी ने आगरा स्टेशन के प्लेटफार्म पर एक लडकी ने गुप्ता जी को पहचान लिया। यह गांव की खंडेलवाल विधवा युवती थी। उसके साथ उसके गांव का ही एक नीलगर जो दूर खड़ा था। भाग छूटा। गुप्ता जी ने उस लड़की को समझाकर उसके घर पहुंचाने को समझाया पर वह सहमत नहीं हुई। आखिर गुप्ता जी उसको अपने साथ कलकत्ता ले गये और अपने एक युवक के साथ आर्य पद्धति से उसका विवाह कर दिया।

महासभा के उपदेशक पं. सुन्दरदत्त जी समाज के श्रीमन्तों के विशेष रूप से सम्पर्क में रहते थे। संस्था के आगामी अध्यक्ष के चुनाव का दायित्व इन पर रहता था। उस समय संस्था का अध्यक्ष पद कोई भी समाज बन्धु सदन में संभालने को तत्पर नहीं होते थे। कारण कि यह दायित्व ग्रहण करना कांटों का ताज समझा जाता था। संस्था का दायित्व था कि समाज में एकता कायम रहे संस्था द्वारा स्वीकृत रस्म रिवाजों का सख्ती सेपालन हो, शिक्षा का प्रचार प्रसार हो, आपसी विवादों का निपटारा हो। यह वही अध्यक्ष निभा पाता था। जो स्वयं संस्था के नियम व सिद्धान्तों का सख्ती से निभाने वाला हो। संस्था का अनुशासन सख्त था। समाज के विरुद्ध आचरण करने के कारण कितने ही परिवरों को जातिच्युत किया हुआ था। महासभा ने इनकी जांच कर सभी को समझा बुझा कर समाज में शामिल किया। इसमें दौसा अधिवेशन 1932 में अध्यक्ष स्व. श्रीमान रामचन्द्र जी दुसाद ईंटों वाले बरेली का अभूतपूर्व योगदान रहा।

महासभा के उपदेशक स्व. भैरूंलाल जी ओढ लम्बे समय तक रहे। आपने गांव-गांव, नगर नगर घूमकर महासभा का प्रचार किया। प्रचलित रिवाजों में सुधार और शिक्षा पर विशेष बल दिया। नगरों में अपनी पाठशालाओं को खुलवाया। साथ ही महासभा की ओर से स्व. बा. देवकी नन्दन जी विभव द्वारा प्रकाशित "दस दिन में साक्षरता" पुस्तक की सैंकड़ों प्रतियां वितरित की गई। इसके पढ़ने से कोई भी व्यक्ति दस दिन के प्रयास में सहज में लिखना पढ़ना सीख सकताथा। वैसे भी अपनी पाठशांलाओं को और निर्धन छात्र-छात्राओं को महासभा मासिक सहायता प्रारंभ से देती रही है।

महासभा के साथ समाज-सुधार और संगठन के क्षेत्र में अपने पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशन का महत्वपूर्ण योग रहा है। सन् 1915 में "खंडेलवाल" हितैषी का प्रकाशन स्व. राधावल्लभ जी जसोरिया, आगरा ने किया। सन् 1915 में खंडेलवाल सन् 1922 में खंडेलवाल बन्धु और सन् 1932 में 'खंडेलवाल महासभा पत्रिका" का प्रकाशन हुआ। खंडेलवाल सन्देश और खंडेलवाल जगत की विशेष भूमिका रही है। आज खंडेलवाल महासभा पत्रिका का नियमित प्रकाशन है। वैसे कई पाक्षिक पत्र भी प्रकाशित हो रहे है॥ पत्रिकाओं का प्रकाशन समाज में सुधार व संगठन को बल देने एंव विशेष घटनाओं को उजागर करना था। इनका ध्येय सेवा भावना का था व्यावसायिक नहीं था। आज जो पत्र प्रकाशित है उनमें व्यवसायिक भावना विशेष है।

महासभा के स्वीकृत प्रस्तावों में समाज की भावनाओं की समझ झलकती रही है। संस्था में प्रारंभ

से जिस क्रान्तीकारी बदलाव और राष्ट्रहित का चिंतन संजोया है वह अन्य सभी के लिये प्रेरणा स्रोत रहा है। संस्था के अध्यक्ष सभी क्षेत्रों से प्रख्यात व्यक्ति रहे है जिन्होंने संस्था के माध्यम से समाज को निरन्तर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर किया है। अतः संस्था को शिक्षा, प्रसार, समाज-सुधार और राष्ट्रीय जागरण की त्रिवेणी की संज्ञा देना समीचीन लगता है।

महासभा का नौंवा अधिवेशन गोवधर्न में 1939 में हुआ। इसमें अन्तर्जातीय विवाह का विवाद उभर आया। संस्था की गति अवरूद्ध हो गई। संस्था का विभाजन हो गया। सात वर्ष पश्चात् 1946 में अगला अधिवेशन बम्बई में हुआ। इस अधिवेशन में संस्था की कार्यसमिति में युवजनों को प्रवेश मिला किन्तु गोवर्धन अधिवेशन के निर्वाचित मंत्री श्री डी.डी. खंडेलवाल बनारस ने विवाद खड़ा कर दिया। संस्था फिर ठप्प हो गई।

खंडेलवाल जगत के संस्थापक स्व. मोदी कुंजबिहारी लाल अलवर के सद्प्रयासों से सन 1951 में बांदीकुई अधिवेशन स्व. बाबू देवकीनन्दन जी विभव आगरा की अध्यक्षता में हुआ। इस अधिवेशन में प्रथम बार विधवाविवाह का प्रस्ताव स्वीकार किया गया। यह निश्चय ही एक क्रान्तिकारी कदम था। वैसे भी यह अधिवेशन संस्था और समाज के लिये मील का पत्थर साबित हुआ। इसके बाद महासभा के अधिवेशन बराबर होते रहे। इसका कारण संस्था का केन्द्रीय कार्यालय स्थायी होना है।

बांदीकुई अधिवेशन के बाद यह तय किया गया कि महासभा का कार्यालय जो अब तक प्रधानमंत्री के पास रहता था वह अब स्थायी रूप से जयपुर में स्थापित किया जावे। यह दायित्व इन पंक्तियों के लेखक मुझे सौंपा गया। यह कार्यालय पहिले प्रधानमंत्री श्री श्यामसुन्दर लाल डंगायच आगरे के पास था। इनसे कार्यालय का रिकार्ड प्राप्त करने का प्रयास किया गया। अनेक बार आंगरा इस हेतु मुझे जाना पडा। बडे प्रयास करने के बाद संस्था का रेकार्ड मिल पाया। गंगामन्दिर की एक छोटी सी दुकान किराये लेकर 3 अप्रेल 1952 को महासभा कार्यालय की स्थापना की गई। बाद में स्व. लाला विश्वम्भरदयाल जी भुखमारिया देहली की अध्यक्षता में कार्यालय का विस्तार किया गया और वर्तमान साज सज्जा में लाया गया। अब तो महासभा का निजी भवन शास्त्री नगर जयपुर में निर्मित हो चुका हे।

देहली के गण-मान्य बन्धुओं का महासभा के गठन में अभूतपूर्व योग रहा है। पर, यह भी कटु सत्य है कि देहली के बन्धुओं ने संस्था को तोडा है, बम्बई ने जोडा है और बरेली ने संभाला है। संभ्रान्त विकास के नाम पर भव्य व विशाल आयोजन हो रहे है किन्तु संस्था समाज से अलग थलग जा रही है। संस्था ने समाज को छात्रवृत्ति सहायता के रूप में बहुत कुछ दिया है। पर समाज उसे सही ढंग से संभाल नहीं पाई है। इसके कारण कुछ भी हो सकते है। पर जाहिर में स्वार्थ और यश प्राप्ति विशेष रूप से हो रहा है।

संस्था के विधान का उसके कार्य और प्रगति से अभूतपूर्व योग रहा है। जब तक विधान की पालना होती रही संस्था बराबर सजग और सक्रिय रही। कई बार विधान में संशोधन भी हुये। पर जब से विधान की अपेक्षा की जाने लगी संस्था में अवरोध होने लगा है। पर उसकी अनुपालना आवश्यक है। महासभा में आज यह नहीं हो पा रहा है। महासभा समाज की प्रतिनिधि संस्था है। इसका उद्देश्य समाज को सामाजिक दृष्टि से समुन्नत करना रहा है। इसके लिये समाज में प्रचलित रस्म रिवाजों में अनुकूल स्थिति बनाये रखना है यह महासभा प्रारंभ से करती रही है। समाज में रस्म रिवाजों का पालन परस्पर सहयोग, सदाचार, समभाव बनाये रखना। इसके अनुकूल संस्था के कार्यक्रम व आयोजन रहते थे। पर आज नहीं है।

क्रमशः

युवक-युवतियों के लिए
दोनों सफाई परमावश्यक

संकलित-एस.पी.गुप्ता, सामोद

स्वच्छता और पवित्रता में परमात्मा का निवास है स्वच्छताऔर पवित्रता में किन्चत फर्क है। एक कमरे में हम झाडू लगाकर, डिटोल छिड़ककर पौछा लगा दें तो वह स्वच्छ है। उसी कमरे में एक कोने में कुछ मुर्गी के अंडे शराब की प्याली और मांस की प्लेट रख दे तो वह साफ होते हुए भी पवित्र नहीं है। आज के इस भौतिक युग में पवित्रता सुरक्षित रखना बडा ही दुश्कर है। बडे-बडे यज्ञों का आयोजन होता है परन्तु उनमें पवित्रता नाम मात्र की हो पाती है। इस बात का पता संत शिरोमणी ग़ोस्वामी तुलसीदास को था। इसीलिए उन्होंने रामचरित मानस में स्पष्ट घोषणा कर दी कि-

कलिजुग जोग न जज्ञ न ज्ञाना।
एक अधार राम गुण गान ज्ञाना॥

इसलिए हम पवित्रता की बात न करके स्वच्छता पर ही विचार करेंगे। स्वास्थ्य की रक्षा के लिए शरीर के अंग प्रत्यंगों को स्वच्छ रखना आवश्यक होता है क्योंकि अस्वच्छता से कई व्याधियों पैदा हो जाती है।

सफाई दो प्रकार की है। पहली भीतर की सफाई और दूसरी बाहर की सफाई।

भीतर की सफाई जो बाहरी सफाई से भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इस सफाई के अभाव में ही आज मानव अपना स्वरुप भूलकर दानव बनता जा रहा है। बलात्कार, व्यभिचार, अन्याय, शोषण, लडाई-झगडे का मूल कारण ही आन्तरिक सफाई न होने की वजह है। अन्तःकरण की सफाई के लिए ही सत्संग, भजन, पूजा-पाठ यज्ञ हवन नाम स्मरण आदि का आयोजन किया जाता है। परन्तु आजंकल यह सब तो खूब किया जाता है परन्तु मन की वृत्तियों की ओर ध्यान नहीं देने से आंशिक फल ही मिल पाता है पूरा नहीं । वहां तो दूध का दूध और पानी का पानी होता है।'दलाली, सिफारिश वकालात नही चलती। वहां तो जैसी करनी वैसा फल। आज नहीं तो निश्चय कल'' अतः आन्तरिक सफाई के लिए मनुष्य को छल कपट रहित होकर अहंकार को त्यागकर और अपने आचरण व्यवहार को सुधार कर सच्चे हृदय से प्राथ्रना करनी चाहिये। इस विषय में संत प्रवर दादूजी कहते है।

आपा मेटे हरि भजे, तन मन तजे विकार।
निर्वेरी सब जीव सौ, दादू यह मत सार॥

इसके विपरीत जो पाठ-पूजा का ढोंग करते है वे ईश्वर को धोखा देने की अपेक्षा स्वयं को ही धोखा देते है।

शारिरीक सफाई का अपना महत्व है। विशेषकर हमारे समाज के नवयुवकों-युवतियों को निम्न लिखित सुझावों पर ध्यान देना चाहिए।

1. दोनां समय प्रातः सायं शौच जावे, भले ही हाजत हो या न हो।

2. शौचोपरान्त आँख नाक मुंह को भली प्रकार धोवे। दांतुन नित्य करें। नाखून सप्ताह में एक बार अवश्य कांटे।

3. अच्छी तरह मल मल कर स्नान करें। साबुन का प्रयोग एक दिन छोड़ एक दिन करें। गर्मी में मुलतानी मिट्टी का प्रयोग करें।

4. जाडे के दिनों में नित्य मालिश व्यायाम करें। यदि रोज न कर सके तो सोम, बुध और शनि को मालिश अवश्य करें।

5. नवयुवकों को दाढी बनाते समय नाई से अथवा यदि वे स्वयं बनाते हो तो स्वयं बगल के बाल उस्तरे से साफ करते रहना चाहिये।

6. यौनांग को साफ रखने के लिए किशोरावस्था की समाप्ति पर 15-20 दिन में बालों को साफ करते रहना चाहिए। ऐसा न करने से दाद, खुजली त्वचा रोग होने की पूरी पूरी सम्भावनाएं है।

7. युवको को यौनांग के बाल छोटी कैंची या रेजर से सावधानी पूर्वक काटने चाहिए। बिल्कुल सफाचट करने के लिए किसी अच्छी कम्पनी की हेयर रिमोवर क्रीम लगाकर 10-15 मिनट रूककर रूई के फोहे से पौंछ देना चाहिए। इसके बाद क्लीसिंग मिल्क लगाकर त्वचा को साफ कर लें। त्वचा सर्वथा साफ और चिकनी हो जायेगी। इसी प्रकार युवतियों भी 15-20 दिन में साफ कर सकती है। बाल सफा क्रीम हल्की का प्रयोग करना खतरनाक है आजकल Annefrench क्रीम उपयोगी होने से इस कार्य में प्रयोग की जा सकती है। यह निरापद और अनचाहे बालों को हटाने में उपयोगी है। साथ ही स्नान करते समय युवक-युवती को अपने यौनांग को ठीक से धोने व साफ करने की प्रतिदिन याद रखनी चाहिए। पूरे शरीर को पानी से धोने के बाद, पूरे शरीर पर साबुन लगाते हुए विशेषकर जांघों के जोड घुटनों के पीछे, हाथों की कोहनियों और बगलों, गर्दन के पीछे वाले भागों पर अच्छी तरह साबुन लगाकर पानी से खूब धोना चाहिए। इस वक्त युवकों को अपने लिंग की त्वचा पीछे खींचकर शिश्नमुण्ड पर पानी डालकर वहां जमी हुई सफेदी को धो डालना चाहिए। इसी तरह दोनों अण्डकोषों और उनकी जड़ वाले स्थान को भी भली भाँति धोकर साफ करना चाहिए ताकि वहाँ मैल व गंदगी न रहे वरना त्वचा रोग खुजली हो सकती है।

खुजली होगी तो बार बार खुजाने के लिए हाथ वहाँ जायेगा यौनांग का स्पर्श करेगा जिससे अनावश्यक उत्तेजना पैदा होगी।

युवतियों का मामला जरा अलग है। उनका यौनांग अन्दर होता है जिसे साफ करना इतना आसान नहीं होता। प्रायः ऊपर से पानी डालकर धो देना ही सफाई करना मान लिया जाता है जिसके फल स्वरूप स्त्री के यौनांग के भीतर गन्दगी इकट्ठी होती रहती है जो योनि के भीतर खुजली, जलन शोध कर देती है। प्रकृति ने नारी शरीर का यौनांग और मलद्वार पास पास बनाया है। इस कारण एक दूसरे का इन्फेक्शन लगाना साधारणा बात है। इसलिए शौच जाते वक्त गुदा द्वार को धोने के बाद योनि को ख़ूब अच्छी तरह धोना नितान्त आवश्यक है। स्नान करते समय भी दोनों स्थानों पर साबुन लगाकर भली भांति साफ कर लेना चाहिए ताकि किसी भी प्रकार के इन्फेक्शन की कोई संभावना ही न रहे।

इस क्रिया से भी योनि प्रक्षालन किया जा सकता है यदि रोज नहीं हो सप्ताह में दो बार योनि प्रक्षालन अवश्य करना चाहिए।

जिन युवकों को स्वप्न दोष होता हो उन्हें नींद खुलते ही उठकर पेशाब अवश्य करना चाहिए क्योंकि स्वप्नदोष होने पर जो वीर्यपात होता है उसमें इस बात की संभावना रहती है कि पूरा वीर्य बाहर न निकल सके और मूत्रनली में रूका रह जाय। पेशाब करने से मूत्रनली में बचा हुआ वीर्य पेशाब के साथ बाहर निकल जायेगा। अन्यथा वह सूखकर पथरी का रूप धारण कर लेगा।

अतः स्नान व शौच क्रिया के बाद यौनांग और गुदामार्ग दोनों की सफाई नितान्त आवश्यक है।

विपत्ति दुःख से दूर होने का मार्ग
अपनी विपत्ति के लिये दूसरो को दोष क्यूं

श्रीमती विद्यावती खंडेलवाल, दुर्ग (छत्तीसगढ़)

इस बात का सदा ध्यान रखिये कि विपत्ति और दुःख एवं कष्ट उन्हीं लोगों को अधिक दबाते है और सताते जो कायर है डरपोक व विवेक शून्य है जिस प्रकार मार्ग में चलते हुये साँड को देखते हे और डर कर भागते है किन्तु भागकर हम उसे और उत्तेजित करते हैं लेकिन खडे होकर उसको निर्भिकता से देखने पर शान्त हो जाता है। वैसे ही विपत्ति का दृढ़ता से सामना करने से विपत्ति का वेग हमें चलायमान नहीं कर सकता, हम जब कष्ट व दुखों से डरते है विपत्ति के बादल मंडरा रहे हो क्या करना या क्या नहीं करना चाहिये यह निर्णय करने में असमर्थ हो रहे निष्फलता और निराशा के कगार पर खडे है। चाहे किसी समय भी अचानक विपत्ती कष्ट का सामना पडे तो अपने संकल्प से दृढ़ता से उसका मुकाबला कर सकते हैं। अग्नि में तपा हुआ सोना अधिक उज्वल और तेजस्वी हो जाता है। वैसे ही दुःख की अग्नि हमारे जीवन को पवित्र करने वाली अग्नि है।

संसार का कोई भी पदार्थ हमें दुख नहीं दे सकता है जो विपत्तियाँ घबराहट देने वाली होती है वास्तव में जगत में ऐसे मनुष्य की आवश्यकता होती है जिसमें कार्य करने की अपूर्व श्रद्धा हो ऐसे ही मानव की आवश्यकता है जिसको अपने आप पर पूरा भरोसा है। जिसको अपने पथ पर चलने से दरिद्रता और दुःख कष्ट हतोत्साह कर सकते हो और न विपत्ति उसका मार्ग रोक सकती हो। मनुष्य अत्यंन्त संवेदनशील होते है। तिल का ताड बना लेते है आदमी की इस दुर्बलता के कारण साधारण विपत्ति भी विकराल रूप धारण कर लेती है।ऐसे मनुष्य पर विपत्ति बडे वेग से आक्रमण करती है। और भयंकर शारीरिक रोग मानसिक वेदना, और क्रोध के रूप में आ दबाती है। तुम अपनी आत्मा के ऊँचे शिखर पर आरूढ हो जाओ और अपनी शक्ति में अटूट विश्वास तथा श्रद्धा रखो। यह शक्ति सदा सर्वदा तुम्हारे साथ है। शक्ति तुम्हारी सदा सर्वदा रक्षा करती है। इस प्रकार तुम्हारे दुःख कष्ट विपत्ति आत्मसुख में परिवर्तित हो जायेंगे जो लोग विपत्ति की शिकायत करते है उनमें विश्वास का अभाव है। व्यर्थ की चिन्ता से परेशान है और चिडचिडापन दिखलाते है अपने दुख के लिये दूसरों को दोष देते है।

आत्म विश्वास नहीं रखते है ये यह नहीं सोचते कि ये दुःख की पीड़ादायक स्थिति हमेशा रहने वाली नहीं है चाहे आप पर यदि शोक दुःख और विपत्तियों का पहाड भी टूट पड़े तो भी आप अपने चित्त की शान्ती को भंग नहीं करेंगे जीवन में सुख व दुख तो आता ही रहता है।

हिम्मत रखो।

श्री प्रवीन खंडेलवाल ने वकील से नोटिस भिजवाया

प्रधानमंत्री श्री प्रवीन खंडेलवाल द्वारा श्री. जयनारायण मेठी संरक्षक श्रीकालीचरणदास कोडिया नव निर्वाचित अध्यक्ष व श्री रामरतन घीया संयुक्तमंत्री को दिल्ली के एक वकील से कानूनी नोटिस भिजवाया है। यह नोटिस भिजवाकर उन्होंने सभी स्वस्थ परम्पराओं का उल्लंघन कर समाज विरोधी कृत्य किया है। इस कार्यवाही पर कार्यकारिणी की बैठक में सदस्यों ने गहरा रोष व्यक्त किया तथा श्री प्रवीन खंडेलवाल के इस कृत्य की निन्दा की है। इन्होंने एक याचिका भी निर्णायक मण्डल के सामने प्रस्तुत की है। जबकि प्रधानमंत्री कार्यसमिति की इजाजत के बिना कोई भी कानूनी कार्यवाही नही कर सकते है।

चेहरे को भद्दा बनाते है मुंहासे

श्रीमती सावित्री देवी खण्डेलवाल, दिल्ली

हर महिला चाहती है कि वह सुन्दर तथा साफ त्वचा दिखे। दरअसल उम्र बढ़ने के साथ साथ त्वचा की समस्यायें बढ़ना आम बात है। अक्सर देखा गया है कि कम उम्र की महिलायें मुंहासे से परेशान रहती है। जो युवक युवतियां समुचित आहार विचार का सेवन करती है, योगासन वं व्यायाम रोजाना करते है तथा कब्ज को पनपने नहीं देते उन्हें मुंहासे नहीं होते है। तेलीय त्वचा वालों को मुंहासे ज्यादा होते है या बालों में रूसी होने से भी यह रोग लग जाता है। अधिक तली भुनी और गरिष्ठ चीजें खाने से भी मुंहासे हो सकते हें मुंहासे के उपचार के लिये सही खान पान होना बहुत जरूरी है। मैदा से बनी चीजें खाने से भी मुंहासे हो सकते है। मुंहासों के उपचार के लिये सही खान पान होना बहुत जरूरी है। मैदा से बनी चीजें भी न खायें तथा अपने चेहरे की सफाई का पूरा पूरा ख्याल रखें ध्यान रहें चेहरे पर पसीना कम से कम आये। बिना मिर्च मसाले उबली सब्जी सलाद फल तथा चोकर सहित आटे की रोटी का उपयोग करें। गरिष्ठ तली भुनी चीजें मांस मछली आदि का सेवन न करें। मुंहासों का फोडना नोचना नहीं होना चाहिये। इससे और ज्यादा फैलते है। रात को सोने से पहले अच्छी तरह चेहरा साफ कर लें फिर ग्लिसरीन गुलाब जल व नींबू रस मिलाकर रख ले हल्के हाथों से हल्के हल्के चेहरे की मालिश करें। इससे चेहरा मुलायम तथा सुन्दर दिखेगा। पेट का साफ न होना भी यानि कब्ज रहना भी मुंहासों का कारण बन जाता है। इसके लिये हरड बहेडा व आँवला समान मात्रा में मिलाकर मिट्टी के कुल्हड में भिगो दें सुबह उसका पानी छानकर पीने से कब्ज नहीं रहेगा तो यह रोग भी नहीं पनपने पायेगा। चाहें तो जायफल को कच्चे दूध में घिसकर रात को सोते समय लेप करें और प्रातः धो डालें ऐसा रोंजाना करने से करने से कील मुंहासे मिट जाने की सम्भावना रहती है। यह तो रही मुंहासों से बचने का उपाय में मुंहासे से बचने के लिए कुछ टिप्स भी दे रही हूं करके देखे हो सकता हैं आपकी चेहरे की सुन्दरता में सहायक हों। चेहरा सुन्दर हो तो सबको अच्छा लगता है।

मुंहासों के लिये कुछ टिप्स

- चेहरे पर गीली मुल्तानी मिट्टी का लेप करें एक घंटे बाद धो लें।
- नियमित व्यायाम योगासन व प्रातः भ्रमण करें।
- गरम पानी से फव्वारा त्वचा को ठीक रखने में सहायक सिद्ध होता है।
- जैतून का तेल नियमित रूप से लगाने से मुंहासे नहीं होते है।
- आंवला पाउडर पानी में मिलाकर पेस्ट बनायें चेहरे पर लगायें सुख जाने पर धो डालें।
- प्याज का रस लगाने से भी बहुत फायदा होता है।
- तुलसी पीस कर लगाने से झांइयां मुंहासे दूर हो जाते है।
- बादाम की गिरी गाय के दूध में पीस कर लगाने से फायदा होता है।
- मसूर की दाल को दूध में पीस कर लगाने से मुंहासे ठीक हो जाते हे।
- संतरे के छिलके चने की दाल भिगोकर पीसकर पेस्ट बना ले फायदा होगा।
- नीम की छाल को पानी के साथ घिस लगाने से मुंहासे ठीक हो जाते है।

मृत्यु आने से पहले जरा विचार करें-----------

प्रारम्भ के साथ अंत है, सुख के साथ दुःख है। खुशी के साथ गम है, इसी प्रकार जन्म के साथ मृत्यु भी जुड़ी हुई है। जो जन्मा है निश्चय ही उसे मृत्यु को भी स्वीकार करना होगा क्योंकि जीवन का अंतिम शाश्वत सत्य मृत्यु ही है।

किन्तु फिर भी हम मृत्यु रूपी सत्य को भूलकर आंखे मूंद कर चलते जा रहे है--चलते जा रहे है --और यही कहते है कि अभी तो हमें बहुत जीना है, बहुत काम बाकी है -- मौत आयेगी तो उसे भी वापस लौटा देंगे। और कह देंगे अभी हमें मरने की फुर्सत नहीं है। परन्तु मेरा मत यह है कि----

''न गाती है न गुनगुनाती है
न हंसती है न चिल्लाती है
मौत जब आती है
चुपचाप लेकर चली जाती है।

अर्थात समझदार व्यक्ति वही है जो मृत्यु रूपी सत्य को ध्यान में रखकर अपना जीवन यापन करता हूं और मृत्यु के डर से पाप कर्मों से दूर रहकर धर्म साधना में जुटा रहता है।

जिस तहर से बाढ आने से पहिले हम पाल बांधते है बुरे वक्त से अपनी सुरक्षा के लिए पूंजी संपत्ति बचाकर रखते है ठीक उसी प्रकार हमारी मृत्यु के पश्चात भी हमारा जीवन जन जन के लिये आदर्श रहे, हम इस जीवन को जिंदादिली से जीये व सभी के लिए प्रेरणा-आदर्श का केन्द्र बने इस हेतु हमारी कोशिश और प्रयास होना चाहिये। इसका सीधा और सरल भावार्थ यह है कि

''जिन्दगी ऐसी बना, जिन्दा रहे दिलशाज तू,
तू न हो दुनियां में तो याद आये दुनियां को तू।

हम अपने जीवन, व्यवहार में धर्म नैतिकता सदाचार और सद्कर्मो को अपनाये तो वास्तव में हम मृत्यु को महोत्सव बना सकते है। अंत में चार लाईन

''किसी की चार दिन की
जिंदगी सौ काम करती है
किसी की सौ वर्ष की
जिंदगी नाकाम रहती है।

रामपाल खंडेलवाल,
सदर बाजार गुलाबपुरा

बस एक ध्वनि....खंडेलवाल। जय जय समाज, जग जग छाये

उत्तर दक्षिण पूरब पश्चिम।
सब जाग उठ आगे आयें।
सब हरिद्वार में गले मिलें।
मन से मन सब घुल मिल जायें।
गंगा से मिले जाति गंगा।
पावन यह संगम बन जाये।
उदघोष नया से नई दिशा,
ऊपर उठने का मन्त्र.जंगे।
सब बढ़ें एक जुट हो आगे
हाथों में हाथ जुड़ें सबके।
बस एक ध्वनि, खंडेलवाल

जय जय समाज, जग जग छाये।
हर युवक बढे आगे आवे
हाथों में उन्नति की मशाल।
ऊँची से ऊँची शिक्षा हो
व्यापार करे बढकर विशाल।
हर क्षेत्र भरे उसके ख से
हर ओर पताका लहराये।
हर युवती हो महिला मण्डित
विदुषी हो सहपथगामिनी हो
आदर्श को वह माँ-पत्नी।
आदर्श ज्ञान की दायिनी हो।

संस्कार भरे सन्तानों में
सत्पथ पर चलना सिखलाये।
उन्नत होवे सारा समाज
कोई भी पिछड़ा नहीं रहे।
हर चेहरे पर हो खुशियाली
कोई अभाव कैसा न रहे।
मुख सबका गौरव तेज भरा
ऊँचा समाज आसन पाये।

गोविन्द शरण रावत
कलकत्ता

अ.भा. खण्डेलवाल वैश्य महासभा

गंगा मन्दिर, स्टेशन रोड, जयपुर

आवश्यक सूचना

छात्रवृत्ति–महिला व जन कल्याण के आवेदन पत्र वर्ष 2005–06 के लिये आमंत्रित

महासभा की शिक्षा तथा सहायता का वर्ष 2005-06 जुलाई, 2005 से प्रारंभ हो रहा है। छात्रवृत्ति व सहायतायें प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों, विधवा बहिनों व अशक्य भाई बहिनों को संस्था का निर्धारित आवेदन पत्र प्रति वर्ष आवश्यक रूप से भरना पड़ता है। छात्र व विधवायें व अशक्य भाई बहिन जो सहायता प्राप्त कर रहे है उन्हें भी पुनः फार्म भरना आवश्यक है। पुराने सभी सहायता प्राप्त करने वालों व छात्रवृत्ति व सहायतायें प्राप्त करने के इच्छुक कार्यालय से दिनांक 30 जून तक भेज दिये जाते है। छात्रवृत्तियां व सहायतायें प्राप्त करने के इच्छुक कार्यालय से आवेदन पत्र निर्धारित तिथि तक मंगा ले। इसके लिये 9 x 4 का लिफाफा जिस पर अपना डाक पता लिखकर 5 रूपये का डाक टिकिट लगाकर कार्यालय को भिजवाये। आपका लिफाफा प्राप्त होते ही आवेदन पत्र आपको भिजवा दिया जायेगा। आवेदन पत्र कार्यालय में पूरी तरह भरकर भिजवाने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2005 है निर्धारित तिथि तक आवेदन प्राप्त होना आवश्यक है। प्रवेश व परीक्षा फल की सूचना बाद में भी भेजी जा सकती है। किन्तु अधिक विलम्ब नहीं। इसके इंतजार में फार्म भिजवाने में विलम्ब न करें। जिन पुराने छात्रवृत्ति व सहायता प्राप्त करने वालों को दिनांक 30 जून तक आवेदन पत्र नहीं मिले तो वे इसके बाद तुरन्त कार्यालय से सम्पर्क कर आवेदन पत्र प्राप्त कर लेवें। छात्रवृत्तियाँ प्रवेश की सूचना व गत परीक्षा फल प्राप्त होने के बाद ही भेजी जाती है। बहुत से छात्र ये सूचनायें नहीं भिजवाते है अतः वे सूचनायें आवश्यक रूप से भिजवायें ताकि उन्हें छात्रवृत्ति प्राप्त करने में विलम्ब न हो। प्रायः छात्र व सहायता पाने वाले लिफाफे पर सही टिकिट नही लगाते कार्यालय को उन पत्रों पर दुगुना डाक व्यय देना पडता है। अतः फार्म भिजवाते समय डाक टिकिट सही लगावें।

पृष्ठ 4 का शेष –

स्वागताध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता ने बताया कि अधिवेशन की सफलता के लिए विभिन्न समितियों के गठन के किये जाने का निर्णय किया गया। इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका का सम्पादक विनय कट्टा, सहसम्पादक सुभाष झालाणी , सुनील खंडेलवाल, प्रफुल्ल रावत तथा राजेश खंडेलवाल को बनाया गया है।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता संयुक्त आयकर आयुक्त डी.पी. गुप्ता ने कहा कि अधिवेशन में आने वाले प्रतिनिधियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो तथा वे उदयुपर से एक अच्छा संदेश लेकर जावें। उन्होंने कहा कि मेवाड़ क्षेत्र में पहला राष्ट्रीय अधिवेशन हम सभी के लिये गौरव की बात है तथा इसकी सफलता हम सब की प्रतिष्ठा के साथ जुड़ी है। उन्होंने युवाओं तथा महिलाओं सभी से जी जान से जुटने का आव्हान किया।

समाज के संरक्षक आर.के रावत श्याम ने कहा कि अधिवेशन की सफलता के लिये सभी समाज बंधु कटिबद्ध है तथा सभी ने आगे आकर तन, मन व धन से सहयोग देने का विश्वास दिलाया है। बैठक में समाज के शंकर दुसाद कोषाध्यक्ष, ओमप्रकाश झालाणी, उमेश गुप्ता, ग्यारसी लाल पाटोदिया ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन महासचिव विजय खंडेलवाल ने किया जबकि धन्यवाद की रस्म उपाध्यक्ष उमेश गुप्ता ने अदा की।

अप्रासंगिक होते सामुहिक विवाह

गोपाल अनुज, विवेकानन्द कॉलोनी, दौसा

सामुहिक विवाह की संरचना के सोच के पीछे, एक प्रकार से राहत दिलवाने वाली बात थी- उन परिवारों के लिए जो वांछित दहेज देने की स्थिति में नहीं थे। क्योंकि उस समय के हालात आज से एकदम विपरीत थे। लडके वालों के दिमाग सातवें आसमान पर रहते थे। एक तरह से लड़के की बोली लगने जैसी स्थिति थी। जो बढे वही पावे तथा घर में कन्या का जन्म एक अभिशाप समझा जाता था। दहेज की ज्वाला से परिवार धधक रहे थे। बिना दहेज अच्छे लडकों का मिलना दिवा स्वप्न हो गया था।

फिर आधुनिक शिक्षा के प्रभाव से हर परिवार अपने भौतिक सुखों के साधन जुटाने में इस कदर अर्थ कमाने की अंधी दौड़ में सम्मिलित हो गया कि वह सब कुछ भुला बैठा। संयुक्त परिवारों का तेजी से विघटन होने लगा तथा व्यक्ति केवल अपने में ही सिमट कर रह गया। मैं और मेरी बीबी तथा बच्चे। बाकी से कोई नाता रिश्ता नहीं।

भौतिक साधन जुटाने में भी आपसी प्रतिस्पर्धा ने हमें गर्त में ही धकेला, फला घर में रंगीन टी.वी., वी.सी.आर. फ्रीज, ए.सी. है तो मेरे घर में भी होने चाहिए। लोगों में एक भावना घर कर गई कि हमें एक कार खरीदनी है या लडकी पैदा करनी है हमने कार लेना स्वीकारा।

गर्भ में ही भ्रूण परीक्षण ने हमें इस और तेजी से प्रेरित किया तथा जहां हमें ज्ञान हुआ कि गर्भ में कन्या भ्रूण है तो हमने उसे वहीं समाप्त करवा दिया। अपने भौतिक सुखों की प्राप्ति ने हमें इस कदर अंधा बना दिया कि हमने प्रकृति के नियमों को ही बदलने की कुचेष्ठा की और हमने समाज में एक ऐसा असंतुलन पैदा कर दिया जिसका खामियाजा हमें न जाने कब तक भुगतना पडेगा।

आज अच्छे-अच्छे घरों के लडके तीस की उम्र पार कर रहे है। उनके उपर प्रौढता का तेजी से असर हो रहा है पर कुंआरे बैठे है अभी तक। एक अदद लडकी के लिए वे मिन्नते कर रहे हे। कभी सीधे मुंह बात नहीं करने वाले लडकों के बापों की जुबानों में आज कल मिश्री घुल गई है। आज वे कहते है ''भाई साहब कोई अच्छी सी लडकी बताओ, हमें तो बस लडकी चाहिए और कुछ नहीं। पैसा तो हमको ही भगवान ने खूब दे रखा है।''

हमारे स्वभाव में यह बदलाव आखिर क्यों आया? लडके-लडकियों की संख्या में असमानता के कारण। टॉप स्कोलर्स जिनकी संख्या नगण्य सी है, उनको छोड़कर सरकारी नौकरी के लिए हमारे लड़कों के द्वार बंद हो गये है। माता-पिता के मन में यह भाव समा गया है कि लडके को नौकरी तो मिलनी नहीं। क्यों समय और पैसा व्यर्थ किया जावे। उसको किसी धंधे में मैट्रिक पास करते ही लगाने की सोच लेते है। बढ़ती जनसंख्या एवं बेरोजगारी के कारण नित उठ सैंकडों दुकाने खुल रही है। घर की सिढढी उतरते ही सारी दुकाने मिल जावेगी। प्रतिस्पर्धा गला कांट की तरह बढ़ रही है। धंधे सिकुड़ते जा रहे है। हमारे धंधे को हर जाति के लोग करने लग गये है।

हमने एक तरीका भी ढूंढ लिया। सब लड़की वाले चाहते है लड़का काम धंधे पर होना चाहिये। लोन लेकर फर्नीचर डलवाकर कोई सी भी दुकान खुलवा दी। लड़का धंधेसर दिखने लग गया। पर वह कमा क्या रहा है? यह तो वह एवं उसके घर वाले ही जानते है। मन ही मन सीजते है।

दूसरी तरफ लडकियां वैसे ही पढने में तेज होती है। उन्हें और कोई काम भी नहीं होता है और घर पर बैठे बैठे आराम से एम.ए. कर लेती है। लड़के रह गये मैट्रिक, बी.ए.। शादी विवाहों में शिक्षा भी आड़े आने लग गई।

ऐसी स्थितियों में सामुहिक विवाह आयोजन करने वाली संस्थाओं ने अलग-अलग अपनी संस्थाओं के बैनर के नीचे एक जैसी तिथियों में सामुहिक विवाह के आयोजन करने चाहिये या नहीं।

हमने परिचय सम्मेलनों की धमा-चौकड़ी भी देखी

है। विवाह की चाहत में घूमते लडकों के झूंड के झूंड भी देखे है। 300 लड़के और 30 लड़कियां भी नहीं। लड़की वाले आखिर तक अपने पत्ते नहीं खोलते है। पहिले आटा-साटा की बात तय करते हैं अपनी शर्ते मनवाने पर जोर देते है। फिर एक दो-दो दिन के परिचय सम्मेलनों में दोनों पक्षों के घर-परिवार का कुछ पता नहीं चलता है और थोड़े समय बाद ही वे फिर जुदा-जुदा हो जाते है। पागल लड़के-लड़कियां तक ब्याह दिये जाते है और संस्थायें प्रचार-प्रसार में, व्यवस्थाओं में, भोजन-उपहारों में इतना व्यय कर देती है कि इतनी राशि से तो घर पर अच्छा वर-वधु देखकर शादी की जा सकती है।

अभी हाल के ही आंकड़े उठा के देखलें। अखिल भारतीय सामुहिक विवाह आयोजन हरिद्वार में 3-4 जोड़े, जयपुर में एक संस्था द्वारा लाखों रूपया खर्च करके 17 जोड़े एवं जयपुर के एक अन्य कार्यक्रम में 4 जोड़ों का विवाह हुआ बताया।

इन सबसे बचने के लिए दौसा में शायद समाज में पहली बार दौसा जिला खंडेलवाल वैश्य समाज सेवा समिति ने बिना किसी परिचय सम्मेलन के समाज के तय शुदा जोड़ों का एक दिवसीय सामुहिक विवाह का आयोजन प्रथम बार 24 नवम्बर, 2001 को किया। इसमें 5 जोड़ों का विवाह हुआ तथा इसमें 49887 रू. व्यय किये गये दूसरी बार 17 नवम्बर, 2002 को 13 जोड़ों के सामूहिक विवाह में 1,32,455 रू. एवं तीसरी बार 22 फरवरी, 2004 को 10 जोड़ों के सामुहिक विवाह में 1,11,034 रू. व्यय हुये। इस प्रकार प्रति जोड़ों पर दस हजार के लगभग व्यय किये गये। तय शुदा जोड़े होने के कारण आज सभी जोड़े सुख पूर्वक गृहस्थ जीवन की गाड़ी को आनन्द से खींच रहे है। आज भी वे रिश्ते अटूट है।

मैंने उपरोक्त आंकड़े देकर दौसा संस्था की कोई प्रशंसा नहीं की है। परन्तु हम चाहे तो कम खर्च में व्यवस्थित शादियां कर सकते है। परन्तु यदि हम होड़ करेंगे तो लोगों के मानस के अनुसार उसको जहां ज्यादा माल मिलेंगे वह वहीं खिंचा चला आवेगा।

इस बार दौसा ने सब संस्थाओं की तिथियां टालते हुऐ 13 फरवरी का सामुहिक विवाह रखा- तयशुदा जोड़ों का 31 जनवरी, 05 तक पंजीयन कराने की अन्तिम तिथि रखी गयी थी। पंजीयन तिथि तक कोई भी जोड़ों के पंजीकरण नहीं होने के कारण विवाह स्थगित कर दिया गया। समाज के पैसे बर्बाद करने से क्या मतलब। और ऐसा ही होना भी चाहिए था। संस्था ने समाज के फिजूल खर्ची रोकने के लिए तत्काल सामूहिक विवाह स्थगित कर दिया।

परन्तु अब समाज की उन सभी संस्थाओं को जो सामूहिक विवाह का आयोजन करती है उन्हें इनके आयोजन के बारे में पुर्नविचार करना होगा। हमें सोचना होगा कि क्या इस बदले परिवेश में ये सामुहिक विवाह अप्रासंगिक तो नहीं हो गये। क्योंकि जैसी मनोदशा अब लड़की वालों की हो गई है, उसके हिसाब से अब उनके लिए सामूहिक विवाहों के आयोजन की कोई आवश्यकता नहीं रह गई है वे अब सामूहिक विवाह में शादी करना हैय की बात समझने लगे है।

दूसरी बात सामाजिक संस्थाओं को आस-पास की संस्थाऐं से मिलकर एक जुट होकर यदि आयोजन करने ही है तो करने चाहिये। तिथियों का घालमेल भी एक न होकर अलग-अलग हो तथा हरिद्वार की तर्ज पर सभी समाज के लोगों को तय करके एक जगह ही आयोजन करने चाहिये।

यद्यपि आज सभी सामाजिक बंधन टूट से गये हैं। फिर भी यदि महासभा कर सके तो उसी के दिशा निर्देश में कुछेक चुने हुये स्थानों पर संस्थाओं की सहमति से तयशुदा जोड़ों के सामुहिक विवाहों का ही आयोजन होना चाहिये।

इससे न तो परिचय सम्मेलनों की पीड़ा हमें झेलनी पडेगी न ही समाज के पैसों की बेवजह बर्बादी होगी तथा तयशुदा जोड़ों के अटूट रिश्तों से जो सुख एवं प्रसन्नता प्राप्त होगी उससे समाज का नाम भी रोशन होगा तथा उसका वैभव भी बढ़ेगा।

संस्थाओं के समाचार

खंडेलवाल वैश्य समाज पूर्वी दिल्ली

संस्था का होल मिलन समारोह शनिवार दिनांक 26-3-05 को अत्यन्त हर्ष धूमधाम से मनायागया।

आने वाले सभी स्वजातीय बन्धुओं को शीतल चन्दन लगाकर एवं ठण्डाई पिलाकर हार्दिक अभिनन्दन किया गया।

होली मिलन समारोह की शुरूआत संस्था के अध्यक्ष डॉ. रामजीलाल सौंखिया एवं उपस्थित सभी पदाधिकारियों, सलाहकार समिति के सदस्यों एवं कार्यकारिणी समिति के सदस्यों ने गणेश जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित करके की।

अतिथि गणों में श्री सुरेश मेठी, श्री नवल किशोर झालानी, श्रीमती सावित्री देवी, ख्याला पश्चिमी दिल्ली से आये गणमान्य बन्धु एवं श्री मूलचन्द गुप्ता, अध्यक्ष अखिल-भारतीय वैश्य महासम्मेलन पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र एवं उनके साथी प्रमुख थे।

खंडेलवाल वैश्य समाज उत्तरी दिल्ली

26 मार्च, 2005 को सायं काल 5.00 बजे वार्षिक समारोह धूमधाम से मनाया गया। पधारने वाले समाज के बंधुओं का पंडाल के मुख्य द्वार पर चन्दन लगाकर व होली की टोपी पहनाकर तथा अन्दर स्वादिष्ट ठंडाई द्वारा स्वागत किया गया। समारोह का शुभारम्भ संत श्री सुन्दरदास जी के चित्र पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। तत्पश्चात समाज की महिला मण्डल द्वारा श्री गणेश वन्दना प्रस्तुत की गई। श्री गणेश वन्दना के बाद संस्था के महामंत्री श्री गौरी शंकर जी खंडेलवाल द्वारा वार्षिक विवरण प्रस्तुत किया गया। जिसे उपस्थित समाज के बंधुओं ने ध्यान से सुना। तत्पश्चात संस्था के कोषाध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद जी खंडेलवाल ने वर्ष 2003-04 का आय-व्यय का ब्यौरा उपस्थित बंधुओं को पढकर सुनाया। इस ब्यौरे पर कोई आपति न आने की स्थिति में सर्वसम्मति से इस विवरण को पास किया गया।

आज के समारोह में मुख्य अतिथि श्री आर.पी. गुप्ता जी सलाहकार रेलवे बोर्ड, श्री योगेश कुमार जी लोहिया-जनरल मैनेजर-दि ऑरियण्टल इश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड व श्री जानकी वल्लभ जी विशिष्ट अतिथि के रूप में समाज के अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ उपस्थित हुए। सभी अतिथियों का स्वागत संस्था ने माल्यार्पण द्वारा किया। इस समारोह में श्री राधेश्याम जी कूलवाल मुम्बई वयोवृद्ध समाज सेवी श्री सीताराम जी चौधरी, श्री रघुनाथ प्रसाद जी बडवाडा श्री ओ.पी. रावत श्री सुरेश मेठी, श्री किशन लाल जी दुसाद, श्री अशोक बटवाडा, श्री श्याम किशोर जी कूलवाल, श्री राधेश्याम रामस्वरूप जी खंडेलवाल, श्री कमलेश जी गुप्ता, श्री फतेह चन्द जी, श्री उमेश चन्द जी खंडेलवाल गुडगांव श्री लक्ष्मी नारायण जी भुखमारिया व श्री प्रकाश जी खंडेलवाल कार्यकारी अध्यक्ष दिल्ली समाज तथा विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने पधार कर इस समारोह की गरिमा बढाई।

समाज के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम मंच पर प्रस्तुत किया गया। समाज की महिलाओं द्वारा प्रस्तुत डांडिया डांस इस समारोह का मुख्य आकर्षण था। संस्था के वरिष्ठ सदस्य श्री बसंती लाल जी माणिक द्वारा होली गान प्रस्तुत किया गया तथा समाज के गणमान्य बंधुओं को होली की उपाधि से विभूषित किया गया।

खंडेलवाल युवक संघ मुम्बई

कार्यालय में बडे हर्ष उल्लास के साथ बसंत पंचमी एवम् खंडेलवाल दिवस मनाया गया। संघ के अध्यक्ष श्री श्यामतांबी प्रधानमंत्री रमेश बढाया ने इस पावन अवसर पर सभी का स्वागत किया। माँ सरस्वती की वंदना कर उनकी प्रतिमा एवम् संत सुदरदास जी के चित्र पर

पुष्पमाला अर्पण की। श्री राधेश्याम जी खूंटेटा, श्री गौरीशंकर जी राजोरिया, श्री एस.के. गुप्ता, श्री आनंद गुप्ता एवम् महिला सदस्य श्रीमती ममता खण्डेलवाल, स्वेता खूंटेटा अनु गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर समारोह में खण्डेलवाल दिवस एवम् बसंत पंचमी का अनूठा संबंध अपने भाषण में स्पष्ट किया। अगले वर्ष खण्डेलवाल दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य शोभा यात्रा का आयोजन करने का संकल्प अध्यक्ष श्री श्याम तांबी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर शहर के सभी समाज बंधुओं का अभिनंदन कर, प्रशिक्षणार्थी छात्र छात्राओं को उनकी सफलता के लिंए शुभकामना प्रदान कर प्रधानमंत्री श्री रमेश बढाया ने आभार व्यक्त किया। सहसचिव श्री आनंद जी गुप्ता नें सभी के हित के लिए पितवर्ण का स्वादिष्ट भोजन आयोजित कर सभी को चौंका दिया। इस अवसर पर श्री राधेश्याम जी खूंटेटा, श्रीगौरीशंकर जी, श्री एस.के. गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त किए।

होली मिलन समारोह

दि. 26 मार्च को युवक संघ के सदस्य सरंक्षक सदस्य एवम् समाज के विशेष निमंत्रितो का एक अनूठा रंगारंग होली मिलन समारोह समाज के प्रतिष्ठित इलेक्ट्रालिक उद्योग की जानी मानी हस्ती श्री ओमप्रकाश जी गुप्ता मलाडवाले द्वारा आयोजित किया गया।

मेडिकल चेकअप् कैम्प

मुंबई शहर में सात सौ से अधिक खंडेलवाल परिवार है। समाज के हर कार्य में उनकी उपस्थिति स्नेह मिलन, सहयोग युवक संघ के इतिहास में मिसाल बन गई है। शहर में समाज के डॉक्टरों की सेवा एक गौरवपूर्ण है। इस वर्ष दुर्गादेवी सर्राफा भवन सुदंर नगर मलाड में समाज के लिए मेडीकल चेकअप कैम्प का आयोजन किया गया है। इस मेडीकल कैम्प में विविध रोगों की जांच विशेषत डॉक्टरों द्वारा की जायेगी। आरोग्य समिति के श्रीसत्येन्दु खंडेलवाल, डॉ. बृजमोहन खंडेलवाल, डॉ. दीपक वैद्य, डॉ. कमलेश के मार्गदर्शन में शिबिर की कार्यवाही होगी।

विराट हास्य कवि सम्मेलन

युवक संघ ने कुछ सामाजिक कार्य को सफल बनाने का संकल्प लियाहैं कार्यपूर्ति के लिए धनसंचय की आवश्यकता महत्वपूर्ण होती है। शिक्षा,आरोग्य, सांस्कृतिक कार्य, समाज का गुणगौरव के लिए धन संग्रहित करने के लिए इस समिति के उत्साही अध्यक्ष श्री महेश जी ठाकुरिया साईनाथ वुड वाले ने 5 जून को बिर्लामातोश्री सभागृह मरीन लाइन्स में तक विराट हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन निर्धारित किया है। समिति के सदस्य प्रधानमंत्री, अध्यक्ष एवम् विशेष निमंत्रित ने चर्चा कर निर्णय लिया है। इसमें देश के जाने माने कवियों की उपस्थिति होंगी।

कल्याण में रंगीला बसंतोत्सव

खंडेलवाल सेवा समिति एवम् महिला मंडल कल्याण ने बसंत पंचमी एवम् खंडेलवाल दिवस समारोह जोश और उत्साह के साथ मनाया। कल्याण, डॉबिवली, उल्हासनगर,अंबरनाथ के 450 समाज परिवार का यह समारोह अनुठा रहा। महिलाओं का उत्साह प्रभावी रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रम, साडी पैंकिंग सलाद की सजावट ने समारोह का आकर्षण बढ़ाया। सेवा समिति ने 20 से अधिक 65 वर्षीय स्त्री पुरूषों का शाल, पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। वरिष्ठों के सम्मान में श्री एवमश्रीमती हजारी लाल जी खंडेलवाल, वयोवृद्ध श्री बाबू लाल जी तमोलिया विशेष रूप से उपस्थित थे। महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती मनीषा एवम् कु. रश्मी सुनिल रावत ने खिचडी टी.वी सिरियल की नकल बडे सफाई से प्रस्तुत कर अपनी जीवन की कहानी अपने जुबानी बताने को श्री सूरजभान जी तांबी, श्रीमती मुन्नीदेवी झालानी, श्रीमती मनोरमा नारायणवाल को उत्साहित किया। महिला मंडल की अध्यक्ष उपाध्यक्ष एवं पदाधिकारियों का ओर सेवा समिति के पदाधिकारियों का समारोह में सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में स्पर्धकों को पुरस्कार प्रदान किये गये।

सेवा समिति के अध्यक्ष श्री रमेश तमोलिया, सचिव श्री किर्ती गुप्ता, महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती मनीषा, सचिव श्रीमती विमल ओमप्रकाश और दोनों संघटनों केपदाधिकारियों ने कार्यक्रम सफल बनाने में प्रयास किये। कार्यक्रम का सूत्र चालन श्री प्रकाश चंद्र ठाकुरिया उपाध्यक्ष ने किया।

स्वरुचिभोज के बाद कार्यक्रम समाप्त हुआ। इस कार्यक्रम में मुंबई के श्री देवीदत्त शाह, श्री महेश जी भुखमारिया, श्री रामगोपाल जी तोडवाल उपस्थित थे।

गुरुपादुका का पूजन समाज का मिलन समारोह

अजन्ता जि. औरंगाबाद के निवासी 80 वर्षीय श्री रामगोपाल जी माली ने अडत खेडा जाफराबाद में गुरुपादुका एवम महाप्रसाद का आयोजन दि. 23 फरवरी को सम्पन्न किया। इस विभाग में धर्मराज महाराज एक साक्षात्कारी संत हुए थे। प्रतिवर्ष गुरुपूर्णिमा के अवसर पर बडा उत्सव मनाया जाता है। श्री रामगोपाल जी माली ने समाधी स्थल पर भव्य मंदिर का निर्माण किया है। इस कार्यक्रम हेतु मराठवाडा, जलगांव अकोल, मुंबई से समाज का यह मिलन समारोह आनंदोत्सव बन गया। साथ ही दो हजार ग्राम वासियों को प्रसाद का आयोजन किया गया। श्री रमेश माली, अनिल माली, संजय माली, नरेंद्र माली, बनवारी लाल माली ने समाज के सभी बंधुओं का स्वागत किया।

खंडेलवाल वैश्य समाज मथुरा

अखिल भारतीय वैश्य समाज के उपाध्यक्ष समाजसेवी श्रीआर.सी. गुप्ता राधे राधे ने खंडेलवाल समाज के लोगों से कहा कि कोई भी समाज एवं संस्था आपसी सौहार्द एवम प्रेम बनाकर सभी को साथ लेकर अगर समर्पित भाव से समाज की सेवा करती है तो वह दिन प्रतिदिन प्रगति की ओर अग्रसर होती है। मथुरा में खंडेलवाल सेवा सदन ट्रस्ट द्वारा ली गई जमीन की प्रगति के बारे में उन्होंने सेवा सदन ट्रस्ट के सदस्यों

को बधाई देते हुए कहा कि समाज को एक ऐसा भवन एक साल के अन्दर तैयार मिलेगा। जिसमें समाज के बन्धुओं को शादी विवाह एवम अन्य कार्यक्रमों के लिये कहीं भी अन्य जगह तलाशनी नहीं पडेगी। आपने बताया कि मुझे मथुरा से विशेष लगाव है तथा बिहारी जी महाराज का पूर्ण आर्शीर्वाद प्राप्त हे। मथुरा समाज के लिये मैं तन-मन-धन से हमेशा समर्पित हूं। खंडेलवाल वैश्य सभा द्वारा प्रतिवर्ष होली मिलन का इतना भव्य आयोजन किया जाता है उसके लिये मैं आयोजकों को धन्यवाद देता हूं।

सर्वप्रथम सन्त सुन्दरदास जी के छवि चित्र पर मुख्य अतिथि शिवचरन लाल गुप्ता, महेश झालानी एवम् संस्था अध्यक्ष चन्द्रभान खंडेलवालं तथा प्रधानमंत्री अनिल कुमार खंडेलवाल द्वारा माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित संयुक्त रूप से किया गया। मुख्य अतिथि का जीवन परिचय एवम् स्वागत मुकेश खंडेलवाल एडवोकेट द्वारा किया गया।

खंडेलवाल वैश्य सभा के प्रधानमंत्री अनिल कुमार खंडेलवाल द्वारा संस्था की प्रगति एवं वर्षभर के कार्यक्रमों की जानकारी के साथ बताया गया कि वैश्य सभा द्वारा सेवा सदन ट्रस्ट को एक कमरे के निमाण की अनुदान राशि घोषित कर दी गई है तथा सभी के लिए आभार व्यक्त किया।

मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति वृन्दावन की बृज लोक संगीत नृत्य एवं नाट्य संस्थान ''बाँसुरी'' के संयोजक विनय गोस्वामी के नेतृत्व में की गई। आपके कलाकारों द्वारा दी गई प्रस्तुति ने सभी का मन मोह

लिया। सेवा सदन ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद खंडेलवाल द्वारा ट्रस्ट की अब तक की उपलब्धियों की मीटिंग कराने एवम मंच से हुई अनेक घोषणाओं के लिये हृदय से आभार व्यक्त किया गया तथा इस कार्यक्रम में हुई उपलब्धि को अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया।

जयपुर जिलावैश्य महासम्मेलन, जयपुर

राजस्थान प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के अध्यक्ष श्री मोहनदास जी अग्रवाल ने नये सत्र हेतु जयपुर जिला वैश्य महासम्मेलन की कार्यकारिणी की जिसमें निम्नलिखित स्वजातीय बन्धुओं को मनोनीत किया हैः-

अध्यक्ष श्री आनन्द महरवाल, कोषाध्यक्ष श्री कमलेश खंडेलवाल, अतिरिक्त महामंत्री- 1. सत्यनारायण बाजरगान 2. आर.एन. खंडेलवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष- श्रीरामानन्द खंडेलवाल, श्री शम्भूदयाल गुप्ता, श्री राधेश्याम महरवाल, उपाध्यक्ष- श्री हेमराज कासलीवाल, श्री सूरजमल रावत, श्री सोहन लाल खंडेलवाल, श्री आर.एस. गुप्ता, श्री गिर्राज खंडेलवाल पार्षद। मंत्री- श्री रामस्वरूप तांबी, श्री धर्मेन्द्र खंडेलवाल, श्रीसीताराम काठ। संगठन मंत्री- श्री श्रीराम खंडेलवाल डंगायच, श्रीमती ज्योति खंडेलवाल पार्षद, श्री राकेश खंडेलवाल।

श्री आमणमाता सेवा समिति, जयपुर

संस्था की आम सभा दिनांक 10-4-2005 को दूधी आमलोदा स्थित माताजी के धाम पर श्री रामेश्वरप्रसाद आमेरिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर अ.भा. खंडेलवाल वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कालीचरणदास जी कोडिया अजमेर के कर कमलों द्वारा माताजी के धाम पर नवनिर्मित धर्मशाला का उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर संस्था के आगामी चुनाव श्री खंडेलवाल वैश्य महासभा के चुनाव संयोजक श्री रामस्स्वरूप जी ताम्बी द्वारा सम्पन्न कराये गये। चुनावों में श्रीरामेश्वर प्रसाद आमेरिया को पुनः अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया। इस कार्यक्रम में जयपुर जिला वैश्य महासम्मेलन के अतिरिक्त महामंत्री एवं कोलाईन माता सेवा समिति के मंत्री श्री सत्यनारायण बाजरगान भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में भुखमारिया आमेरिया एवं माणकबोहरा गोत्र के लगभग 300 बन्धुओं ने भाग लिया। धर्मशाला नवनिर्मित एक कमरे के लिये श्री रामबाबू भुखमारिया द्वारा एक कमरे की राशि 101000/- एक लाख एक हजार रूपया प्रदान की। कार्यक्रम के पश्चात् सह भोजन का आयोजन सम्पन्न हुआ।

खंडेलवाल ग्रुप मथुरा

खंडेलवाल ग्रुप द्वारा होली मिलन समारोह मनायागया जिसमें मुख्य अतिथि श्री विनोद कुमार रंगवाले थे होली मिलन समारोह का मुख्य आकर्षण आशीष चतुर्वेदी एंड पार्टी थी जिसमें बडे ही आकर्षण रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि का स्वागत खंडेलवाल ग्रुप के अध्यक्ष श्री मुकेश कुमार एडवोकेट द्वारा दुपटा पहनकर किया इसी श्रृंखला में उपस्थित गणमान्य लोगों का स्वागत ग्रुप के सदस्यों द्वारा दुपटा पहनकर कर किया गया।

खंडेलवाल वैश्य समाज जीवागंज, मंदसौर

खंडेलवाल समाज मंदसौर का गठन गुना के श्री रमाकान्त कायथवाल की विशेष उपस्थिति में हुआ जिसमें प्रोफेसर डॉ. विनोद गुप्ता अध्यक्ष, श्री के.एन. ताम्बी उपाध्यक्ष श्री नरेन्द्र कुमार खंडेलवाल सचिव, श्रीराजेन्द्र कुमार दुसाद सहसचिव, श्री शांतिलाल माली कोषाध्यक्ष श्री संतोष खंडेलवाल संगठन मंत्री तथा श्री कैलाश खंडेलवाल प्रचार प्रसार मंत्री चुने गये। इसके अलावा पुरूष कार्यकारिणी में श्री एल.पी. कानूनगो, श्री रमेश खंडेलवाल एवं श्री हरीश खंडेलवाल को शामिल किया गया है। महिला वर्ग की कार्यकारिणी में श्रीमती किरण बाला गुप्ता, श्रीमती डॉ. स्वदेश बाला ताम्बी श्रीमती

अनिता दुसाद एवं श्रीमती सुनिता माली को लिया गया है जबकि युवचा वर्ग की कार्याकरिणी में सर्वश्री सुमित गुप्ता, श्री अमित खंडेलवाल, श्री पुष्पेन्द्र खंडेलवाल, कु. खुशबू माली एवं शिखा खंडेलवाल को रखा गया है।

खंडेलवाल महिला मंडल बिलासपुर

दिनांक 12-11-04 को दीपावली मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री दशरथ लाल की कूंलवाल ने की। मुख्य अतिथि थे श्री घनश्यामदास जी खंडेलवाल। इस अवसर पर सर्वप्रथम लक्ष्मी जी की पूजा अर्चना की गयी। उसके पश्चात पुरूषों के लिये दीप जलाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

श्री मूलचंदजी कूलवाल को उनके जन्म दिन पर शॉल एवम श्रीफल से सम्मान किया गया था। कार्यक्रम में भोजन की व्यवस्था उन्हीं की ओर से थी। श्रीसीताराम जी बडेरा तथा श्री सुधीर माली द्वारा दीपावली की शुभकामनाएं प्रदान की गई। समस्त कार्यक्रम का संचालन सचिव श्रीमती नमिता दुसाद तथा श्रीमती शशि माली द्वारा किया गया। समस्त कार्यक्रम ख.म.मं. की अध्यक्षा श्रीमती देवकी कूलवाल के कुशल निर्देशन में आयोजित किया गया।

खंडेलवाल महिला मंडल, बिलासपुर

संस्था के सुनामी आपदा पीडितों हेतु ख.म.मं. के सदस्यों से राशि एकत्र कर जिलाधीश श्री विकासशील को रू.. 15000/- का ड्राप्ट प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त सांई दीप वृंदा बिल्डर्स की ओर से श्रीसंजय खंडेलवाल तथा श्री दीपक खंडेलवाल द्वारा भीसुनामी आपना पीडितों हेतु 21,000/- रू. का ड्राप्ट प्रदान किया गया।

वृंदावन गार्डन का उद्घाटन

श्रीमती गुलाब देवी खंडेलवाल ने अपने स्मृति में ख.मं.मं. को एक भूखंड दान किया था जिस म.मं. के
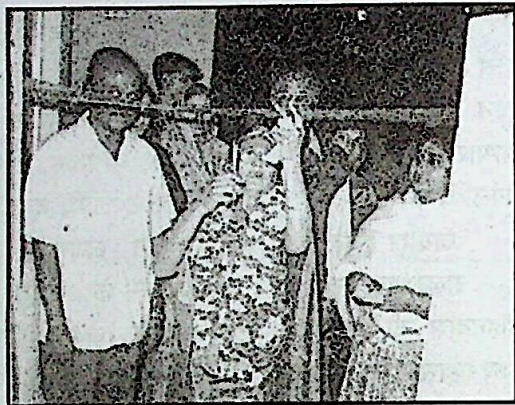
द्वारा गार्डन का निर्माण का उद्घाटन 23-01-05 को श्रीमती गुलाब देवी द्वारा फीता काट कर किया गया। खं. मं. की अध्यक्षा श्रीमती देवकी कूलवाल द्वारा श्रीमती गुलाबदेवी को चांदी की तश्तरी व क्रैची उपहार स्वरूप

प्रदान किये गये। इस अवसर पर श्री सीताराम जी बडेरा द्वारा खं. मं. मं. को 501/- की राशि नकद प्रदान की गई।

खंडेलवाल वैश्य सेवा संघ कानपुर

स्व. श्रीमती मधु खंडेलवाल कूलवाल पत्नी श्री योगेन्द्र खंडेलवाल दिल्ली निवासी की स्मृति में कानपुर में एक निःशुल्क दन्त रोग चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन दिनांक 27 फरवरी, 2005 को भानू स्टील्स मार्केटिंग प्रा. लि. सरोजनी नगर, कानपुर में रामा

डेन्टल एण्ड रिसर्च हास्पिटल, लखनपुर कानपुर की 16 डाक्टरों की टीम द्वारा आयोजन किया गया।

इस निःशुल्क शिविर में दन्त सम्बन्धी समस्त रोग दांत निकालना, दांतों में मसाला भरना एवं बत्तीसी आदि समस्याओं के निराकरण शिविर में 108 रोगियों द्वारा परीक्षण कराया गया तथा 28 रोगियों द्वारा दांतों को उखडवाया 18 पायरिया के रोगियों द्वारा उपचार एवं 9 वृद्ध रोगियों को बत्तीसी इस शिविर के आयोजकों द्वारा निःशुल्क प्रदान की गयी।

इस शिविर में रजिस्टर्ड सभी रोगियों को रामा डेन्टल एण्ड रिसर्च हास्पिटल द्वारा 6 माह तक निःशुल्क सभी रोगों का निदान किया जावेगा।

श्री खंडेलवाल वैश्य समाज, प्रतापगढ़

होली मिलन समारोह आपसी सद्भाव भाईचारे एवं मेलजोल बढाने का एक सशक्त माध्यम है। इससे समाज के बन्धुओं के रिश्तों में आपसी प्रगाढता एवं संवाद कायम होता है। उक्त बातें खंडेलवाल वैश्य होली मिलन समारोह में कही। किशोरी सदन में एकत्रित मारवाडी समाज द्वारा आयोजित मारवाडी होली मिलन समारोह में कही। किशोरी सदन में एकत्रित मारवाडी समाज को सम्बोधित करते हुए चिलबिला के प्रतिष्ठित व्यवसायी श्री किशोर अग्रवाल ने सम्पूर्ण मारवाडी समाज को एक मंच पर एकत्रित कर आयोजन को सफलता पूर्वक कराने की सराहना की एवं आयोजकों को हर प्रकार से सहयोग का आश्वासन दिया। समारोह को सम्बोधित करने वाले अन्य समाज बन्धुओं में श्री एम.सी. अग्रवाल एवं श्री सूरजमल जी खंडेलवाल रहे।

इसके पूर्व कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ पूज्य संत श्री सुन्दरदास की प्रतिमा पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात मारवाडी समाज के वरिष्ठ बन्धुओं सर्वश्री एम.सी. अग्रवाल श्री किशोर अग्रवाल श्याम लाल खंडेलवाल एवं रामकृष्ण शर्मा को मंचासीन कराकर माल्यार्पण कार्यक्रम सम्पन्न करायागया। मारवाडी होली मिलन समारोह का मुख्य आकर्षण रहे महामूर्ख सम्मेलन में श्री श्याम लाल खंडेलवाल एवं श्री कैलाशनाथ खंडेलवाल को सर्वसम्मति से महामूर्खाधिराज घोषित करके श्री शान्ति स्वरूप खंडेलवाल द्वारा आकर्षक मुकुट माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

खंडेलवाल वैश्य समिति मालवीय नगर, जयपुर

समिति द्वारा आयोजित होली स्नेह मिलन समारोह दिनांक 26-3-05 को श्रीराजेन्द्र जी मामोड़िया ने सर्वप्रथम महामूर्खाधिपति शिरोमणि के आसन पर माननीय श्री राधेश्याम जी खारवाल को सुशोभित किया गया। उनके समिति कार्यक्रम की शोभा बढाने की माननीय श्री सत्यनारायण जी खंडेलवाल एवं समिति अध्यक्ष श्री महेन्द्र जी हल्दिया को सुशोभित कर आसन पर बैठाया गया। तत्पश्चात श्री अरविन्द जी के सहयोग से समिति अध्यक्ष श्री हल्दिया ने महामूर्खाधिपति शिरोमणि जी खारवाल साहब एवं श्री खंडेलवाल साहब का विभिन्न मालाओं मुकुट से सम्मान तालियों की आवाज के साथ किया गया। उसके बाद कविताओं, चुटकले, व्यंग्य, हास्य विनोद व भजनों का गायन उपस्थित समाज के बंधुओं द्वारा बारी बारी से किया गया।

वेफर्स के नाश्ते के साथ अंत में ठंडाई का सभी उपस्थित जन समुदाय ने आनन्द प्राप्त किया अंत में समिति के महामंत्री एवं अध्यक्ष श्री हल्दिया ने सभी का आभार प्रकट किया।

खंडेलवाल महिला मण्डल, अलवर

दिनांक 23-3-05 बुधवार को खंडेलवाल धर्मशाला अलवर में वार्षिकोत्सव एवं होली मिलन समारोह काआयोजन स्वतंत्र रूप से होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है यह समारोह अपने आप में अनूठा एवं अभूतपूर्व रहा हैं इस आयोजन की सफलता हेतु आयोजनकर्ताओं ने घर-घर जाकर समाज की महिलाओं

से सम्पर्क कर उन्हें इसमें सम्मिलित होने हेतु प्रेरित किया गया है। समारोह में कार्यक्रम स्थल खचाखच भरा था तथा 500 महिलाओं से अधिक उपस्थित थी। समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती सुनीता खंडेलवाल अध्यक्ष अलवर जिला वैश्य महिला महासंघ और विशिष्ट अतिथि श्रीमती पुष्पा खंडेलवाल नव निर्वाचित पार्षद नगर परिषद अलवर थी।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम संत सुन्दरदास जी महाराज की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ श्रीमती चन्द्रकला खंडेलवाल द्वारा कराया गया। बालिकाओं द्वारा सरस्वती वंदन की गई। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का माल्यार्पण कर अध्यक्ष द्वारा अभिनन्दन किया गया। श्रीमती शिल्पी खंडेलवाल ने वार्षिक प्रतिवेदन पढ़कर सुनाया तथा पृथक से सूचनाओं के माध्यम से अध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों से अनुरोध किया गया कि भविष्य में संस्था द्वारा अधिक प्रभावी कार्यक्रम चलाने हेतु वे आवश्यक धन की व्यवस्था हेतु अधिकाधिक सदस्य बनावें तथा अपना-अपना नये वर्ष का चंदा भी शीघ्राशीघ्र जमा करावे। इसके पश्चात बालिकाओं द्वारा नृत्य एवं संगीत का बडा मनोहारी कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम में सर्वाधिक आकर्षण केन्द्र एक सात माह से कम आयु की नन्ही मुन्नी शिशु बालिका दिव्यांशी का कृष्ण कन्हैया के रूप में मक्खन खाते हुए झाँकी का था।

सभी महिलाओं एवं बच्चों को दूध बादाम केशर युक्त ठंडाई पिलाई गई और लड्डूओं का प्रसाद भी वितरित किया गया।

खंडेलवाल वैश्य समाज, डीग

दिनांक 20 मार्च 05 रविवार को बसन्तोत्सव एवं होली मिलन समारोह स्थानीय समाज के अध्यक्ष भगवानप्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस समारोह में श्री राजेन्द्र प्रसाद दुसाद देहली, श्रीमती गीता देवी खंडेलवाल प्रधान पं.स. नगर तथा श्री रामबाबू सरपंच जुरहरा को शाल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। श्री फूलचन्द मेठी व श्रीमती रामदुलारी पीतलिया को वृद्ध महिला पुरूष के रूप में सम्मानित कियागया। समाज के प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को पुरूष्कृत किया गया।

श्रीमती गीतादेवीप्रधान महादेया ने अपने विचार प्रकट किये। अपने उद्बोधन में समाज की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का आश्वासन दिया। छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम के प्रस्तुतीकरण से वातावरण होली मय हो गया। सभी ने उनकी प्रस्तुती को सराहा। समाज बन्धुओं को स्वल्पाहार का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन नानकचन्द गुप्ता महामंत्री ने किया।

खंडेलवाल महिला मंडल, उज्जैन

खंडेलवाल महिला मंडल के तत्वावधान में फूलपाती उत्सव परम्परा अनुसार भव्यता के साथ सम्पन्न किया गया जिसमें समाज की अनेक महिलाओं एवं युवतियों ने भाग लिया।

आपने विस्तृत जानकारी देते हुये कहा कि कुंवारी लडकियां अच्छे वर की प्राप्ति की चाह में एवं सुहागिन महिलाएं अपने सुहाग की रक्षा के लिये इस पर्व में

सम्मिलित होती है यह परम्परा शीतला सप्तमी के बाद निकाले जाने की प्रथा चला आ रही है।

स्थानीय सराफा चौराहा पर विद्या प्रकाश टटार द्वारा सभी आत्मीय बंधुओं का स्वागत कर जलपान किया गया। इस सफलता भरे आयोजन में सम्पूर्ण समाज की महिलाओं का अपार योगदान रहा।

खंडेलवाल सेवा सदन ट्रस्ट, मथुरा

विगत 3 माह में सेवा सदन की कई कार्यकारिणी एवं आम सभा आहूत की गई है जिनमें भवन निर्माण हेतु अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये है।

सर्वसम्मति से सभी ट्रस्टियों से न्यूनतम 11000/- रू. अंशदान एकत्रित करके लगभग 5 लाख रूपया से अधिक बैंक एकाउन्ट में उपलब्ध हो चुका है। कई ट्रस्टियों ने इससे अधिक 21-31-51 हजार भी अंशदान प्रदान किया है।

सुसज्जित एक हॉल 40 बाई 60 फीट का 27 कमरे अटेच बाथ, किचिन स्टोर, लिफ्ट इत्यादि का निर्माण 11 मई 2005 से प्रारम्भ होना प्रस्तावित है।

मथुरा नगर की विशिष्ट संस्थाओं- खंडेलवाल ग्रुप, खंडेलवाल वैश्य सभा एवं रामेश्वर दास ट्रस्ट ने भी इस पुनीत कार्य हेतु विशेष आर्थिक सहयोग दिया है।

दि. 29-3-05 की बैठक में ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद कुमार खंडेलवाल एवं महामंत्री बाबू लाल खंडेलवाल ने अब तक की प्रगति का विवरण प्रस्तुत करते हुए आगामी योजनाओं पर दिल्ली से पधारे ट्रस्टी एवं गणमान्य बन्धुओं के साथ कार्यकारिणी की बैठक में विचार विमर्श किया जिसमें 10 नवीन ट्रस्टी बनाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया।

- दिल्ली से श्री शिवचरन लाल खंडेलवाल, श्री महेश चन्द्र झालानी एवं मथुरा से श्री लक्ष्मण प्रसाद ओढ ने नवीन ट्रस्टी बनने हेतु स्वीकृति प्रदान की साथ ही कटक से श्री प्रहलाद झालानी की स्वीकृति फोन द्वारा श्री आर.सी. गुप्ता दिल्ली वालों ने प्रदान की। इस कार्य योजना की यह सफलतम बैठक रही।

श्री आर.सी. गुप्ता वालों ने भव्य मन्दिर बनवाने की स्वीकृति प्रदान की साथ हीश्री भगवानदास जी एवं श्री जयनारायण मेठी दिल्ली वालों ने एक कमरा बनाने की स्वीकृति प्रदान की।

खंडेलवाल वैश्य सभा के होली मिलन कार्यक्रम के तहत श्री दशरथ लाल विलासपुर वाले द्वारा श्री जगदीश प्रसाद चोधरी, श्री चन्द्रभान जी रंग वाले एवं श्री प्रमोद कुमार नेशनल पेन्टस ने भी एक एक कमरा बनाने की स्वीकृति प्रदान की। सभी नये ट्रस्टीगण एवं दानदाताओं का करतल ध्वनि से अभिवादन एवं माल्यार्पण से स्वागत किया गया। इससे पूर्व श्री जगदीश प्रसाद बेसमा वाले बम्बई निवासी, श्री छीतरमल टोडवाल, श्रीमती मनोरमा खंडेलवाल रॉची द्वारा दिनेश जी श्री बद्रीप्रसाद माचीवाल धनबाद, श्रीगंगाप्रसाद मोदी, श्री मनोहर लाल होलू श्री राजेन्द्र कुमार भरतपुरिया श्री ओमप्रकाश सुधीर मेडिकल स्टोर, खंडेलवाल ग्रुप खंडेलवाल वैश्य सभा, श्री रामेश्वर दास खंडेलवाल धर्मार्थ ट्रस्ट ने एक एक कमरे की स्वीकृति दे चुके है। हॉल जावित्रि देवी ट्रस्ट द्वारा प्रस्तावित है।

भारत वर्ष के सम्पूर्ण खंडेलवाल वैश्य समाज के उदारमना समाज सेवी बन्धुओं से इस महायज्ञ में अपना योगदान ट्रस्टी बनने या अंशदान देने की अपील महामंत्री बाबू लाल खंडेलवाल ने की है। कृपया इस सम्बन्ध में दूरभाष 0565-2520330, 2420550, मो. 9837039250,9412280529 पर सम्पर्क करें

खंडेलवाल वैश्य पंचायत रजि., उज्जैन

खंडेलवाल धर्मशालामें समाज का रंगपंचमी कामिलन समारोह सम्पन्न हुआ। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी यह कार्यक्रम रंग और गुलाल के बीच सौल्लास पूर्वक मनाया गया। सर्वप्रथम आगंतुक सभी वरिष्ठ समाज बंधुओं का

टोपी पहनाकर एवं गुलाल लगाकर भावभीना स्वागत अध्यक्ष श्री रमेशचन्द बडाया रमण लाल बडेरा पुष्पेन्द्र जसोरिया, अशोक भुखमारिया, रामचंद्र झालानी धमेन्द्र गुप्ता, अनिल गुप्ता, ओमप्रकाश माचीवाल आदि ने किया।

तत्पश्चात राजेश गोलिया की उपाधि से समाजजनों को विभूषित किया। अनिल गुप्ता ने अपने साहित्यिक लहजे में समाज के वरिष्ठ्जनों के सम्मान में प्रशस्तियां पढी ।

खंडेलवाल मित्र मण्डल, इन्दौर

इस अवसर पर हास्य व्यंग कवि सम्मेलन एवं फाग गीतों कारंगारंग कार्यक्रम पेश किया गया।

कवि श्री छोटे लाल आमेरिया एवं श्री रमेश तायल द्वारा अपनी हास्य प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई।

संस्था अध्यक्ष श्री राधेश्याम सेठी ने आमंत्रित कलाकारों एवं कवियों का सब्जियों की माला पहनाकर स्वागत किया।

खंडेलवाल क्रियेटिव ग्रुप, इन्दौर

खंडेलवाल क्रियेटिव ग्रुप की निवेश ''कब कहा और कैसे'' पर परिचर्चा- सम्पन्न।

खंडेलवाल क्रियेटीव ग्रुप द्वारा निवेश के विभिन्न आयामों पर होटल अमर विलास में आयोजित परिचर्चा में श्री आशीष जैन, फ्रेक्लिन टेम्पलन इन्वेस्टमेंट के ब्रांच हेड ने म्युचुअल फंड की कार्य प्रणाली के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। आपने बताया कि आज के इस भौतिकवादी युग में जहां स्पेशिलाइजेशन का समय है में किस तरह आप पेशेवर संगठन की सेवाओं का लाभ लेकर अपना निवेश प्लान कर सकते है। निवेश कहां कहा पर किया जा सकता है उसके क्या लाभ है कितना सुरक्षित है उसके संबंध में आयकर के क्या प्रावधानहै कितनी छूट प्राप्त की जा सकती है। आदि पर श्री राजेन्द्र खंडेलवाल सी.ए. एवं श्री विजय अटोलिया ने अपने अपने विचार व्यक्त किए।

सपत्निक सदस्यों के प्रश्नों एवं जिज्ञासा का समाधान भी आशीष जैन ने किया। अतिथियों का स्वागत चेयरमेन श्री सुशील खंडेलवाल ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीसुनील रावत, सी.ए. मानद सचिव ने किया।

खंडेलवाल विकास मंच, औरंगाबाद

संस्था द्वारा बसंतपंचमी स्नेह मिलन समारोह तथाखंडेलवाल दिवस अत्यन्त सदभावपूर्ण वातावरण में बडी धूमधाम से बनाया गया।

सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन नूतन अध्यक्ष श्री सूर्यकान्त खूंटेटा खंडेलवाल द्वारा करके कार्यक्रम की शुरूआत की गई। दीप प्रज्वलन के पश्चात बच्चों तथा महिलाओं कीविविध स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। जिसमें महिला मंडल का सहयोग रहा। ओरंगाबाद शहर के समाज बंधुओं की प्रथम डिरेक्टरी का विमोचन श्री अनिल कुमार जी माली के कर कमलों द्वारा किया गया। महिला दिवस

के उपलक्ष में समाज की कुछ प्रतिष्ठित महिलाओं का सत्कार किया गया। जिसमें कु. शीतल माली, डॉ. शिला खंडेलवाल, डॉ. नेहा डंगायच, सौ. पुष्पा खूंटेटा को मानचिन्ह प्रदान किया गया।

मंच द्वारा आंखों की चिकित्सा व दांतों की चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया। सभी स्पर्धाओं का पारितोषिक वितरण श्री सूर्यकांत खूंटेटा श्री हीरालाल जी कूलवाल, श्री लक्ष्मीनारायण जी कूलवाल श्री केशरचंद जी जसोरिया, श्रीनाराण जी सौंखिया श्री प्रमोद जी सौंखिया श्री महेश जी जसोरिया, इनके हाथों संपन्न हुआ। सर्वकार्यक्रम का सूत्रसंचालन सचिव श्री निर्मल जी बढाया ने किया। कार्यक्रम की समाप्ती राष्ट्रगीत गाकर की गयी। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री मोहन लाल जी बेवाल श्री सत्यनारायण तांबी श्री मुकेश नाटाणी श्री मुकेश बम्ब, श्री दिलीप बंब, श्री पूनमचंद कूलवाल, श्रीराजेश कासलीवाल खंडेलवाल, महिला मंडल, खंडेलवाल यूथ क्लब आदि समाज बंधुओं ने सहकार्य किया।

खंडेलवाल सेवा समिति, आर.के. पुरम, कोटा

खंडेलवाल सेवा समिति महावीर नगर के शोपुरा कोटा के हाल ही चुनाव में निम्न पदाधिकारी निर्वाचित हुए है। जिनके फोटो भी भेजे जा रहे है अध्यक्ष-गिर्राज घीया, उपाध्यक्ष- पुरूषोत्तम कलकत्ता, महामंत्री-कमलेश धामानी, कोषाध्यक्ष- जगदीश कूलवाल, प्रचार सचिव- रमेश बाजरगान।

सभी पदाधिकारियों ने समाज हित में नये नये कार्य कुल देने को निर्णय लिया है तथा समाज सेवा के निःस्वार्थ भाव से करने का संकल्प लिया है तथा 26-3-05 को होली कार्यक्रम में सुबह 8.30 बजे होली मिलन शाम 6 बजे सामुहिक गोठ व भजन संध्या का कार्यक्रम निःशुल्क करने का निर्णय लिया और समाज के साथ सभी सदस्यों की शीघ्र जोड़ा जायेगा।

खंडेलवाल वैश्य समाज उत्तरांचल

दिनांक 27 फरवरी 05 को उत्तरांचल खंडेलवाल बन्धुओं की सभा हुयी जिसमें उत्तरांचल खंडेलवाल वैश्य समाज का गठन हुआ तथा नयी कार्यकारिणी बनायी गयी। जिसमें श्री मुरारी लाल खंडेलवाल जी देहरादून को अध्यक्ष पद श्री ललित कुमार खंडेलवाल जी हल्द्वानी को उपाध्यक्ष श्री श्री कान्त खंडेलवाल जी हल्द्वानी को मंत्री श्री कैलाश चन्द्र खंडेलवाल जी देहरादून को उपमंत्री कोषाध्यक्ष गढवाल क्षेत्र श्री हरद्वारी लाल खंडेलवाल जी देहरादून कोषाध्यक्ष कुमायु क्षेत्र श्री राजेश कुमार खंडेलवाल जी हल्दानी को बनाया गया। सभा में यह भी निर्णय लिया गया था कि प्रत्येक शहर से एक एक प्रतिनिधि अवश्य हो इस कारण देहरादून से श्री बालेश स्वरूप खंडेलवाल जी श्री आनन्द स्वरूप खंडेलवाल जी को चुना गया जिनको क्रमशः उत्तराचंल खंडेलवाल बन्धुओं की डायरेक्ट्री बनवांने तथा प्रचार मंत्री का कार्य सौंपा गया।

रुड़की से श्री नरेश खंडेलवाल जी को आडिटर तथा श्री अशोक खंडेलवाल जी को सदस्य रूद्रपुर से श्री विष्णु खंडेलवाल जी व सुभाष खंडेलवाल जी को सदस्य, ऋषिकेश से श्री नरेश कुमार खंडेलवाल जी को सदस्य चुना गया। सदस्यों द्वारा यह निर्णय लिया गया कि कार्यकारिणी में 15 सदस्य होने वाहिये। इस प्रकार 13 सदस्य निर्विरोध चुन लिये गये। लेन्सीडोन से तथा हरिद्वार से कोई खंडेलवाल बन्धु सभा में नहीं आये थे। इसलिए उन स्थानों के लिए एक-एक सदस्य को चुनने का अधिकार अध्यक्ष जी को दे दिया।

कलकत्ता खंडेलवाल बन्धुओं के द्वारा 2005 बसन्त पंचमी को हरिद्वार में अखिल भारतीय खंडेलवाल मिलन समारोह का जो दीपक जलाया उसी मिलन समारोह का 2006 का बीडा उत्तरांचल खंडेलवाल बन्धुओं ने लिया है।

खंडेलवाल वैश्य सभा, आकोला

संस्था की ओर से 'बसंत पंचमी उत्सव' खंडेलवाल दिवस के रूप में धूमधाम से स्थानीय खंडेलवाल भवन में रविवार ता. 13-2-2005 को मनाया गया।

इस अवसर पर नागपुर से श्री डॉ. गणेश जी कायथवाल सत्पनीक प्रमुख अतिथि के रूप में पधारे। सभी संगठन के पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया।

समाज के सभी उम्र के बच्चे, युवक, युवतियों के लिए विभिन्न खेलकूद तथा अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन खंडेलवाल युवा संगठन की ओर से किया गया। इस उत्सव में आयोजित सभा के अध्यक्ष श्री ज्ञानप्रकाश जी भुकमारिया ने अपने स्वागत के भाषण में अतिथि एवं सभी समाज बंधुओं को खंडेलवाल दिवस की शुभकामनायें देते हुये, अपने विचार व्यक्त किये एवं आगामी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। सभा का संचालन सचिव श्री विनोद तोडवाल ने किया। सभा की शुरूआत संत सुंदरदास की प्रतिमा को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके की। खंडेलवाल महिला मंडल की ओर से स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

श्री महेश भुकमारिया ने अतिथि महोदय का परिचय प्रस्तुत किया। प्रमुख अतिथि महोदय ने अपने भाषण में लडके और लडकियों के शिक्षा स्तर में आ रहे चिन्ता जनक बदलाव के बारे में कहा तथा लडकियों की तरह लडकों को भी उच्च शिक्षा अपनाने एवं अपनी शैक्षणिक योग्यता बढाने का आग्रह किया ताकि विवाह संबंधों में आ रही कठिनाईयों को दूर किया जा सके। तथा अपने जीवन में व्यवसाय में, समाज में, उच्च शिक्षा का लाभ ले सके और सेवा दे संके।

खंडेलवाल कल्याण मण्डल, भोपाल

संस्था द्वारा दिनांक 20 फरवरी 2005 को खंडेलवाल दिवस एवं बसन्तोत्सव कार्यक्रम बी.एच.ई.एल. भोपाल के दिगम्बर जैन मंदिर धर्मशाला में सम्पन्न हुआ। उपरोक्त कार्यक्रम में समाज सेवी, गोरक्षा म.प्र. प्रमुख व समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री गुलाब चन्द जी खंडेलवाल एवं श्रीमती उमा खंडेलवाल अध्यक्ष नगर पंचायत नरूसल्ला गंज का सम्मान शाल, श्रीफल द्वारा खंडेलवाल कल्याण मंडल के संरक्षक श्री दिलीप खंडेलवाल, अध्यक्ष श्री गिरिराज खंडेलवाल द्वारा किया गया।

कार्यक्रम स्वल्पाहार से हुआ सभी सदस्यों व उनके परिवारजनों द्वारा स्वल्पाहार ग्रहण कर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ।

साधारण सभा के प्रारंभ में संत शिरोमणी सुंदरदास जी चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री गुलाबचंद जी खंडेलवाल विशिष्ट अतिथि श्रीमती उंमा खंडेलवाल अध्यक्ष नगर पंचायत नसरूल्ला गंज, खंडेलवाल कल्याण मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शीला गुप्ता द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि द्वारा भूमि संबंधी प्रयासों में अपने सहयोग का आश्वासन दिया वहीं कुछ अन्य गतिविधियां करने का सुझाव भी दिया विशिष्ट अतिथि द्वारा अपने उद्‌बोधन में खंडेलवाल कल्याण मंडल के क्रियाकलापों की प्रशंसा व सभी प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया। विभिन्न प्रतियोगिता में विजयी प्रतियोगियों को पुरूस्कार मुख्य अतिथि श्री गुलाब चन्द जी खंडेलवाल विशिष्ट अतिथि श्रीमती उमा खंडेलवाल, अध्यक्ष श्री गिरिराज खंडेलवाल, श्री रामअवतार जी खंडेलवाल श्री

गोपालदास खंडेलवाल मामाजी द्वारा प्रदान किये गये। वर्ष 2005 बसंतोत्सव में प्रदान किये गये सभी पुरूस्कार के खर्च का वहन श्री गोपालदास खंडेलवाल मामाजी प्रतिष्ठान कारनिहार द्वारा किया गया।

उपरोक्त घोषणा से ओतप्रोत होकर श्री मनोहर लाल जी खंडेलवाल खंडेलवाल कन्वेर्सस, श्री शिवरतन जी गुप्ता खजूरी, श्री अशोक खंडेलवाल पुस्तक सदन, शिवप्रसाद जी खंडेलवाल नागरिक बैंक, चारों सदस्यों ने घोषणा की कि वर्ष 2005 के आयोजित बसंतोत्सव संत सुंदरदास जयंती व अन्नकूट भोज के आयोजन का खर्च हम चारों सदस्यों द्वारा किया जावेगा। सभी उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनी से स्वागत किया। वर्ष 2005 की जमा राशि की फिफ्स डिपाजिट खंडेलवाल कल्याण मंडल द्वारा बना दी जावेगी ऐसा आश्वासन समाज को सचिव द्वारा दिया गया।

खंडेलवाल मित्र मण्डल, इन्दौर

संस्था द्वारा हिंकारगिरी पर्वत पर पारिवारिक आयोजन ''बसंतोत्सव पर्व'' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों एवं बडों के लिए कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें सभी सदस्यों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया।

खंडेलवाल मित्र मण्डल द्वारा संचालित, संत सुन्दरदास स्मारक निर्माण समिति के माध्यम से संत सुन्दरदास प्रतिमा अनावरण एवं परिचय सम्मेलन जो कि दिनांक 18-19 अप्रेल, 2005 को होने वाला था, निर्माण कार्य की धीमी गति को देखते हुए यह आयोजन स्थगित किया गया है।

खंडेलवाल वैश्य विकास समिति, बदनपुरा, जयपुर

संस्था की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह एवं खंडेलवाल वैश्य समाज के नवनिर्वाचित पार्षद गणों का सम्मान समारोह बदनपुरा स्थित आनन्द गार्डन में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय विधायक श्री मोहन लाल गुप्ता ने समिति की कार्यकारिणी को कर्तव्य निष्ठा एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर श्री मोहन लाल गुप्ता ने कहा कि समाज में व्याप्त कुरूतियों को समाप्त करने के लिए क्षेत्रीय संस्थाएं आगे आयें तथा इसके लिए सृजनात्मक कार्य की रूप रेखा तैयार करें। श्री गुप्ता ने कहा कि ऐसे अवसर पर एक ही क्षेत्र में रहने वाले समाज के बन्धुओं को एक दूसरे से मिलने मिलाने का एक मौका मिलता है तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम व सद्भाव बढायें। समारोह की अध्यक्षता जयपुर महानगर खंडेलवाल वैश्य समन्वय समिति, जयपुर के अध्यक्ष श्री सुरेश पाटोदिया ने की। इस अवसर पर श्री पाटोदिया ने समाज के बेरोजगार युवकों को रोजगार उपलब्ध कराये जाने के लिए योजना बनाने तथा गरीब तथा असहाय लोगों की सहायता करने पर जोर दिया। तथा आव्हान किया कि सभी समाज को बन्धु एक दूसरे का पूरा सहयोग करें ताकि समाज का गरीब तबका अपने आपको असहाय महसूस नहीं करें।

इस अवसर पर बदनपुरा क्षेत्र के प्रतिभाशाली छात्र/छात्राओं को प्रशस्ती पत्र व पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसरपर ख.वै. हितकारिणी सभा के अध्यक्ष श्री सोहन लाल ताम्बी जो जयपुर नगर निगम के नव निर्वाचित पार्षद भी है तथा पार्षद श्रीमती ज्योति खंडेलवाल, कमल किशोर गुप्ता को भी सम्मानित किया गया।

खंडेलवाल क्रियेटिव ग्रुप, इन्दौर

खंडेलवाल दिवस पर बच्चों ने सुनामी त्रासदी को रंगों से उकेरा

खण्डेलवाल वैश्य पंचायती सभा द्वारा 'खण्डेलवाल क्रियेटिव ग्रुप के संयोजन में खण्डेलवाल दिवस एवं बसंतोत्सव पर समाज का पारिवारिक कार्यक्रम नेहरू पार्क में आयोजित किया गया। जिसमें बच्चों के लिये चित्रकला प्रतियोगिता, महिलाओं के लिये श्रेष्ठ बसन्ती परिधान प्रतियोगिता व क्वीज प्रतियोगिताएँ आदि आयोजित कर खंडेलवाल दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

खण्डेलवाल वैश्य पंचायती सभा के अध्यक्ष- श्री मुरली धामानी, सचिव- श्री अनिल कूलवाल एवं खण्डेलवाल क्रियेटिव ग्रुप के चेयरमेन- श्री सुशील खंडेलवाल एवं सचिव श्री सुनील खंडेलवाल ने बताया कि समाज के करीब 50 बच्चों ने चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया एवं सुनामी त्रासदी के प्रति अपनी भावनाओं के रंगों के माध्यम से अभिव्यक्त किया, जिसमें बड़े वर्ग में प्रथम-अक्षत अटोलिया एवं द्वितीय-कु.अर्पिता खंडेलवाल रहे एवं छोटे वर्ग में प्रथम- कु. समृद्धि खंडेलवाल, द्वितीय अमित खंडेलवाल रहे। प्रतियोगिता की निर्णायक कलाकक्ष की संचालिका। श्रीमती रेणु भार्गव व सत्यसाँई स्कूल से श्रीमती शुभदा ठाकुर थी। उन्होंने बच्चों की बसन्ती परिधान प्रतियोगिता में विजेता रही प्रथम-श्रीमती ज्योति पीतलिया एवं द्वितीय-श्रीमती शिवानी धामानी।

इस अवसर पर समाज के कई गणमान्य बन्धु अपने परिवार सहित मौजूद थे। साथ ही पंचायती ट्रस्ट के चेयनमेन श्री संतोष धामानी, सचिव-श्रीसुनील पाटोदिया, मित्र मण्डल अध्यक्ष- श्री राधेश्याम सेठी, सोश्यल ग्रुप के अध्यक्ष- श्री कैलाश बनावड़ी, महिला मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती मंजु खंडेलवाल, महिला संगठन से श्रीमती सीता देवी खंडेलवाल अध्यक्ष-श्रीमती सीता खूंटेटा, समन्वय क्लब की श्रीमती रेणु खंडेलवाल एवं क्रियेटिव ग्रुप के श्री विनोद धामाणी, श्री राकेश खंडेलवाल एवं भारी संख्या में समाज बन्धुओं ने उपस्थित होकर बसन्तोत्सव बनाया एवं पिकनिक के रूप में अपने-अपने घरों से लाये गये टिफिन से सामूहिक रूप से बैठकर सहभोज किया। कार्यक्रम का संचालन श्री राजेश बड़ाया एवं श्री नवीन खंडेलवाल सी.ए. ने किया।

श्री खंडेलवाल वैश्य समिति मालवीय नगर जयपुर

संस्था के सदस्यों ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बडे ही उत्साह के साथ बसन्त पंचमी दिनांक 13-02-05 को खंडेलवाल दिवस के रूप में मनाया है।

प्रातः 9 बजे अध्यक्ष निवास पर माँ सरस्वती देवी का बहुत ही सुन्दर एवं बड़े जोश से पूजन इत्यादि किया गया। कार्यक्रम को दीप प्रज्वलित समिति के गणमान्य सदस्य श्री सत्यनारायण जी खंडेलवाल, मौजी कॉलोनी द्वारा किया जाकर प्रारम्भ किया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने माँ सरस्वती देवी का कुमकुम पुष्पाहार आदि से पूजा अर्चना की। माँ सरस्वती की वन्दना एवं प्रार्थना समिति के महामंत्री श्री रावत ने अपने उत्साहित आवाज में गाकर सब को मुग्ध कर दिया। बसन्त पंचमी महोत्सव पर भी प्रकाश डाला गया।

समिति के अध्यक्ष श्री महेन्द्र हल्दिया ने उपस्थित सभी सदस्यों को केशर की बर्फी का प्रसाद वितरित किया। अन्त में अल्पाहार के साथ कार्यक्रम को सम्पन्न किया।

श्री खंडेलवाल वैश्य पंचायती मन्दिर प्रबन्ध समिति गलीमेधा चौक बाजार मथुरा

दृढ़ इच्छा शक्ति एवं निस्वार्थ सेवा ही समाज की सच्ची सेवा है। इसके लिये हमें युवा वर्ग को अच्छे संस्कार देकर शिक्षित करना होगा। समाज को उन्नति के शिखर ले जाने का दायित्व युवा वर्ग का ही है।

सामाजिक कार्य में सभी राजनीति का प्रवेश नहीं होना चाहिये। इन सभी परिस्थितियों में ही हम खण्डेलवाल समाज को उन्नति के शिखर पर ले जायेंगे। ये उद्गार थे ''खण्डेलवाल दिवस समारोह'' के मुख्य अतिथि श्री योगेश कुमार लोहिया, महाप्रबन्धक ओरिएण्टल इंश्यारेन्स कं. के। खंडेलवाल दिवस समारोह का आयोजन ठा. राधावल्लभ जी महाराज खंडेलवाल वैश्य मंदिर प्रबन्ध समिति के द्वारा दिनांक 15 फरवरी को चमेली देवी खंडेवलवालवैश्य मंदि रप्रबन्ध समिति के द्वरा दिनांक 15 फरवरी को चमेली देवी खंडेलवाल गर्ल्स इण्टर कॉलेज में मनाया गया। इसके अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक एवं प्रतिभा सम्मान, वृद्धजंन पुरूष महिला सम्मान आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके विशिष्ट अतिथि वृन्दावन से पधारे श्री महेश खण्डेलवाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्याम सुन्दर खंडेलवाल ने की।

कार्यक्रम का शुभारम्भ चमेली देवी खंडेलवाल की बालिकाओं द्वारा गणेश वंदना से आरंभ किया गया। उसके पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा समाज शिरोमणि संत सुन्दरदास जी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर पुष्प सुमन अर्पित किये गये। मुख्य अतिथि का परिचय महासभा के संयुक्त मंत्री श्री कृष्ण टोडवाल द्वारा दिया गया। इसके पश्चात् मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत संस्था के अध्यक्ष श्याम सुन्दर खंडेलवाल, उपाध्यक्ष लक्ष्मन प्रसाद हाथिये वाले, कोषाध्यक्ष हजारी लाल, अंकेक्षक हरी बाबू द्वारिका प्रसाद दिनेश माठ द्वारा पुष्पाहार पहनाकर किया गया। स्वागत करने वालों में अन्य गणमान्य बन्धु थे- समिति के पूर्व मंत्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, वैश्य सभा के अध्यक्ष चन्द्रभान रंग वाले सेवा सदन ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद कुमार रंग वाले, खंडेलवाल ग्रुप के अध्यक्ष- मुकेश खंडेलवाल एडवोकेट युवा सेवा मण्डल के अध्यक्ष प्रदीप कुमार, खंडेलवाल क्लब के अध्यक्ष- अजय खंडेलवाल तथा महिला मंडल की मंत्राणी श्रीमती राज खंडेलवाल।

इसके पश्चात् स्वजातीय बच्चों शिप्रा खंडेलवाल, सौम्या खंडेलवाल, शिवानी, कविता, सागर, शिखा, पारूल, भगवती देवी शिशु मन्दिर की नन्हीं मुन्नी बालिकाओं तथा चमेली देवी खंडेलवाल गर्ल्स इण्टरकालेज की बालिकाओं द्वारा मनोहरी होली नृत्य मयूर नृत्य गायन आदि प्रस्तुत किये गये। जिनकी उपस्थिति समुदाय द्वारा मुक्त कंठ से प्रशंसा की गयी। वृद्धजन सम्मान कार्यक्रम के अंतर्गत श्री पूरनचंद खंडेलवाल एवं श्रीमती हरमुखी देवी धर्मपत्नी हरमुखी देवी धर्मपत्नी स्व. देवकीनन्दन टोडवाल का माल्यार्पण एवं शॉल उढाकर एवं भागवत ग्रन्थ प्रदान कर सम्मान किया गया। हाईस्कूल से उच्च शिक्षा स्तर तक प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण प्रतिभाओं का सम्मान मुख्य अतिथि द्वारा डा. रमेश चन्द्र गुप्ता एवं श्रीमती सरोज गुप्ता के सौजन्य से प्राप्त शील्ड एवं पुरस्कार देकर किया गया। इसी अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा प्रमुख समाज सेविका एवं महिला मण्डल की मंत्राणी श्रीमती राज खंडेलवाल का सम्मान प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया गया।

इससे पूर्व 13 फरवरी को ठा. राधावल्लभ जी महाराज खंडेलवाल वैश्य मंदिर में भव्य छप्पन भोग एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसी दिन प्रातः 11 बजे से खंडेलवाल क्लब के अध्यक्ष अजय खंडेलवाल एवं मंत्री श्याम खंडेलवाल द्वारा स्वजातीय क्लब के अध्यक्ष अजय खंडेलवाल एवं मंत्री श्याम खंडेलवाल द्वारा स्वजातीय बच्चे की विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम आशीष एवं चेतन द्वितीय एवं नेहा नींबू दौड़ में प्रथम अंशुल द्वितीय शिल्पी तथा तृतीय अनीश एवं एक मिनट प्रतियोगिता में प्रथम तनुज तथा द्वितीय नीरज, इन सभी को अध्यक्ष श्याम सुन्दर खंडेलवाल उपाध्यक्ष लछमन

प्रसाद एवं पूर्व मंत्री राजेन्द्र चौधरी द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये।

कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया। विशेष रूप से चमेली देवी खंडेलवाल की प्रबन्धिका श्रीमती रतन प्रभा खंडेलवाल एवं कार्यवाहक प्रधानाचार्य का जिन्होंने चमेली देवी प्रांगण में आयोजित कार्यक्रमों को सम्पादित करने में अपना पूर्ण सहयोग दिया। कार्यक्रम का समापन छप्पन भोग प्रसाद वितरण से किया गया।

खंडेलवाल महिला मंडल उस्मानपुरा औरंगाबाद

खंडेलवाल महिला मंडल औरंगाबाद का हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मकर संक्रांति के शुभ अवसरपर हल्दी कंकु व वार्षिक चुनाव भूतपूर्व अध्यक्षा माधुरी खूंटेटा शशि ठाकुरिया सुध खूंटेटा शोभा घिया, सरला दुसाद व कांता मेठी की देखरेख में हर्षोल्लास वातावरण में संपन्न हुये जिसमें 2004-05 के निम्न पदाधिकारी नियुक्त किये गये।

अध्यक्ष सौ. प्रमिला ओमप्रकाश दुसाद उपाध्यक्ष इटरनल सौ. अनिता कुलवाल, उपाध्यक्ष एक्सरटरनल सौ. अलका सौंखिया, सचिव-मंजु कृष्णगोपाल बेवाल। सहसचिव- मीना मोहन बेवाल, कोषाध्यक्ष-सौ. अनिता सुरेद्र मेहता, सहकोषाध्यक्ष-सौ. पद्य जंघीनिया प्रकल्प प्रमुख सौ. उमा खूंटेटा, सौ. रजनी खारवाल, बर्थ डे कमिटी। सौ. संजीवनी माली एवं सौ. वनिता नाटानी, कल्चर कमेटी- नेहा खंडेलवाल कार्यकारिणी- सौ. मेनका खूंटेटा सौ. वंदना कूलवाल, सौ. सुनीता खूंटेटा, सौ. करूणा कूलवाल, शोभा मेहता, रश्मी जसोरिया, शोभा कूलवाल, अर्चना बडेरा, कन्या तम्बोलि्या, कल्पना सौंखिया।

नई कार्यकारिणी ने अपने कार्यक्रम की शुरूवात रंगोली प्रशिक्षण से की साथ ही 26 जनवरी को समाज की जगह पर बालाजी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री बंशी लाल जी कूलवाल द्वारा ध्वजारोहण कराया गया व ब्लड ग्रुप की जांच करके कार्ड वितरीत किये गये। अभी बसंत पंचमी होली मिलन व गणगौर का कार्यक्रम रखा जा रहा है साथ ही लिक्विड सोप और फिनाईल बनाने क प्रशिक्षण लर्निंग लायनेंस पी.यू.सी. चेकअप आदि प्रकल्प कर रहे हे।

औरंगाबाद से अभी खंडेलवाल समाज के 190 घर हो गये है और व्यवसाय, शिक्षण नौकरी आदि के कारण और भी घर अभी बढ़ रहे है। धन्यवाद

मन्दिर श्री गोपाल जी महाराज, ग्वालियर

खंडेलवाल वैश्य समाज मंदिर श्री गोपाल जी महाराज, भाऊ का बाजार, लश्कर में खंडेलवाल दिवस बसन्तोत्सव दिनांक 13 फरवरी 2005 रविवार को मंदिर प्रबंध समिति के तत्वावधान में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें भगवान राधाकृष्ण जी को बसन्ती पोशाक धारण करायी गयी। प्रातः 10.30 बजे गोपाल जी महाराज, संत सुन्दरदास जी की आरती की गई। तत्पश्चात उपस्थित समाज बन्धुओं, महिलाओं एवं बच्चों को स्वल्पाहार एवं प्रसाद वितरण किया गया।

मंदिर प्रबंध समिति के संयोजक प्रभुदयाल नाटाणी को वीरेन्द्र जी खूंटेटा, पवन नाटाणी रामबाबू जी कूलवाल लक्ष्मण जी घिया एवं श्रीमती हेमलता घीया ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

इस अवसर पर संतूलाल जी ठाकुरिया, विश्वम्भर दयाल जी रावत प्रहलाद जी मेठी, राजेन्द्र जी घीया, गोपाल जी धामाणी, किशोर जी ठाकुरिया, रमेश जी कूलवाल, गोपाल जी तमोलिया एवं महिलाओं में श्रीमती विमला कूलवाल, तारादेवी नाटाणी, श्रीमती सरस्वतरी देवी रावत, शालिनी घीया, श्रीमती सम्पत्ति खूंटेटा, ममता नाटाणी एवं बच्चे विशेष रूप से कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

खण्डेलवाल समाज, धमतरी, बसंत पंचमी पर खंडेलवाल दिवस बनाया गया

बसंत पंचमी के पावन दिवस पर धमतरी खंडेलवाल समाज द्वारा ''खंडेलवाल दिवस'' सामुदायिक भवन मैत्री विहार कॉलोनी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम आरम्भ में ज्ञान की देवी मां सरस्वती की छायाप्रति में समाज के अध्यक्ष श्री मदनमोहन जी ठाकुरिया द्वारा माल्यार्पण एवं उपाध्यक्ष श्री चिरंजीलाल नारायणवाल एवं उपाध्यक्ष श्री शिव खारवाल द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। खंडेलवाल महिला मंडल द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई।

खंडेलवाल समाज द्वारा खंडेलवाल दिवस पर समाज के वयोवृद्ध संरक्षकों श्री विश्वनाथ जी ठाकुरिया एवं श्री दीपचंद जी खारवाल का सम्मान किया गया। श्री अरविन्द ठाकुरिया द्वारा श्री विश्वनाथ प्रसाद जी ठाकुरिया एवं श्री निलेश खारवाल द्वारा श्री दीपचंद जी खारवाल का संक्षिप्त जीवन परिचय प्रस्तुत किया गया। समाज के अध्यक्ष श्री मदनमोहन ठाकुरिया द्वारा पुष्पहार एवं साल भेंटकर दोनों का संम्मान किया गया।

''खंडेलवाल दिवस'' पर नययुवक मंडल एवं महिला मंडल द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में नवयुवक मंडल अध्यक्ष-श्री नितेश खारवाल, सचिव-शैलेश खारवाल एवं शीतल खारवाल एवं सचिन खारवाल तथा महिला मंडल के अध्यक्ष- प्रतिमा खारवाल सचिव- वीणा खारवाल, सहसचिव-वर्षा खारवाल एवं कोषाध्यक्ष या खारवाल का विशेष योगदान रहा। भोजन व्यवस्था का कार्य श्री नंदकिशोर खारवाल द्वारा की गयी।

समापन में समाज के अध्यक्ष मदनमोहन ठाकुरिया द्वारा विजयी प्रतियोगियों को पुरूस्कार वितरित किया गया तथा समाज को सम्बोधित किया। मंच संचालन एवं आभार समाज के महामंत्री निलेश खारवाल द्वारा किया गया। दिन भर चले कार्यक्रमों समाज के प्रमुख श्री राधेश्याम ठाकुरिया श्री विजय खारवाल भुवनेश ठाकुरिया, डुलीचंद खारवाल, मदन खारवाल नंदकिशोर खारवाल सुरेश खारवाल, दिनेश ठाकुरिया, नरेन्द्र नारायणवाल अनिल खारवाल, अरविन्द ठाकुरिया, अशोक खारवाल, अखिलेश ठाकुरिया गोपाल खारवाल, योगेश खारवाल, दीपक ठाकुरिया तथा समाज की महिलाओं नवयुवकों एवं बच्चों की विशेष उपस्थिति रही।

खंडेलवाल मण्डल देहू रोड

संस्था द्वारा खंडेलवाल दिवस एंव बसंतोत्सव समारोह का आयोजन वैश्य समाज मंदिर में दिनांक 21 फरवरी 2005 सोमवार को सम्पन्न हुआ।

विभिन्न सांस्कृतिक एवं प्रतिभा सम्मान, वृद्धजन पुरूष महिला सम्मान तथा महिला मंडल द्वारा कई रंगा-रंग कार्यक्रम हुए।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री रामकिशोर जी व सौ कस्तुरी देवी पाटोदिया द्वारा समाज शिरोमणी संत सुन्दरदास जी के तस्वीर के सम्मुख दीप प्रज्वलित व पुष्प सुमन अर्पित किए गए। सर्वप्रथम सौ निशा पाटोदिया द्वारा गणेश वंदना कि गई इसके पश्चात छोटे छोटे बच्चों ने होली नृत्य, मयूर नृत्य फैंन्सी ड्रेस, नाटक, गायन आदि प्रस्तुत किये।

वृद्धजन सम्मान कार्यक्रम के अंतर्गत श्री द्वारकाप्रसाद जी, सौ कौशल्या देवीजी दुसाद तथा श्रीनारायणजी व सौ. बादामी देवी माचीवाल इन्हें माल्यार्पण एवं गुलदस्ता प्रदान करके उन्हें सम्मानित किया गया. तथा महिला मंडल ने आर्शीवाद प्राप्त किया।

खूबसूत मॉडलिंग शो तथा फैशन शो इस कार्यक्रम ने सभी के दिनों पर विशेष छाप छोडी। ईस प्रोग्राम को पेश किया (National Institue of Event Management Pune NIEM) लोकेश सेठी, दुर्गेश खूंटेटा, स्वीटी झालानी छात्रों ने। इसमें भाग लेने वाले स्पर्धकों के नाम है पूजा लाभी, नेहा शर्मा, स्वेता दुसाद, निकीता बाजरगान, रितेश झालानी तथा विनीत सेठी।

समाचार सूचनायें

श्री आकड़ सरपंच निर्वाचित

श्री खंडेलवाल वैश्य समाज समिति, चौकड़ी तोपखाना देश, की साधारण सभा दिनांक 3 अप्रेल, 2005 को मंदिर श्री सीताराम जी छोटी चौपड़ पर आयोजित की गई जिसमें समिति के अध्यक्ष श्री गजानन्द आकड़ का ग्राम पंचायत भापुरा तहसील सांगानेर, के सरपंच पद पर निर्वाचित होने पर आम सभा द्वारा हार्दिक अभिनन्दन किया गया। श्री आकड ने अपने भाषण में सबको धन्यवाद देते हुये कहा कि मैं समाज समिति तथा गांव के विकास में तन् मन से पूर्ण सहयोग देता रहूंगा।

अर्पित खंडेलवाल इन्दौर को बधाई

अर्पित खंडेलवाल पुत्र श्री जगदीश जी खंडेलवाल साजन नगर इन्दौर द्वारा अखिल भारतीय श्री मेडिकल परीक्षा सीपीएमटी 2005 में उत्तीर्ण होकर एम.बी.बी.एस् में चयनित होने पर हार्दिक बधाई।

नगर पंचायत चुनाव में जुरहरा (भरतपुर) में श्री रामबाबू खंडेलवाल जखोकरिया सरपंच पद पर विजयी

पंचायत चुनाव में रामबाबू खंडेलवाल जखोकरिया सरपंच पद पर भारी बहुमत से विजयी हुई आप एक अच्छे सामाजिक कार्यकर्ता है कस्बे की अनेक सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं से जुड़े हुए है।

खंडेलवाल समाज, जुरहरा द्वारा आपका तथा श्री रविन्द्र कुमार जैन, प्रधान पंचायत समिति कामां स्थानीय खंडेलवाल धर्मशाला में चाँदी का मुकुट भेंट कर तथा शॉल उढाकर, पुष्पहार पहनाकर अभिनन्दन किया गया।

श्री कालीचरणदास जी कोडिया के अध्यक्ष निर्वाचित होने पर बधाई

मैं परम सम्माननीय श्री कालीचरण जी कोडिया अजमेर के अखिल भारत वर्षीय खंडेलवाल वैश्य समाज के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचन पर शुभकामना व्यक्त करता हूं तथा हर्षतिरेक का अनुभव करता हूं कि आप जैसा निर्विवाद व्यक्तित्व ही समाज को चहुंमुखी प्रगति की दिशा की ओर अग्रसर करने की क्षमता रखता है।

निःसंदेह समाज में आप में एक ऐसी जादुई शक्ति देखता है जो हर समस्या के निराकरण की अलौकिक क्षमता रखताहै। मैं ईश्वर से कामना करता हूं कि आप की सेवाएं निर्बाध रूप से अनवरत समाज को मिलती रहें। रामसहाय, खेरली

श्री आर.सी. गुप्ता राधे-राधे जी को खंडेलवाल समाज पश्चिमी दिल्ली की तरफ से हार्दिक बधाई

भारतवर्ष के 16 करोड़ वैश्यों की अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामदास जी अग्रवाल ने श्री आर.सी. गुप्ता श्री राधे राधे वृन्दावन ग्रुप दिल्ली को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत करके खंडेलवाल वैश्य समाज का मान बढ़ाया। श्री आर.सी. गुप्ता जी एक धार्मिक तथा सामाजिक विचारधारा के अनुभवी व्यक्ति एवं महान तन-मन-धन तीनों से एक वरिष्ठ समाजसेवी है। जैसे उनके शरीर से पडने वाली परिछाई को बाहरी कोई ताकत दूर नहीं कर सकती उसी प्रकार से उनके दिल से समाज सेवा भाव एवं धार्मिक विचारों को दूर नहीं कर सकता। उसके लिए खंडेलवाल समाज पश्चिमी दिल्ली उनका हार्दिक अभिनन्दन करते हुए श्री राधारानी जी से उनकीं दीर्घ आयु की कामना करते है तथा साथ ही अध्यक्ष श्री रामदास जी अग्रवाल को भी धन्यवाद देते है कि अपनी तीव्र बुद्धिनुसार खंडेलवाल भाई व समाज का मान बढाया।

मैं. आरसी. गुप्ता, दिल्ली के अखिल भारत वर्षीय वैश्य समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के निर्वाचन पर

शुभकामना व्यक्त करता हूं तथा भविष्य में इनके उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर होने की अपने मन में सदैव इच्छा संजोए हुए हूं।

आप समाज के उन मूर्धन्य कर्णधारों में हो जिन्होंने खंडेलवाल समाज को आर्थिक निर्भरता प्रदान करने में अपनी उल्लेखनीय भूमिका का निर्वहन किया है।

निःसन्देह आपके नेतृत्व में वैश्य समाज को नई दिशा प्राप्त होगी।

रामसहाय, खेरली (अलवर)

धीरा खंडेलवाल आई.ए.एस. विदेश यात्रा से वापस

श्रीमती धीरा खंडेलवाल आई.ए.एस. कमिश्नर हरियाणा सरकार दिनांक 6-2-05 से 20-2-05 15 दिवस विदेश यात्रा पर हॉलेंड गई। यात्रा भारत सरकार द्वारा प्रायोजित थी।

मार्ग में पेरिस फ्रांस तथा फ्रेंकफुर्त जर्मनी इनकी यात्रा में सम्मिलित थे।

इनकी इस हॉलेंड यात्रा के दोरान वहाँ की राजधानी हेग अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय Peace palace लाईडेन ऐमस्टरडम रौटरडम दुनियां का बडा बंदरगाह डेल्फ नीली पाटरी के लिए विश्वभर में विख्यात जैसे स्थल प्रवास के मुख्य केन्द्र बिन्दु थे। वहाँ इनके पंद्रह दिनों के प्रवास काल में ज्ञानवर्द्धन का विषय सहस्राब्दी में विकास के लक्ष्य था। इस संदर्भ में अध्ययन हेतु भारत सरकार द्वारा विभिन्न राज्यों से 4 आई.ए.एस. वहाँ भेजे गए थे। तथा अन्य देशों यथा युगान्डा घाना स्विटजरलैंड बेल्जियम नीदरलैंड इक्वाडोर बोल्विया आदि देशों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इससे परस्पर एक दूसरे को समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

इस यात्रा से पूर्व भी ये सरकार द्वारा भेजे जाने पर विभिन्न देशों यथा आस्ट्रेलिया, थाईलैंड मलेशिया, सिंगापुर, बंग्लादेश, इटली, फ्रांस, डेनमार्क आदि देशों की सामाजिक क्षेत्रों की गतिविधियों एवं क्रियाकलापों के अध्ययन हेतु तीन बार यात्रा कर चुकी है।

गुप्ता एण्ड कं. आगरा को अवार्ड

आधुनिक युग में जहाँ नारी अपने सौन्दर्य को निखार पाने को नई-नई तकनीकियों का सहारा ले रही है वही अपने आन्तरिक वस्त्रों के भी नये-2 साधन ढूढ रही है। आज उत्तरभारत में नारी के परिधानों के लिए एकमात्र 45 वर्षों से स्थापित प्रशंसनीय ऐसी शोरूम

गुप्ता एंड कम्पनी सदरबाजार आगरा में अपना अलग स्थान रखता है यहाँ देशी ही नहीं विदेशी ब्रान्ड के आन्तरिक वस्त्रों का एक मात्र शोरूम है जिसके संस्थापक प्रेमचंद गुप्ता है। संचालक ललित गुप्ता है। यहाँ महिलाओं, ग्राहकों के लिए 40 वर्षों से सेल्सगर्ल ही कार्यरत है। शोरूम मे मुख्यतः लवेबिल वेनिटी फेयर ट्राई ऐनामोर सोहनी सेलमार्क लिब्रा डेजीटी, लिबर्टीना, शैरी स्टेण्डर्ड फार्म, गोसमर, लिबर्टीवर्ड के साथ-2 20 अन्य प्रसिद्धि ब्रान्डेड कम्पनियों की ब्रा पेन्टी नाइटी गाऊन स्लिप आदि के साथ-2 लेडीज टॉप की भी फैन्सी वैरायटी उपलब्ध रहती है। ट्राईलो इन्डस्ट्रीज ने गुप्ता एंड कं. को उ.प्र. में डिस्ट्रीब्यूटर नियुक्त किया है। आंतरिक परिधानों के लिए लगभग 200 किमी तक का ग्राहक यहाँ से सामान खरीदना पसंद करताहै। यहाँ फिक्सड रेट पर ही माल बेचा जाता तथा आज तक

कभी भी शोरूम पर सेल नहीं लगायी गयी। बॉडीवियर द्वार आयोजित फेयर में लैस एंड लिन्जरीज व इन्दरा हौजरी द्वारा जो हमें लिन्जरीज रिटेल एवार्ड नॉर्थ जोन का एवार्ड दिया है, उसके लिए कम्पनी उनका बहुत आभारी है।

इस अवार्ड से यह तो निश्चित है कि भविष्य में कम्पनी आंतरिक वस्त्रों की बिक्री के साथ-2 आन्तरिक वस्त्रों के आधुनिक ब्रान्डों को प्रसिद्धि के उच्चतम शिखर पर पहुंचाने का प्रयास करेगी।

दि. 12-3-05 को लैस एंड लिन्जरीज के एडीडर/पब्लिशर श्री संजय मनोचा सत्पनीक आगरा पधारे व गुप्ता एंड कं. के संस्थापक/व्यवस्थापक

श्री प्रेमचन्द गुप्ता व ललित गुप्ता को अवार्ड दिया जिसमें आगरा के सम्भ्रान्त नागरिकों के साथ दैनिक समाचार पत्र के सम्पादक श्री सरोज अवस्थी व सहारा टी.वी. की टीम को श्री मनीषा ने साक्षात्कार भी दिया।

अत्यावश्यक सूचना

महासभा का 30वां अधिवेशन उदयपुर में दिनांक 4-5-6 जून 05 को आयोजित हो रहा है। अधिवेशन के अवसर पर कार्यकारिणी समिति के सदस्यों का चुनाव भी होगा। इन चुनावों में ये ही महासमिति के सदस्य भाग ले सकेंगे जिनके नाम घोषित वचन की राशि संस्था की रसीद बुक या संग्रहित राशि बकाया नहीं होगी। अतः सभी बन्धुओं से निवेदन है कि किसी भी प्रकार की बकाया, रसीदं बुक आदि उनके पास हो तो वे 20 मई, 2005 तक कार्यालय में जमा करा देवें। यह अत्यावश्यक है।

रामकिशोर ताम्बी
कोषाध्यक्ष

समाज की प्रतिभाएं

प्रीती खंडेलवाल समानित

जिला एवं सत्र न्यायाधीश आर.पी. औदिच्य ने कहा कि कानून के माध्यम से समाज व परिवार में सामाजिक चेतना जागृत की जा सकती है। शुक्रवार को दौसा विधि महाविद्यालय में विधि सत्र न्यायालय मूट कोर्ट के आयोजित

समारोह में उन्होनें कहा कि विधि व्यवसाय के लिए विधि के अध्ययन व कड़े परिश्रम की आवश्यकता है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरेश चन्द्र शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए विधि प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने मूट कोर्ट के न्यायाधीश के समक्ष कई कल्पित वादों के वादी व प्रतिवादी के वकील की भूमिका निभाई। न्यायाधीश ने वर्ष 2004 की विधि परीक्षा में उच्चतम अंक पाने वाली छात्रा प्रीती खंडेलवाल को स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

उत्तम चन्द गुप्ता को पी.एच.डी.

साधुराम गुप्ता बडनगर जयपुर के सुपुत्र उत्तम चन्द गुप्ता को "Evalation of Hypilipidemic and Antixidant properties of certain plant Cotracts in Rats." नामक विषय पर राजस्थान विश्वविद्यालय में Doctor of Philosophy (Science) की उपाधि प्रदान की। श्री गुप्ता ने अपना शोधकार्य राजस्थान विश्वविद्यालय के Zoology Department में किया। वर्तमान में डॉ. यू. सी. गुप्ता पोदार कॉलेज नवलगढ़ के में Zoology Department प्रवक्ता पद

पर कार्यरत है। वे विभिन्न राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लेते रहे हैं तथा विभिन्न राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में उनके शोध पत्र प्रकाशित हुए है।

कु. शिखा खंडेलवाल, कट्टा

कु. शिखा (कट्टा) खंडेलवाल सुपुत्री श्री किसन जी कट्टा फोटोग्राफ ने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित सं. 2004 की कक्षा दसवीं की परीक्षा में 77.33% अंक प्राप्त कर गार्गी पुरस्कार से सम्मानित किया है

कु. लीना खंडेलवाल

कु. लीना उर्फ रीना खंडेलवाल ने उच्चाकों 91% केसाथ एम.सी.ए. की डिग्री मद्रास विश्वविद्यालय से प्राप्त की। कॉन्वेट एज्यूकेटेड कॉफबॉल एवं नेट बाल की राष्ट्रीय खिलाड़ी मांगलिक गोत्र भांगला एवं सेठी कुमारी लीना का जन्म 9-6-1980 14:37 पर पचोर जिला राजगढ़ ब्यावरा म.प्र. में हुआ है। आपको आय-फ्लेक्स साल्यूशन्स लि. द्वारा एसोसियेट कन्सल्टेंट के पद पर मुम्बई में अनुबंधित किया है। राजगढ़ जिला खंडेलवाल समाज इनके उज्जवल एवं उच्च भविष्य की कामना करता है।

हँसले हँसाले

जो पल मिला है
हँसले हँसाले।

मालूम नहीं है,
कब अन्त आये?
सांसो का धागा
कब टूट जाये?
रूठा नहीं रह,
पिय को मनाले।

मजलिस जुटी है
रंगीन मौका।
सब हँस रहे हैं,
सुख का है झोंका।
गमगीन क्यों है?
उठ गीत गाले।

हरदम कोई न
कोई है चिंता
ठोकर कभी तो
गिर करके फिसला।
मधुबन में आया
क्यों मुंह फुलाये?

जो अब नहीं है
उसको नहीं रो।
जो आयेगा कल
उसमें नहीं खो।
जो सामने है
उसको भुनाले।

क्या ठीक, साथी
कब कौन टूटे?
रूक जाये कब कौन,
मुड़ जाये उल्टे?
अफसोस क्यों हो?
मिल गीत गाले।

गोविन्द शरण रावत
कलकत्ता

U.S. Bound Student Travel Award

We have established funds in memory of our beloved father and grandfather, Ram Swarup Jaghinia Khandelwal Each travel award carries an amount up to Rs. 34,000 and can be used defray travel expenses incurred by a student for his or her Masters or Doctoral level stuides in the U.S.

Questions? Please email:
Govind Khandelwal, Ph.D.
Virginia Beach, Virginia, U.S.A.
gsk100f@erols.com

Community Adviser:
Raj Kumari Khandelwal
Malad, Mumbai

Write for further Information to:
Arun Khandelwal, B.E.
Gokul Nagri-1, I-402, W. E. Highway
Kandivli (East), Mumbai, 400101
ab.khandelwal@skanskaindia.co.in

कभी भी शोरूम पर सेल नहीं लगायी गयी। बॉडीवियर द्वार आयोजित फेयर में लैस एंड लिन्जरीज व इन्दरा हौजरी द्वारा जो हमें लिन्जरीज रिटेल एवार्ड नॉर्थ जोन का एवार्ड दिया है, उसके लिए कम्पनी उनका बहुत आभारी है।

इस अवार्ड से यह तो निश्चित है कि भविष्य में कम्पनी आंतरिक वस्त्रों की बिक्री के साथ-2 आन्तरिक वस्त्रों के आधुनिक ब्रान्डों को प्रसिद्धि के उच्चतम शिखर पर पहुंचाने का प्रयास करेगी।

दि. 12-3-05 को लैस एंड लिन्जरीज के एडीडर/पब्लिशर श्री संजय मनोचा सत्पनीक आगरा पधारे व गुप्ता एंड कं. के संस्थापक/व्यवस्थापक

श्री प्रेमचन्द गुप्ता व ललित गुप्ता को अवार्ड दिया जिसमें आगरा के सम्भ्रान्त नागरिकों के साथ दैनिक समाचार पत्र के सम्पादक श्री सरोज अवस्थी व सहारा टी.वी. की टीम को श्री मनीषा ने साक्षात्कार भी दिया।

अत्यावश्यक सूचना

महासभा का 30वां अधिवेशन उदयपुर में दिनांक 4-5-6 जून 05 को आयोजित हो रहा है। अधिवेशन के अवसर पर कार्यकारिणी समिति के सदस्यों का चुनाव भी होगा। इन चुनावों में ये ही महासमिति के सदस्य भाग ले सकेंगे जिनके नाम घोषित वचन की राशि संस्था की रसीद बुक या संग्रहित राशि बकाया नहीं होगी। अतः सभी बन्धुओं से निवेदन है कि किसी भी प्रकार की बकाया, रसीदं बुक आदि उनके पास हो तो वे 20 मई, 2005 तक कार्यालय में जमा करा देवें। यह अत्यावश्यक है।

रामकिशोर ताम्बी
कोषाध्यक्ष

समाज की प्रतिभाएं

प्रीती खंडेलवाल समानित

जिला एवं सत्र न्यायाधीश आर.पी. औदिच्य ने कहा कि कानून के माध्यम से समाज व परिवार में सामाजिक चेतना जागृत की जा सकती है। शुक्रवार को दौसा विधि महाविद्यालय में विधि सत्र न्यायालय मूट कोर्ट के आयोजित

समारोह में उन्होनें कहा कि विधि व्यवसाय के लिए विधि के अध्ययन व कड़े परिश्रम की आवश्यकता है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरेश चन्द्र शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए विधि प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने मूट कोर्ट के न्यायाधीश के समक्ष कई कल्पित वादों के वादी व प्रतिवादी के वकील की भूमिका निभाई। न्यायाधीश ने वर्ष 2004 की विधि परीक्षा में उच्चतम अंक पाने वाली छात्रा प्रीती खंडेलवाल को स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

उत्तम चन्द गुप्ता को पी.एच.डी.

साधुराम गुप्ता बडनगर जयपुर के सुपुत्र उत्तम चन्द गुप्ता को "Evalation of Hypilipidemic and Antixidant properties of certain plant Cotracts in Rats." नामक विषय पर राजस्थान विश्वविद्यालय में Doctor of Philosophy (Science) की उपाधि प्रदान की। श्री गुप्ता ने अपना शोधकार्य राजस्थान विश्वविद्यालय के Zoology Department में किया। वर्तमान में डॉ. यू. सी. गुप्ता पोदार कॉलेज नवलगढ़ के में Zoology Department प्रवक्ता पद

पर कार्यरत हे। वे विभिन्न राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लेते रहे हैं तथा विभिन्न राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में उनके शोध पत्र प्रकाशित हुए है।

कु. शिखा खंडेलवाल, कट्टा

कु. शिखा (कट्टा) खंडेलवाल सुपुत्री श्री किसन जी कट्टा फोटोग्राफ ने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित सं. 2004 की कक्षा दसवीं की परीक्षा में 77.33% अंक प्राप्त कर गार्गी पुरस्कार से सम्मानित किया है

कु. लीना खंडेलवाल

कु. लीना उर्फ रीना खंडेलवाल ने उच्चाकों 91% केसाथ एम.सी.ए. की डिग्री मद्रास विश्वविद्यालय से प्राप्त की। कॉन्वेट एज्यूकेटेड कॉफबॉल एवं नेट बाल की राष्ट्रीय खिलाड़ी मांगलिक गोत्र भांगला एवं सेठी कुमारी लीना का जन्म 9-6-1980 14:37 पर पचोर जिला राजगढ़ ब्यावरा म.प्र. में हुआ है। आपको आय-फ्लेक्स साल्यूशन्स लि. द्वारा एसोसियेट कन्सल्टेंट के पद पर मुम्बई में अनुबंधित किया है। राजगढ़ जिला खंडेलवाल समाज इनके उज्जवल एवं उच्च भविष्य की कामना करता है।

हँसले हँसाले

जो पल मिला है
हँसले हँसाले।

मालूम नहीं है,
कब अन्त आये?
सांसो का धागा
कब टूट जाये?
रूठा नहीं रह,
पिय को मनाले।

मजलिस जुटी है
रंगीन मौका।
सब हँस रहे हैं,
सुख का है झोंका।
गमगीन क्यों है?
उठ गीत गाले।

हरदम कोई न
कोई है चिंता
ठोकर कभी तो
गिर करके फिसला।
मधुबन में आया
क्यों मुंह फुलाये?

जो अब नहीं है
उसको नहीं रो।
जो आयेगा कल
उसमें नहीं खो।
जो सामने है
उसको भुनाले।

क्या ठीक, साथी
कब कौन टूटे?
रूक जाये कब कौन,
मुड़ जाये उल्टे?
अफसोस क्यों हो?
मिल गीत गाले।

गोविन्द शरण रावत
कलकत्ता

मैरिज ब्यूरो

वर चाहिये

22 वर्षीय शिक्षा, एम.ए. कद 5 फीट 4'' गोत्र नैनावा कायथवाल, सम्पर्क सूत्र श्री शिवलाल खण्डेलवाल ए-132 संजय कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) फोन 228169

23 वर्षीय शिक्षा एम.ए.कद 5 फीट 3'' गोत्र भण्डारिया, बड़ाया सम्पर्क सूत्र श्री एस.आर.गुप्ता 5-ए-26 न्यू हाउसिंग बोर्ड, शास्त्री नगर भीलवाड़ा (राज.) फोन 252584 निवास 510584

24 वर्षीया कद 5 शिक्षा बी.डी.एस. अन्तिम वर्ष गोत्र-पाबूवाल एवं खूंटेटा। डाक्टर/इंजिनियर/प्रशासनिक अधिकारी वर चाहिये। बी.डी.एस./एम.डी.एस. एवं स्वयं के क्लिनिक को प्राथमिकता। सम्पर्क सूत्र श्री आर. बी. गुप्ता निदेशक परीक्षा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, 1 क 9 शास्त्री नगर अजमेर राज. फोन- 0145-2429045 मो.-941400467

28 वर्षीया कद 5 फीट शिक्षा एम.ए. बी.टीसी. राजकीय अध्यापिका गोत्र जसोरिया खूंटेटा। सम्पर्क सूत्र -श्री जगदीश प्रसाद खंडेलवाल म.नं. 14/120 नई बस्ती सोरा कटरा, शाहगंज, आगरा-10

21 वर्षीया कद 5 फीट 4'' शिक्षा बी.ए. अन्तिम वर्ष गोत्र रावत जसोरिया सम्पर्क सूत्र श्री श्याम सुन्दर रावत, 2865 सेक्टर 22 सी चण्डीगढ फोन-0172277699

23 वर्षीया शिक्षा-एम.कॉम कद 5 फीट 3'' गोत्र नैनिवाल सौंखिया। सम्पर्क सूत्र-श्री मुकुटबिहारी खंडेलवाल सी-93 कैलाश नगर प्रथम निम्बाहेडा फोन 01477224142

22 वर्षीया शिक्षा एम.ए.सी. कम्प्यूटर कद 5 फीट 4'' गोत्र बूसर बटवाडा सम्पर्क सूत्र श्री एस.आर.गुप्ता 5 ए 26 न्यू हाउसिंग बोर्ड शास्त्री नगर, भीलवाड़ा फोन-252584

25 वर्षीय 5'6'' बी.कॉम कम्प्यूटर कोर्स प्रशिक्षित पोस्ट ग्रेज्यूएशन लखनऊ विश्वविद्यालय के लिये गोत्र बुढ़वारिया,कट्टा चाहिये। गोत्र बुढवारिया- कट्टा सम्पर्क सूत्र- श्री डी.के. खंडेलवाल 4/275 विकास नगर लखनऊ फो. 0522-2767228

वधु चाहिये

22 वर्षीय शिक्षा ग्रेजुएट गोत्र सेठी- रावत स्व्यं के व्यवसाय में संलग्न सम्पर्क सूत्र श्रभ सुरेश खंडेलवाल कच्चा पेथ चामड गेट हाथरस उ.प्र. फोन नम्बर 05722-232063

26वर्षीय कद 5 फीट 8'' शिक्षा ग्रेजुएट स्वयं का निजी व्यवसाय गोत्र-भण्डारिया बडाया सम्पर्क सूत्र- श्री सत्यनारायण भण्डारिंया, 26/325 रामगंज अजमेर राज. मो. 9828053363।

26 वर्षीय कद 5 फीट 8'' शिक्षा ग्रेजुएट स्वयं का निजी व्यवसाय गोत्र भण्डारिया, बडाया। सम्पर्क सूत्र- श्री सत्यनारायण भण्डारिया, 26/325 रामगंज अजमेर राज. मो. 98280-53363

28 वर्षीय कद 5 फीट 6'' शिक्षा बी.कॉम कम्प्यूटर गोत्र- बूसर बडवाडा, प्राइवेट सर्विस सम्पर्क सूत्र- श्री एस.आर. खंडेलवाल 5-ए-26 नया हाउसिंग बोर्ड शास्त्री नगर भीलवाडा राज. फोन-252584

26 वर्षीय बी.एस.सी. स्वस्थ सुन्दर युवक इण्डियन आर्मी में केप्टिन कद 5' 11'' के लिये सुयोग्य वधु चाहिये। गोत्र बुढवारिया,कट्टा सम्पर्क सूत्र श्री डी.के. खंडेलवाल 4/275 विकास नगर लखनऊ फो. 0522-2767226

25 वर्षीय शिक्षा बी.कॉम कद 5 फीट 8'' गोत्र आमेरिया सौंखिया निजी व्यवसाय, सम्पर्क हेतु श्री नवल किशोर गुप्ता द्वारा कृष्णा ऑटोमोबाइल्स भोपालगंज भीलवाड़ा राज. गोत्र 01482-239272

24 वर्षीय शिक्षा एम.कॉम कद 5 फीट 8'' गोत्र नैनावा' कायथवाल स्वयं के व्यवसाय में संलग्न सम्पर्क सूत्र- श्री सुरेशचन्द गुप्ता, अभिनन्दन प्लॉट नं. 117 विद्युत नगर भीलवाडा राज. फोन-01482-237140 नि.

26 वर्षीय कद 5 फीट 4'' शिक्षा बी.ई. एम.बी.ए. गोत्र बम्ब, सौंखिया सांखूनिया लि. कम्पनी में कार्यरत सम्पर्क सूत्र- श्री आर.पी. गुप्ता तृतीय-13 आई.जी.एन.पी. कॉलोनी जैसलमेर फोन-02992-252849 मो. 94141-50322

विधुर

40 वर्षीय कद 5 फीट 4'' शिक्षा सैकण्डरी राजकीय कर्मचारी गोत्र -नैनावा माली। तलाकशुदा, विधवा आदि भी मान्य। सम्पर्क सूत्र- श्री शिवलाल खंडेलवाल 132 ए श्री गेस्ट हाउस के पीछे संजय कॉलोनी, भीलवाड़ा राज.

55 वर्षीय राजकीय सेवा में रत गोत्र राजोरिया, रावत पत्नी की 2 साल पूर्व मृत्यु हो गई बच्चे नहीं है। सम्पर्क सूत्र श्रीवल्लभदास गुप्ता फोन नम्बर 0141-2227222

गोद लेने हेतु

1 साल से छोटा बच्चा लडकी अथवा लडका गोद लेना है। जो भी व्यक्ति इच्छुक हो निम्न पते पर सम्पर्क करें। गोत्र सौंखिया श्री रमेशचन्द्र गुप्ता एस.40-41 सिवाड एरिया, बापू नगर जयपुर फोन- 2709654

सामूहिक विवाह

श्री खंडेलवाल वैश्य समाज समिति लोना वाला के तत्वावधान में 2-3 मई 2005 को परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाहों का विशाल आयोजन हो रहा है। इस क्रम में समाज द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही है। इस कार्य में पूना मध्यप्रदेश महाराष्ट्र छत्तीसगढ़ में सम्पर्क साधा गया है। इस सम्बन्ध में जो भी बन्धु सम्पर्क करना चाहे वे साई इलेक्ट्रोनिक्स लोकमान्य तिलक मार्ग लोनावाला पूना महा. से सम्पर्क करें। फोन. 021114273002

संवेदनाएं

✲ 95 वर्ष के श्री किसन लाल जी ठाकुरिया का स्वर्गवास

चिखलठाण, जि. औरंगाबाद महाराष्ट्र के निवासी 95 वर्ष के श्री किसन लाल सवाईराम ठाकुरिया का 27 जनवरी को स्वर्गवास हुआ। 1947 में महात्मागांधी से संपर्क आने पर जीवनभर गांधी विचारधारा से प्रभावित रहे। प्रथम स्वातंत्र्यदिन पर गांव में तिरंगा लहराकर तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया था। उनके निरोगी जीवन का रहस्य था। नित्य व्यायाम, पैदल घुमना, अल्पआहार। अंतयात्रा में मराडवाडा का सारा समाज एवंम हजारों ग्रामवासी उपस्थित थे।

महासभा उपरोक्त परिवार के प्रति गहरी संवेदनायें प्रकट करते हुये सभी दिवंगत पुण्यात्मा की अमरशांति की व सभी शोक संतप्त परिवारजनों को इस विछोह को सहन करने की शक्ति देने की प्रभु से प्रार्थना करती है।

जीवन

एक इम्तहान है।
एक यात्रा है
सुख दुख का पर्याय है
एक रहस्य है
एक संघर्ष है
क्षण भुंगर है।
एक मेला है।
एक पहेली है।
एक हकीकत है।
मौत की अमानत है।

डॉ. एन.के.सेठी
बडियाकलां दौसा

उदयपुर अधिवेशन में समाज का
– सहयोग –
जातीय गंगा के दर्शन एवं समाज सेवा का अनुपम अवसर

युवक

अधिक सेवा कर
स्वयं सेवक बनकर
व्यवस्था में हाथ बटावें
शान्ती व गरिमामय आयोजन करने में योग दें

बन्धुगण

फिजूल खर्चों को बन्द करें
कुरूतियों का त्याग करें
व्यापार व्यवसाय उन्नत करने के कार्यक्रम तय करें
परस्पर प्रेम व सद्भावना बनावें।

महिलायें

दिखावे का बहिष्कार करें
बहू को पुत्री का दर्जा दें
समाज सुधार में अग्रणीय बनें।

दिनांक 4-5-6 जून 2005 शनिवार-रविवार-सोमवार को

आप सादर आमंत्रित है

अधिवेशन स्थल- नगर परिषद् परिसर, उदयपुर

-: आयोजक :-

खण्डेलवाल वैश्य समाज उदयपुर

48, सैण्ट्रल एरिया, उदयपुर, (राज.)

कोई भी जानकारी करनी हो तो सम्पर्क सूत्र :-

महेश खण्डेलवाल अध्यक्ष 9414168070-2414070
विजय खण्डेलवाल महासचिव 9828069020-2528386
विनय कट्टा मुख्य सम्पादक 9414164925-2486925
उमेश गुप्ता उपाध्यक्ष 9828126066-2451651,2529015

डाक पंजीयन संख्या - JPC/3822/02/2003-05 अप्रैल,2005 R.N.I. No. 72410/99
Licence No SSP- RJ /JPC/WPP- 53/2003 (Licence to Post Without Prepayment)

अखिल भारतवर्षीय खण्डेलवाल वैश्य महासभा का 30वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन

दिनांक 4-5-6 जून शनिवार- रविवार-सोमवार

को होना निश्चित खण्डेलवाल वैश्य समाज,
उदयपुर के तत्वावधान में यह

विशाल आयोजन

युवा शक्ति में विशेष उत्साह
समाज की सेवा का
अनुपम अवसर

डाक पंजीयन संख्या - JPC/3822/02/2003-05
खंडेलवाल महासभा पत्रिका
गंगा मन्दिर स्टेशन रोड, जयपुर-302006
(कृपया वितरण न होने पर उपरोक्त पते पर लौटाएं)
श्री
डेलवाल
पक्का चौक
)पिन-221001

जातीय गंगा के दर्शन का लाभ

इस अवसर पर युवा सम्मेलन महिला सम्मेलन व अन्य कार्यक्रम आयोजित करना प्रस्तावित

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि वे अधिवेशन में पहुंचने का कार्यक्रम बनावें व सपरिवार इस अधिवेशन में सम्मिलित होकर भगवान श्री श्री नाथ जी के दर्शनों का भी लाभ प्राप्त करें।

अखिल भारतवर्षीय खण्डेलवाल वैश्य महासभा
गंगा मन्दिर स्टेशन रोड, जयपुर
फोन : 2372430-2374839

खण्डेलवाल वैश्य महासभा जयपुर (स्वामी) के लिए प्रवीन खण्डेलवाल द्वारा प्रकाशित (प्रकाशक) फोन : 2372430
प्रीमियर प्रिन्टिंग प्रेस, जयपुर, फोन : 2294887, में मुद्रित (मुद्रक) गंगामंदिर, स्टेशन रोड, जयपुर से प्रकाशित
सम्पादक-बाबूलाल खूलवाल, फोन : 2372430-2303593